शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

https://epaper.shubhamsandesh.net

रांची, शुक्रवार 05 सितंबर 2025 ● भाद्रपद शुक्ल पक्ष 13, संवत 2082 ● रांची एवं पटना से प्रकाशित ● वर्ष : 3, अंक : 149 ● मूल्य ₹ 4, पृष्ठ संख्या : 12

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	28.1	22.0
डालटनगंज	32.6	23.7
धनबाद	30.8	24.5

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

जीएसटी व्यापक सुधारों पर मुहर, 22 से लागू होंगी नई दरें, तंबाकू उत्पाद, सिगरेट, कोल्ड ड्रिंक्स व विलासिता वाले आइटम्स हो जाएंगे महंगे

दैनिक इस्तेमाल के सामान होंगे सस्ते

एजेंसियां। नयी दिल्ली

जीएसटी काउंसिल ने अप्रत्यक्ष करों की दरों में ऐतिहासिक सुधार करते हुए चार की जगह अब सिर्फ दो जीएसटी स्लैब को मंजूरी दे दी है. काउंसिल में सभी राज्यों के वित्त मंत्रियों ने आम सहमति से जीएसटी की सिर्फ दो दरों, 5 और 18 फीसदी को मंजूरी दी. पनीर, छेना, टेट्रापैक दूध, रोटी, चपाती परांठा, खाकरा जैसी आम लोगों से जुड़ी खाद्य वस्तुओं, दुर्लभ बीमारियों और कैंसर की दवाओं पर कोई टैक्स नहीं लगेगा. व्यक्तिगत स्वास्थ्य बीमा और जीवन बीमा पॉलिसियों को भी करों से छूट दे दी गई है. इसकी लंबे अरसे से मांग उठ रही थी। वहीं, फास्ट फूड, धनाढ्य वर्ग के उपभोग में आने वाली लग्जरी कारों समेत शराब, तंबाकू जैसी चुनिंदा विलासिता की एवं जीवन के लिए हानिकारक वस्तुओं के लिए 40 फीसदी का विशेष कर स्लैब बनाया गया है.

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जीएसटी परिषद की 56वीं बैठक में लिए गए निर्णय के बारे में गुरुवार को यहां आयोजित एक प्रेस कांफ्रेंस में जानकारी देते हुए कहा कि जीएसटी में पांच फीसदी और 18 फीसदी की दो-स्तरीय कर संरचना को मंजूरी दी गई है. उन्होंने बताया कि गुटखा, तंबाकू और तंबाकू उत्पादों तथा सिगरेट को छोड़ कर सभी उत्पादों पर नई दरें 22 सितंबर यानी नवरात्रि के पहले दिन से लागू होंगी. सीतारमण ने बताया कि जीएसटी में व्यापक सुधारों के तहत बाल में लगाने वाले तेल, साबुन, साइकिल आम और मध्यम वर्ग की वस्तुओं पर जीएसटी की दर 12 फीसदी या 18 फीसदी से घटाकर पांच फीसदी कर दिया गया है. उन्होंने बताया कि जीएसटी परिषद ने लोगों को राहत देते हुए रोजमर्रा के उपयोग वाले सामानों पर जीएसटी दरों में कटौती की है. उन्होंने कहा कि

व्यक्तिगत जीवन बीमा, स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी के प्रीमियम पर जीएसटी से छूट मिलेगी. वित्त मंत्री ने कहा कि इसके अलावा छोटी कारों और 350 सीसी तक के दोपहिया वाहनों पर 18 प्रतिशत जीएसटी लगेगा. तिपहिया वाहन पर भी अब 18 फीसदी कर लगेगा. उन्होंने कहा कि तंबाकू, पान मसाला और सिगरेट पर जीएसटी 40 फीसदी की विशेष दर से लगेगा. सीतारमण ने कहा, यह केवल जीएसटी में सुधार नहीं है, बल्कि संरचनात्मक सुधारों और लोगों की जीवन को सुगम बनाने की दिशा में उठाया गया कदम है.

वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग के सचिव अरविंद श्रीवास्तव ने कहा, जहां तक जूतों का सवाल है, पहले दो दरें थीं. 1000 रुपये से कम कीमत वाले जूतों पर 12 फीसदी और 1000 रुपये से ज्यादा कीमत वाले जूतों पर 18 फीसदी कर लगता था. लेकिन, अब 2500 रुपये से कम कीमत वाले जूतों पर 5 फीसदी और 2500 रुपये से ज्यादा कीमत वाले जूतों पर 18 फीसदी टैक्स लगेगा. उन्होंने बताया कि छोटी कारों पर 18 फीसदी कर लगेगा और बाकी सभी कारों पर 40 फीसदी टैक्स लगेगा. श्रीवास्तव ने मीडिया को बताया कि पेट्रोल इंजन 1200 सीसी और डीजल इंजन 1500 सीसी का होता है और इसके साथ ही लंबाई की भी सीमा हो सकती है. नियमों के मुताबिक छोटी कारों पर 18 फीसदी कर लगेगा. उन्होंने कहा कि हम इसके लिए अलग से कोई नई परिभाषा नहीं बना रहे हैं.

आइए देखते हैं पूरी लिस्ट...

फूड आइटम्स

- वनस्पति वसा/तेल 12% से 5% में
- मोम, वनस्पति मोम 18% से 5% में
- मांस, मछली, फूड प्रोडक्ट्स 12% से 5% में
- डेयरी उत्पाद (मक्खन, घी) 12% से 5% में
- छेना-पनीर 12% से 0%
- सोया दूध 12% से 5% में
- चीनी, उबली हुई मिठाइयां 12%-18% से 5% में
- चॉकलेट और कोको पाउडर 18% से 5% में
- पास्ता, कॉर्न फ्लेक्स, नूडल्स, बिस्कुट, माल्ट एक्सट्रेक्ट (गैर-कोको) 12%-18% से 5% में
- जैम, जेली, मुरब्बा, मेवे/फलों का पेस्ट, सूखे मेवे, मेवे 12% से 5% में
- फलों का रस, नारियल पानी 12% से 5% में
- पहले से पैक पिज्जा ब्रेड, खाखरा, चपाती, रोटी 5% से शून्य
- कंज्यूमर और डोमेस्टिक वस्तुओं पर जीएसटी
- हेयर ऑयल, शैम्पू, टूथपेस्ट, शेविंग उत्पाद, टैल्कम पाउडर 18% से 5%
- टॉयलेट साबुन (बार/केक) 18% से 5%
- टूथब्रश, डेंटल फ्लॉस 18% से 5%
- शेविंग क्रीम/लोशन, आफ्टरशेव 18% से 5%
- सामान्य टेबलवेयर/किचनवेयर (लकड़ी, लोहा, तांबा, एल्युमीनियम, प्लास्टिक) 12% से 5%
- दूध पिलाने की बोतलें और निप्पल, प्लास्टिक के मोती 12% से 5%
- इरेजर 5% से शून्य
- मोमबत्तियां 12% से 5%
- छाते और संबंधित वस्तु 12% से 5%
- सिलाई सुइयां 12% से 5%
- सिलाई मशीनें और पुर्जे 12% से 5%
- कपास/जूट से बने हैंड बैग 12% से 5%
- शिशुओं के लिए नैपकिन/डायपर 12% से 5%
- पूरी तरह से बांस, बेंत, रतन से बने फर्नीचर 12% से 5%
- दूध के डिब्बे (लोहा/स्टील/एल्यूमीनियम) 12% से 5%
- पेंसिल, शार्पनर, चॉक 12% से शून्य
- मानचित्र, ग्लोब, चार्ट 12% से शून्य
- प्रैक्टिस बुक, नोटबुक 12% 5% से शून्य

एग्रीकल्चर और फर्टिलाइजर

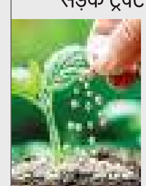

- ट्रैक्टर (1800सीसी से अधिक क्षमता वाले सड़क ट्रैक्टरों को छोड़कर) 12% से 5%
  पिछले ट्रैक्टर टायर/ट्यूब 18% से 5%
  मिट्टी/ कटाई/थ्रेसिंग के लिए कृषि मशीनरी 12% से 5%
  कम्पोस्टिंग मशीनें 12% से 5%
- स्प्रिंकलर/ड्रिप सिंचाई/लॉन/स्पोर्ट्स रोलर्स 12% से 5%
- जैव-कीटनाशक, सूक्ष्म पोषक तत्व 12% से 5%
- ईंधन के लिए पंप 28% से 18%
- ट्रैक्टरों के लिए हाइड्रोलिक पंप 18% से 5%

हेल्थ पर जीएसटी

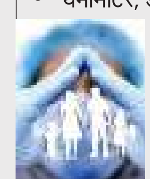

- हेल्थ और टर्म इंश्योरेंस 18% से शून्य
- थर्मामीटर, डायग्नोस्टिक किट 12% 18% से 5%
  रक्त ग्लूकोज मॉनिटर (ग्लूकोमीटर) 12% से 5%
  मेडिकल ग्रेड ऑक्सीजन और हाइड्रोजन पेरोक्साइड 12% से 5%
- चश्मा 12% से 5%
- मेडिकल रबर के दस्ताने 12% से 5%
- कई दवाएं और खास दवाएं 12% से 5% या शून्य
- चयनित दुर्लभ औषधियां 5% या 12% से शून्य

कार और बाइक पर टैक्स

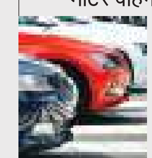

- टायर 28% से 18%
- मोटर वाहन (छोटी कारें, तिपहिया वाहन, एम्बुलेंस, 350सीसी से छोटी बाइक, कमर्शियल व्हीकल) 28% से 18%
  मोटरसाइकिलें 350सीसी से छोटी 28% से 40%
  बड़ी एसयूवी, लक्जरी/प्रीमियम कारें, सीमा से ऊपर की हाइब्रिड कारें, रेसिंग कारें 28% से 40%
  रोइंग बोट/डोंगी 28% से 18%
  साइकिलें व गैर-मोटर तिपहिया वाहन 12% से 5%

इलेक्ट्रॉनिक्स

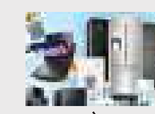

- एयर कंडीशनर (एसी) 28% से 18%
- बर्तन धोने की मशीनें 28% से 18%
- टीवी (एलईडी, एलसीडी), मॉनिटर, प्रोजेक्टर 28% से 18%

तंबाकू और पेय पदार्थ

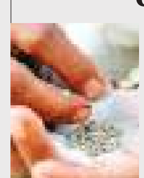

सिगार, सिगरेट, तंबाकू उत्पाद 28% से 40%
बीड़ी (पारंपरिक हाथ से बनी) 28% से 18%
कार्बोनेटेड/वातित पेय, स्वादयुक्त पेय, कैफीनयुक्त पेय 28% से 40%
पौधे-आधारित दूध, फलों के गूदे से बने पेय 18% या 12% से 5%

कपड़े

- सिंथेटिक धागे, बिना बुने कपड़े, सिलाई धागा, स्टेपल फाइबर 12% और 18% से 5%
- परिधान, रेडिमेड, 2,500 रुपये से अधिक नहीं 12% से 5%
- परिधान, रेडिमेड, 2,500 रुपये से अधिक 12% से 18%

कागज पर जीएसटी रेट

अभ्यास पुस्तिकाओं, ग्राफ पुस्तकों, प्रयोगशाला नोटबुक के लिए कागज 12% से शून्य
ग्राफिक कागज 12% से 18%
कागज के बोरे या बैग, बायोडिग्रेडेबल बैग 18% से 5%

चमड़ा पर टैक्स

- तैयार चमड़ा 12% से 5%
- चमड़े के सामान, दस्ताने 12% से 5%

होटल उद्योग को मिली बड़ी राहत

होटल में खाना : अब सभी होटलों में खाने पर 5% जीएसटी लगेगा. पहले यह 12-18 फीसदी लगता था.

होटल में रुकना हुआ सस्ता : 1,000 से कम कीमत वाले होटल कमरों पर जीएसटी नहीं लगेगा. 1,000 से 7500 रुपए के कमरों पर जीएसटी 18% से घटा कर 12 फीसदी और 7500 से ऊपर के कमरों पर 18% जीएसटी रहेगा.

हिनू स्थित वाटिका होटल.

हस्तशिल्प और कला

- नक्काशीदार कला उत्पाद (लकड़ी, पत्थर, आधार धातु, कॉर्क) 12% से 5%
- हाथ से बने कागज और पेपरबोर्ड 12% से 5%
- हस्तशिल्प लैंप 12% से 5%
- पेंटिंग, मूर्तियां, पेस्टल, प्राचीन संग्रहणीय वस्तुएं 12% से 5%

बिल्डिंग निर्माण पर टैक्स

- टाइलें, ईंटें, पत्थर जड़ाई कार्य 12% से 5%
- पोर्टलैंड, स्लैग, हाइड्रोलिक सीमेंट 28%-18%

ऊर्जा और नवीकरणीय ऊर्जा

- सौर कुकर/वॉटर हीटर, बायोगैस/ पवन/ अपशिष्ट से ऊर्जा/सौर पैनल 12% से 5%
- ईंधन सेल मोटर वाहन 12% से 5%
- कोयला, लिग्नाइट, पीट 5% से 18%

सर्विस सेक्टर्स

- जॉब वर्क, छाता, छपाई, ईंटें, फार्मास्यूटिकल्स, खाल/चमड़ा आईटीसी के साथ 12% से आईटीसी के साथ 5%
- सिनेमा (टिकट ₹100 से कम) 12% से 5%
- सौंदर्य सर्विस 18% से 5% (कोई आईटीसी नहीं)
- कैसीनो/रेस क्लब प्रवेश, सट्टेबाजी/जुआ 28% से 40%
- क्रिकेट मैच टिकट (घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय) 12% से 18%

व्यापक सुधार नागरिकों का जीवन बेहतर बनाएंगे: पीएम

पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि जीएसटी परिषद द्वारा मंजूर किए गए व्यापक सुधार नागरिकों के जीवन को बेहतर बनाएंगे. इससे कारोबार करना आसान करेंगे, विशेष रूप से छोटे व्यापारियों और उद्यमों के लिए आसानी होगी. 'एक्स' पोस्ट पर जारी बयान में कहा कि केंद्र सरकार ने जीएसटी दरों को युक्तिसंगत बनाने और प्रक्रियागत सुधारों के लिए एक विस्तृत प्रस्ताव तैयार किया है, जिसका उद्देश्य आम आदमी के जीवन को आसान बनाना और अर्थव्यवस्था को मजबूत करना है.

ब्रीफ न्यूज

एनडीए का बिहार बंद असरदार, हंगामा

पटना। दरभंगा में कांग्रेस नेता के मंच से पीएम नरेंद्र मोदी को दी गई मां की गाली के खिलाफ एनडीए के बिहार बंद का गुरुवार को असर दिखा. पटना समेत बिहार के सभी जिलों में भाजपा, जदयू समेत अन्य सहयोगी दलों के कार्यकर्ताओं ने सड़क पर वाहनों की आवाजाही रोक दी. ये बंद पांच घंटे का था. पटना के सांसद रवि शंकर प्रसाद, पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ संजय मयूख आदि ने पटना में बंद का मोर्चा संभाला. राजद, कांग्रेस, वीआईपी और तीन वामपंथी दलों सीपीआई, सीपीएम व सीपीआई-माले ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के खिलाफ यात्रा निकाली थी. पटना से राजगीर जा रहे केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू भी बंद के जाम में कुछ देर फंसे रहे, हालांकि बाद में कार्यकर्ताओं ने उन्हें देखने के बाद जाने दिया.

-पेज 11 भी देखें

कोर्ट से ट्रंप बोले-भारत पर टैरिफ लगाना जरूरी

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में संघीय अदालत के उस फैसले को चुनौती दी, जिसमें कहा गया था कि उनको विदेशी आयात पर टैरिफ लगाने का अधिकार नहीं है. ट्रंप ने भारत पर लगाए गए टैरिफ को उचित ठहराते हुए कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध को रोकने के लिए यह फैसला लिया गया. ट्रंप की ओर से कोर्ट में कहा गया, यूक्रेन में युद्ध से निपटने के लिए रूसी एनर्जी की खरीद पर भारत के खिलाफ रनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर्स एक्ट टैरिफ लगाया गया है. उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति के पास इमरजेंसी पावर का इस्तेमाल करने का अधिकार है. ट्रंप के खिलाफ अपील में कहा गया, टैरिफ वाले फैसले से विदेश नीति खतरे में आ गई है. दूसरे देशों के साथ वार्ता पर अनिश्चितता की स्थिति बन गई है. इससे पहले से तय किए गए फ्रेमवर्क डील और वार्ता खतरे में है.

बंगाल विस में भिड़े भाजपा व टीएमसी विधायक

विधायक शंकर घोष को एंबुलेंस से ले जाया गया

एजेंसियां। कोलकाता

बंगाल विस में गुरुवार को जोरदार हंगामा हो गया. सत्ताधारी टीएमसी व विपक्षी बीजेपी के विधायक भिड़ गए. इस दौरान विधायक शंकर घोष की सेहत बिगड़ गई. उन्हें एंबुलेस से अस्पताल ले जाना पड़ा. शंकर घोष बंगाल बीजेपी के मुख्य सचेतक हैं. बंगाली प्रवासियों पर अत्याचार से संबंधित सरकारी प्रस्ताव को लेकर चर्चा के बीच हंगामा हुआ.

सीएम ममता बनर्जी बोलने वाली थीं, तभी भाजपा ने नारेबाजी शुरू कर दी. मुख्यमंत्री ने जैसे ही बोलना शुरू किया, बीजेपी विधायकों ने विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी को 2 सितंबर को निलंबित किए जाने को लेकर नारेबाजी शुरू कर दी. इसके जवाब में सत्तापक्ष की ओर से तीखी प्रतिक्रिया आई और सदन का माहौल गरमा गया.

शंकर को मार्शलों से बाहर निकाला : विस ने शंकर घोष को दिनभर के लिए सदन से निलंबित कर दिया. लेकिन घोष ने सदन छोड़ने से इनकार कर दिया. फिर मार्शल्स को बुलाया गया और उन्हें बाहर ले जाया गया.

विपक्ष का रवैया दुर्भाग्यपूर्ण : ममता ने बीजेपी की निंदा करते हुए कहा कि वह चर्चा को बाधित करने की कोशिश कर रहे हैं. प्रवासियों की स्थिति पर प्रस्ताव अहम है और विपक्षी रवैया दुर्भाग्यपूर्ण है. आरोप लगाया कि बीजेपी चर्चा के खिलाफ है, क्योंकि भाजपा शासित राज्यों में ही घटनाएं हो रही हैं. बीजेपी ओछी मानसिकता वाली पार्टी है.

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने रिनपास के शताब्दी वर्ष समारोह का किया उद्घाटन, कहा

रिनपास में देखने को मिलेंगे कई बदलाव, कमियां होंगी दूर

शुभम संदेश। रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि रांची इंस्टीट्यूट ऑफ़ न्यूरो साइकेट्री एंड एलाइड साइंस (रिनपास) में जल्द कई बदलाव देखने को मिलेंगे. आधारभूत संरचना तथा शैक्षणिक व्यवस्था को मजबूत किया जाएगा. यहां जो कमियां होगी, उसकी विस्तृत समीक्षा कर उसे दूर किया जाएगा. यहां मानसिक मरीजों को बेहतर सुविधाएं मिले, आधुनिक तरीके से इलाज की समुचित व्यवस्था हो, इस दिशा में राज्य सरकार सभी आवश्यक कदम उठाएगी.

सोरेन गुरुवार को रिनपास के 100 वर्ष पूरा होने के अवसर पर आयोजित शताब्दी वर्ष समारोह के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे. मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर सेवा, समर्पण और विश्वास के गौरवशाली सौ वर्ष पूरे होने पर रिनपास से जुड़े सभी लोगों को बधाई और शुभकामनाएं दी. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि आज के समय रिनपास जैसे संस्थानों की भूमिका तेजी से बढ़ रही है. जिस तरह लोग मानसिक अवसाद की गिरफ्त में आ रहे हैं. वैसे में उन्हें बेहतर काउंसलिंग और इलाज की सुविधा उपलब्ध कराना बेहद जरूरी है. हालांकि, कोई भी व्यक्ति यह नहीं चाहता कि उसे रिनपास जैसे संस्थान में आने की नौबत आए, लेकिन मानसिक परेशानी, मजबूरी और परिस्थिति कई लोगों को यहां तक आने को मजबूर करती है. ऐसे में यहां आने वाले मनोरोगी पूरी तरह स्वस्थ होकर जाएं, इसके लिए यहां इलाज की बेहतर से बेहतर व्यवस्था व्यवस्था की जाएगी.

मुख्यमंत्री ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि मानसिक समस्याओं से जूझ रहे लोगों के इलाज में अत्याधुनिक तकनीकों के ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल करने की दिशा में हमें आगे बढ़ना होगा. रिनपास में मरीजों की मानसिक समस्याओं के समाधान के लिए जो भी डिजिटल चिकित्सा तकनीक की जरूरत होगी, उसे उपलब्ध कराया जाएगा. उन्होंने ने चिंता जताई कि कई परिजन अपने मरीज को यहां छोड़ कर चले जाते हैं और फिर उन्हें कभी लेने भी नहीं आते हैं. वहीं, कई बार घरों में ही मनोरोगी को अलग-अलग तरीके से कैद कर रखा जाता है, जो हमारे परिवार और समाज के लिए अच्छा नहीं है. ऐसी परिस्थिति में मानसिक मरीजों की मनःस्थिति कैसी होती होगी, उसकी कल्पना हम नहीं कर सकते हैं. ऐसे में मानसिक समस्या से ग्रसित मरीजों तक सहजता और सरलता के साथ हमारी व्यवस्थाएं पहुंचे, इसके लिए गंभीरता से पहल करने की जरूरत है.

रिनपास की स्थापना जिन्होंने की होगी, वे काफी दूरदर्शी होंगे : मुख्यमंत्री ने कहा कि 1925 में जब मनोचिकित्सा के क्षेत्र में इस संस्थान की स्थापना हुई थी, उस वक्त इसकी क्या जरूरत रही होगी, यह हम तो नहीं बता सकते हैं, लेकिन आज जिस तरह ऐसे संस्थान की अहमियत बढ़ चुकी है, वह बताने के लिए काफी है कि जिन्होंने भी आज से सौ वर्ष पहले रिनपास की नींव रखी होगी, वे कितने दूरदर्शी रहे होंगे. यह संस्थान पिछले 100 वर्षों से लोगों की सेवा में समर्पित है.

महत्वपूर्ण पहलू

- रिनपास पर आधारित पोस्टल स्टाम्प किया गया जारी.
- रिनपास की स्मारिका तथा चार पुस्तकों का विमोचन.
- टेली मेन्टल हेल्थ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग का शुभारंभ.
- डिजिटल अकादमी की हुई शुरुआत
- रिनपास के पूर्व निदेशक डॉ पीके चक्रवर्ती, डॉ एनएन अग्रवाल, डॉ अशोक प्रसाद, डॉ अशोक नाग एवं डॉ केके सिंह, डॉ प्रवीण कुमार, डॉ एएन वर्मा तथा डॉ केसी सेंगर अहम योगदान के लिए सम्मानित हुए.

सबसे बड़ा सवाल : जीएसटी तो कम हो गया, लेकिन कंपनियां क्या ग्राहकों तक फायदा पहुंचाएंगी?

आम आदमी को कटौती का फायदा मिलेगा भी या नहीं?

- जीएसटी राहत का असली फायदा किसे? दुकानदार मुस्कराए, ग्राहक हैरान!
- नेस्ले पर लगा था 90 करोड़ का जुर्माना, डोमिनोज़ पिज्जा पर 41 करोड़ का जुर्माना
- एचयूएल को 380 करोड़ रुपये उपभोक्ता कल्याण कोष में जमा करने का आदेश
- उपभोक्ताओं को यह जानकारी नहीं होती कि उन्हें कर कटौती का लाभ मिलना चाहिए

संयम श्रीवास्तव

जीएसटी यानी गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स को लागू हुए अब 8 साल हो चुके हैं. 1 जुलाई 2017 को सरकार ने इसे देश के सबसे बड़े टैक्स सुधार के तौर पर लागू किया था. वादा किया गया था कि कर की दरें घटेंगी और उसका सीधा फायदा आम जनता को मिलेगा. लेकिन हकीकत यह है कि जब भी सरकार ने जीएसटी में कटौती की, कंपनियों ने कीमतें घटाने की बजाय मुनाफा बढ़ा लिया. एक बार फिर जीएसटी स्लैब को सरल बनाया गया, जिसमें 12% और 28% के स्लैब को हटाकर 5%, 18%, और 40% (विलासिता और हानिकारक वस्तुओं के लिए) के स्लैब लागू किए गए हैं. इसके अलावा, दूध, पनीर, पैकेज्ड खाद्य पदार्थ, दवाइयां, और छोटे वाहनों जैसे रोजमर्रा के उत्पादों पर कर दरें कम की गईं.

सरकार का दावा है कि ये सुधार उपभोक्ताओं की क्रय शक्ति को बढ़ाएंगे और अर्थव्यवस्था को 6.5-7% की वृद्धि की ओर ले जाएंगे. सरकार का दावा है कि इससे महंगाई कम होगी और आम लोगों की क्रय शक्ति बढ़ेगी. लेकिन सवाल सीधा है-क्या वाकई में कंपनियां इसका फायदा ग्राहकों को देंगी? बिना किसी निगरानी व्यवस्था के जीएसटी दरों का असली लाभ आम आदमी तक कैसे मिलेगा? या फिर हमेशा की तरह, कम टैक्स का फायदा कंपनियां खुद ही खा जाएंगी और कीमतें जस की तस बनी रहेंगी?

इतिहास क्या कहता है?

- अगर पिछले 8 सालों का रिकॉर्ड देखें तो जवाब साफ है- जब भी टैक्स घटा, कंपनियों ने मुनाफा बढ़ाया, कीमतें नहीं घटाईं! नेस्ले इंडिया ने जीएसटी कटने के बाद भी मैगी और कॉफी के दाम नहीं घटाए. एचयूएल ने साबुन-शैंपू पर टैक्स में छूट का फायदा आधार मूल्य बढ़ाकर खा लिया. डोमिनोज और मैकडॉनल्ड्स ने भी पिज्जा और बर्गर सस्ते नहीं किए, उल्टा कीमतें वहीं रखीं.
- सरकार की नेशनल एंटी-प्रोफिटियरिंग अथॉरिटी एनएए ने जुर्माना लगाया, नेस्ले इंडिया पर 2019 में 90 करोड़ रुपये का जुर्माना लगा, क्योंकि कंपनी ने मैगी और कॉफी जैसे उत्पादों पर टैक्स घटने के बावजूद कीमतें नहीं घटाईं.
- एचयूएल ने साबुन और शैंपू जैसे रोजमर्रा के उत्पादों पर कर में राहत मिलने के बावजूद एमआरपी नहीं घटाई. 380 करोड़ रुपये उपभोक्ता कल्याण कोष में जमा करने का आदेश मिला, पर कंपनी ने इसका विरोध किया और मामला कोर्ट में गया. डोमिनोज़ पिज्जा पर भी जीएसटी दर घटने के बावजूद कीमतें नहीं घटाने का आरोप लगा और 41 करोड़ रुपये का जुर्माना ठोका गया.पर कई कंपनियां कोर्ट चली गईं और उपभोक्ताओं को कुछ नहीं मिला.

-शेष पेज 7 पर...

शांति की राह पर मणिपुर कुकी के साथ हुई बड़ी डील

एजेंसियां। इंफाल

केंद्र और मणिपुर सरकार ने गुरुवार को कुकी-जो काउंसिल के साथ नए समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके तहत सभी पक्ष क्षेत्रीय अखंडता को बनाए रखने के लिए नेशनल हाईवे-2 को खोलने पर सहमत हुए. केंद्रीय गृह मंत्रालय और कुकी की एक टीम के बीच पिछले कुछ दिनों में बैठकें हुई. सभी पक्षों ने मणिपुर में स्थायी शांति- स्थिरता लाने के लिए बातचीत से समाधान की आवश्यकता पर भी सहमति व्यक्त की.

एनएच-2 खोलने पर बनी सहमति : मणिपुर को नगालैंड और अन्य हिस्सों से जोड़ने वाली एनएच-2 मई 2023 से भड़के जातीय तनाव के कारण बंद हो गई थी. हाईवे को फिर खोलने को मणिपुर में सामान्य स्थिति बहाल करने की दिशा में एक

कदम के रूप में देखा जा रहा. इंफाल और दिल्ली के अफसरों का मानना है कि जरूरी सामानों की पहुंच आसान होने से राहत शिविरों में रह रहे लोगों की मुश्किलें कम होंगी.

एक साल के लिए प्रभावी रहेगा नया समझौता: केंद्रीय गृह मंत्रालय, मणिपुर सरकार, कुकी नेशनल ऑर्गनाइजेशन और यूपीएफ के बीच गुरुवार को दिल्ली में बैठक हुई. गृह मंत्रालय ने कहा, इस बैठक में एक समझौते पर हस्ताक्षर हुआ है. इसमें नए सिरे से की गई बातचीत के तहत शर्तों और नियमों को एक साल के लिए प्रभावी माना जाएगा.

आई डोनेशन अवेयरनेस क्लब व कश्यप मेमोरियल आई बैंक का ब्लाइंड फोल्डेड रन फॉर विजन 7 को

मृत्यु उपरांत नेत्रदान को अपने परिवार की परंपरा बनाएं: डॉ भारती कश्यप

मृत्यु उपरांत नेत्रदान करने वाले परिवारों एवं नेत्रदान से जुड़ी संस्थाओं को सम्मानित किया जाएगा

शुभम संदेश। रांची

40वें राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़ा (25 अगस्त से 8 सितंबर 2025) के उपलक्ष्य में आई डोनेशन अवेयरनेस क्लब (आईडैक) एवं कश्यप मेमोरियल आई बैंक का ब्लाइंड फोल्डेड रन फॉर विज़न का आयोजन सात सितंबर को सुबह 8 बजे संत जेवियर्स कॉलेज परिसर में किया जाएगा. समारोह में बतौर मुख्य अतिथि स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफ़ान अंसारी उपस्थित रहेंगे, जबकि विशिष्ट अतिथि केरूप में वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर एवं ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पाण्डेय सिंह शामिल होंगे. यह जानकारी कश्यप मेमोरियल आई बैंक की डायरेक्टर एवम प्रसिद्ध नेत्ररोग विशेषज्ञ डॉ भारती कश्यप ने

कश्यप मेमोरियल आई बैंक की उपलब्धियां

आई डोनेशन अवेयरनेस क्लब व कश्यप मेमोरियल आई बैंक की पहल पर अब तक करीब 1015 कॉर्निया ट्रांसप्लांट किया जा चुका है. जिन परिवारों ने अपने परिवार के सदस्य की मृत्यु के उपरांत नेत्रदान किया था, उनके नेत्रों को जरूरमंदों के बीच सफलतापूर्वक प्रत्यारोपित कर उनकी आंखों का रोशन कियागया.

पिछले 5 सालों में 490 नेत्र प्रत्यारोपण किए गए

वर्ष 1996 में संयुक्त बिहार झारखंड में डॉ. भारती कश्यप एवं डॉ. बीपी कश्यप द्वारा झारखंड-बिहार का प्रथम नेत्र प्रत्यारोपण किया गया था. कॉर्निया प्रत्यारोपण की आधुनिक तकनीक डीसेक एवं डीमेक की झारखंड में शुरुआत का श्रेय डॉ कश्यप दंपती को ही जाता है.

दी. बताया कि वर्ष 2002 से संस्था द्वारा नेत्रदान का संदेश देने के लिए लगातार 23 सालों से 'रन फॉर विजन' का आयोजन हो रहा है.साथ ही लगातार 7 वर्षों से ब्लाइंड फोल्डेड रन फॉर विजन का रांची में आयोजन हो रहा है. डॉ भारती कश्यप ने बताया कि समारोह मे मृत्युपरांत नेत्रदान करने वाले परिवारों एवं नेत्रदान से जुड़ी संस्थाओं को सम्मानित किया जाएगा. कश्यप मेमोरियल आई बैंक झारखंड का सबसे ज्यादा नेत्र प्रत्यारोपण करने वाला आई बैंक है. सबसे बड़ी बात सरकार को इंफ्रास्ट्रक्चर और मैनपावर पर कुछ भी खर्च नही करना पड़ता है.

कश्यप मेमोरियल आई बैंक की डायरेक्टर डॉ. भारती कश्यप ने कहा कि नेत्रदान आपकी आंखों को दो बार देखने का मौका देता है.मृत्यु उपरांत नेत्रदान को अपने परिवार की परंपरा बनाएं.रन फॉर विजन अपने आप में यूनिक और अनूठा है, क्योंकि पिछले 23 वर्षों से लगातार इसका आयोजन रांची में किया जा रहा है. कोविड के दो वर्षों को छोड़कर पिछले 7 वर्षों से ब्लाइंड फोल्डेड रन फॉर विजन का आयोजन किया जा रहा है. देश के किसी भी अन्य हिस्से में राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़े में ब्लाइंडफोल्डेड रन फॉर विजन का लगातार सात वर्षों से आयोजन नहीं हुआ है और न ही किसी भी संस्था ने लगातार 23 वर्षों तक इसका आयोजन ही किया है.

दिशोम गुरु स्व शिबू सोरेन से लेकर द्रौपदी मुर्मू तक ने लिया है हिस्सा : झारखंड के सबसे बड़े आदिवासी नेताओं में से एक पूर्व मुख्यमंत्री दिशोम गुरु स्व शिबू सोरेन से लेकर पूर्व सीएम अर्जुन मुंडा, बाबूलाल मरांडी, द्रौपदी मुर्मू तक सभी ने रन फॉर विजन में भाग लिया है. देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने झारखंड का राज्यपाल रहते हुए रन फॉर विजन में हिस्सा लिया था. सभी ने शपथ पत्र भर के झारखंड के स्थानीय लोगों से को नेत्रदान की अपील की थी.

यौन उत्पीड़न रोकथाम समिति का पुनर्गठन

झारखंड पुलिस वायरलेस कैडर में महिला सुरक्षा पर फोकस

शुभम संदेश। रांची

झारखंड पुलिस के वायरलेस महानिदेशक प्रशांत सिंह ने कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए महिला शिकायत निवारण समिति का पुनर्गठन किया है. पहले यह समिति आईपीएस सरोजनी लकड़ा की अध्यक्षता में गठित थी, लेकिन उनके तबादले और कुछ सदस्यों के प्रमोशन, ट्रांसफर व रिटायरमेंट के बाद इसे दोबारा संगठित किया गया है.

नई समिति में चार सदस्य शामिल किए गए हैं- अध्यक्ष : शारदा प्रधान, सदस्य : नवनीता सुषमा तिग्गा, सदस्य : ममता भेंगरा, सदस्य : अंकिता चौधरी.

डीजी द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि समिति का मुख्य उद्देश्य कार्यस्थलों पर यौन उत्पीड़न की घटनाओं को रोकना और पीड़ितों को न्याय दिलाना है. यह समिति न केवल शिकायतों की जांच करेगी बल्कि दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की सिफारिश भी विभाग को भेजेगी. सुप्रीम कोर्ट के दिशानिर्देशों के अनुरूप गठित यह समिति उन सभी व्यवहारों को जांच के दायरे में लाएगी, जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से अशोभनीय और कामुकता से प्रेरित हों. आदेश में संस्थानों के प्रभारी अधिकारियों को भी स्पष्ट रूप से यह जिम्मेदारी दी गई है कि वे यौन उत्पीड़न से जुड़ी घटनाओं को रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाएं.

झारखंडियों और मुस्लिमों के अधिकारों को लेकर आमया ने मुख्यमंत्री को सौंपा मांगपत्र

सीएम बोले- जल्द होगा समाधान

शुभम संदेश। रांची

झारखंडियों और मुस्लिम समुदाय के न्यायसंगत अधिकारों को लेकर आमया संगठन का एक प्रतिनिधिमंडल झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी के नेतृत्व में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मिला. प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को एक विस्तृत मांगपत्र सौंपते हुए समुदाय की विभिन्न समस्याओं और उपेक्षाओं पर ध्यान आकर्षित कराया. संगठन के केन्द्रीय अध्यक्ष एस. अली ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि झारखंड में स्थानीय नीति के अभाव में बाहरी अभ्यर्थियों को लाभ मिल रहा है, जिससे राज्य के स्थानीय युवाओं को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है. उन्होंने कहा कि जिलावार बहाली में पिछड़ा वर्ग को उनकी आबादी के अनुपात में आरक्षण नहीं दिया जा रहा है.

उन्होंने यह भी बताया कि जेएसएससी द्वारा सहायक आचार्य (भाषा) पद में आलिम डिग्री रखने वाले अभ्यर्थियों का परिणाम अब

तक जारी नहीं किया गया है, जबकि फाजिल डिग्री धारकों को माध्यमिक आचार्य की बहाली में शामिल तक नहीं किया गया. इसके साथ ही मदरसा आलिम-फाजिल की परीक्षाएं रांची विश्वविद्यालय के माध्यम से आयोजित नहीं की जा रही हैं, जिससे छात्र-छात्राओं का भविष्य अधर में है. संगठन ने यह भी आरोप लगाया कि मॉब लिंचिंग बिल 2021 को अब तक राज्य में लागू नहीं किया गया है, जिसके कारण ऐसी घटनाओं में वृद्धि हो रही है. 10 जून 2022 के रांची गोलीकांड का भी ज़िक्र करते हुए उन्होंने कहा कि उस दिन दर्ज एफआईआर को अब तक वापस नहीं लिया गया और गोली चलाने वालों पर कोई कार्रवाई नहीं हुई.

मुख्यमंत्री ने दिया आश्वासन : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरता से सुनते हुए कहा कि सभी मांगों को संवेदनशीलता के साथ संज्ञान में लिया गया है और शीघ्र ही उचित समाधान किया जाएगा. इस प्रतिनिधिमंडल में आमया संगठन के कई प्रमुख पदाधिकारी शामिल थे, जिनमें लतीफ आलम, जियाउद्दीन अंसारी, मो. फुरकान, इमरान अंसारी, नौशाद आलम, रहमतुल्लाह अंसारी, एकराम हुसैन, औरंगजेब आलम, अब्दुल गफ्फार, अलाउद्दीन अंसारी, सफदर सुल्तान, अरशद जिया, अफजल खान, मो. अब्दुल्लाह आदि शामिल रहे.

उर्दू शिक्षकों व धार्मिक स्थलों को लेकर भी उठी आवाज़

मांगपत्र में यह भी उल्लेख किया गया कि राज्य के 3712 उर्दू शिक्षक पदों को टीईटी उत्तीर्ण अभ्यर्थियों से भरने के बजाय उन्हें सहायक आचार्य में समायोजित कर दिया गया. साथ ही जिन 544 उर्दू स्कूलों का स्टेटस छीना गया था, उन्हें अब तक पुनः बहाल नहीं किया गया है. इसके अलावा, उर्दू एकेडमी का गठन भी अब तक नहीं किया गया है. प्रतिनिधिमंडल ने यह भी मांग की कि मुख्यमंत्री अल्पसंख्यक कोचिंग योजना को जल्द से जल्द शुरू किया जाए ताकि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे अल्पसंख्यक युवाओं को लाभ मिल सके.

बांग्ला भाषी मुस्लिमों और पारंपरिक व्यवसायों की अनदेखी

मांगपत्र में बताया गया कि राज्य में बांग्ला भाषी झारखंडी मुस्लिम समुदाय के साथ लगातार भेदभाव और प्रताड़ना हो रही है. वहीं भैंस वंशी पशुओं के वध की अनुमति भी नहीं मिल रही, जबकि उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में यह अनुमति वैधानिक रूप से दी जा रही है. साथ ही, बुनकर और टेलरिंग समितियों को सरकारी कार्यों में स्थान नहीं दिया जा रहा है. अंततः यह भी मांग की गई कि सरकारी भूमि पर सदियों से स्थापित मुस्लिम धार्मिक स्थलों को भूमि पट्टा दिया जाए ताकि उन्हें कानूनी सुरक्षा मिल सके.

गुरुजी को भारत रत्न देने की मांग के लिए पैदल मार्च करेगा संगठन

रांची। राष्ट्रीय युवा शक्ति संगठन स्वर्गीय शिबू सोरेन (दिशोम गुरु) को भारत रत्न दिलाने की मांग को लेकर शुक्रवार को सुबह 10 बजे से गुरुजी के पैतृक गांव नेमरा (हजारीबाग रोड, बोकारो-रामगढ़ मार्ग) से पैदल मार्च शुरू होगा. यह जानकारी संगठन के कोषाध्यक्ष सावन लिंडा ने गुरुवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी. उन्होंने बताया कि तीन दिनों तक चलने वाला मार्च पांच, छह और सात सितंबर तक चलेगी. पैदल मार्च सात सितम्बर को रांची स्थित राजभवन पहुंचेगा और राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा जाएगा. यात्रा की अगुवाई राष्ट्रीय युवा शक्ति के केंद्रीय अध्यक्ष उत्तम यादव करेंगे. इसमें सैकड़ों पदाधिकारी, कार्यकर्ता और समाज के विभिन्न वर्गों के लोग शामिल होंगे. उन्होंने बताया कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन ने झारखंड में समाज सुधार, पर्यावरण संरक्षण और नशा मुक्ति जैसे ऐतिहासिक कार्यों किया और आमजनों को सम्मान दिलाने में आवाज बुलंद करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है. इसलिए गुरुजी को भारत रत्न सम्मान मिलना चाहिए.

एक नजर

सरला बिरला विश्वविद्यालय के आकाश सिंह बने गूगल स्टूडेंट एंबेसडर

रांची/नामकुम। सरला बिरला विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व कर रहे

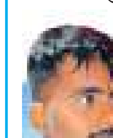

विश्वविद्यालय के एमसीए थर्ड सेमेस्टर के छात्र आकाश कुमार सिंह का चयन गूगल स्टूडेंट एम्बेसडर के तौर पर किया गया है. इस कार्यक्रम के अंतर्गत उन्हें गूगल ने सीमित समय सीमा के भीतर रु. 19,500 प्रति वर्ष वाले गूगल- वन एआई प्रो प्लान सरला बिरला विश्वविद्यालय के सभी छात्रों को निःशुल्क उपलब्ध करवाने का अवसर प्राप्त हुआ है. इस योजना में जेमिनी 2.5 प्रो, नोटबुक एलएम, इमैजेन 4, वियो 3, गूगल कैनवास, टू टीबी क्लाउड स्टोरेज जैसे अत्याधुनिक एआई टूल्स शामिल होंगे. एसबीयू के छात्र के गूगल स्टूडेंट एंबेसडर के तौर पर चयन पर विवि के प्रतिकुलाधिपति बिजय कुमार दलान, महानिदेशक प्रो गोपाल पाठक, कुलपति प्रो सी जगनाथन एवं राज्यसभा सांसद डॉ प्रदीप कुमार वर्मा ने उन्हें शुभकामनाएं दी हैं.

भाजपा की 'मां' राजनीति पर हमला, लोकतंत्र को शर्मसार कर रही है ओछी सियासत : विजय शंकर

रांची। आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच के केंद्रीय उपाध्यक्ष विजय शंकर नायक ने भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि "मां" जैसे

पवित्र शब्द को भी भाजपा चुनावी हथियार बना रही है. उन्होंने कहा कि भाजपा ने बेरोजगारी, महंगाई, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे असली मुद्दों से मुंह मोड़ लिया है और अब भावनात्मक प्रतीकों का इस्तेमाल कर रही है. नायक ने कहा कि मां का सम्मान हर भारतीय के दिल में है, लेकिन भाजपा उसे वोट की सौदागरी में बदल रही है, जो लोकतंत्र और समाज दोनों के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है. उन्होंने भाजपा नेताओं की दोहरी मानसिकता पर सवाल उठाते हुए कहा कि जब विपक्ष पर निजी हमले होते हैं, तब भाजपा की नैतिकता चुप्पी क्यों साध लेती है? नायक ने सभी दलों से अपील की कि राजनीतिक संवाद को व्यक्तिगत हमलों से दूर रखकर नीतियों पर केंद्रित किया जाए, ताकि लोकतंत्र की गरिमा और जनता का भरोसा बचा रहे.

लक्ष्मण टुडू ने कर दिया सरेंडर

घाटशिला में झामुमो-भाजपा के उम्मीदवारों की तस्वीर साफ

शुभम संदेश। रांची

घाटशिला उपचुनाव में प्रत्याशियों को लेकर कोई सस्पेंस बचा नहीं है. यह लगभग तय हो चुका है कि रामदास सोरेन के बड़े पुत्र सोमेश सोरेन झामुमो से चुनाव लड़ेंगे, वहीं बीजेपी से पूर्व सीएम चंपाई सोरेन के पुत्र बाबूलाल सोरेन ताल ठोकेंगे. एक शख्स है जो घाटशिला के खेल को रोमांचक बना सकता था, लेकिन उसने सरेंडर कर दिया है. जी हां बात हो रही है 2014 में घाटशिला से बीजेपी से चुनाव जीतकर विधायक बनने वाले लक्ष्मण टुडू की. लक्ष्मण झामुमो में हैं, लेकिन साफ कह दिया कि टिकट की दावेदारी नहीं करेंगे. पार्टी का फैसला सर्वोपरि है. पार्टी जो फैसला लेगी उसके साथ रहेंगे. बीजेपी में वापसी के सवाल को भी उन्होंने सिरे से खारिज कर दिया. तो इस तरह सभी अटकलों पर विराम लग गया है.

कई दिनों से सियासी गलियारे में चर्चा चल रही थी कि रामदास सोरेन के परिवार से अगर किसी को टिकट मिला तो चुनाव से पहले बीजेपी से झामुमो में आए लक्ष्मण टुडू बगावत कर बीजेपी में वापसी कर सकते हैं. इस चर्चा के पीछे ठोस वजह भी थी. लक्ष्मण वो शख्स हैं

जिन्होंने घाटशिला सीट पर 2014 में पहली बार बीजेपी का खाता खोलवाया था, लेकिन इसके बाद पार्टी ने दोबारा टिकट नहीं दिया. 2019 में तत्कालीन सीएम रघुवर दास ने लक्ष्मण टुडू का टिकट काट लखन मार्डी को दे दिया, लेकिन मार्डी चुनाव हार गये. 2019 के बाद रघुवर का प्रभाव बीजेपी में कम हुआ तो लक्ष्मण को उम्मीद जगी कि 2024 में टिकट कन्फर्म है, लेकिन चुनाव से पहले चंपाई सोरेन बीजेपी में आ गये और साथ में ले आये अपने बेटे बाबूलाल सोरेन को. दिल्ली में अमित शाह से बातचीत हुई. सरायकेला सीट पर चंपाई और घाटशिला में बाबूलाल सोरेन की उम्मीदवारी की शर्त पर पिता-पुत्र बीजेपी में चले आए. चंपाई के आते ही लक्ष्मण समझ गये कि अब घाटशिला से टिकट गया. फिर वे बगावत कर झामुमो में चले आए, लेकिन पार्टी ने भी उन्हें टिकट नहीं दिया. पार्टी ने रामदास पर ही भरोसा जताया. लक्ष्मण टुडू पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा के बेहद करीबी माने जाते हैं. 2005 और 2009 में वे सरायकेला सीट पर बीजेपी की टिकट से चंपाई सोरेन को जबरदस्त टक्कर दे चुके हैं. 2005 में वे सिर्फ 882 वोट से चंपई से चुनाव हारे, जबकि 2009 में हार का अंतर महज दो फीसदी ही था. इसके बाद 2014 में अर्जुन मुंडा उन्हें घाटशिला ले आये. यहां की राजनीति उन्हें रास आ गये और पहली बार यहां से जीतकर खुद विधायक बने और घाटशिला में बीजेपी का भी पहली बार खाता खोलवाया, लेकिन इस बार घाटशिला उपचुनाव में दावेदारी करने से उन्होंने इनकार कर दिया है.

सूर्या हांसदा मुठभेड़ मामला

परिजनों ने झारखंड हाईकोर्ट से सीबीआई जांच की मांग की

शुभम संदेश। रांची

गोड्डा में 11 अगस्त को पुलिस मुठभेड़ में मारे गए सूर्या हांसदा के परिजनों ने झारखंड हाईकोर्ट में क्रिमिनल रिट याचिका दायर कर सीबीआई जांच की मांग की है. सूर्या की पत्नी सुशीला मुर्मू और मां नीलमुनी मुर्मू ने मुठभेड़ को फर्जी बताते हुए मुख्य सचिव, गृह सचिव, डीजीपी, गोड्डा और देवघर एसपी को याचिका में पक्षकार बनाया.

याचिका अधिवक्ता कुमार हर्ष के माध्यम से दायर की गई. याचिका में दावा किया गया है कि गोड्डा में 11 अगस्त को पुलिस मुठभेड़ में सूर्या हांसदा मारा गया. मुठभेड़ बोआरीजोर थाना क्षेत्र स्थित ललमटिया धमनी पहाड़ में हुई थी. उसकी गिरफ्तारी 10 अगस्त की शाम ही हुई थी. अगले दिन पुलिस सूर्या हासंदा की निशानदेही पर ललमटिया जंगल में छुपाए गए हथियार को बरामद करने गई थी. इसी दौरान वह पुलिस का हथियार छीन कर भागने लगा. तभी पुलिस ने उस पर गोली चलाई, जिससे उसकी मौत हो गई.

सूर्या हांसदा की मां नीलमुनि मुर्मू ने बताया कि घटना से पहले देवघर के मोहनपुर थाना क्षेत्र के नावाडीह गांव

से उनके बेटे सूर्या को गिरफ्तार किया गया था. उल्लेखनीय है कि सूर्या हांसद भाजपा सहित अन्य दलों से चार बार विधानसभा चुनाव लड़ चुका था. हालांकि उसे किसी भी चुनाव में जीत नहीं मिली. सूर्या हांसदा का कई राजनीतिक दलों से संबंध रहा है. वह बोरियो विधानसभा से चार बार चुनाव लड़ चुका था. दूसरी बार 2014 में भी झाविमो से चुनाव लड़ा था. तीसरी बार 2019 में भाजपा ने उसे टिकट दिया था. इस चुनाव में वह दूसरे स्थान पर रहा था. वहीं 2024 में भाजपा से टिकट नहीं मिलने पर उसने पार्टी से इस्तीफा दे दिया. इसके बाद उसने झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) पार्टी से चुनाव लड़ा, लेकिन वह किसी भी चुनाव में जीत हासिल नहीं कर पाया था.

बीआईटी मेसरा में होगी 'मदन मोहन मोहंका सेंटर फॉर इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप' की स्थापना

मदन मोहन मोहंका के साथ साईन किया एमओयू

शुभम संदेश।रांची

बीआईटी मेसरा में 'मदन मोहन मोहंका सेंटर फॉर इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप' की स्थापना होगी. इसे लेकर टेगा इंडस्ट्रीज़ के चेयरमैन मदन मोहन मोहंका (बीआईटी मेसरा के एल्युमनस, 1964 बैच) ने ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं. भारत में इनोवेशन और एंटरप्रेन्योरशिप को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता के साथ मोहंका ने बीआईटी मेसरा को 5 करोड़ रुपए देने की शपथ ली है. इस योगदान से सेंटर की स्थापना में मदद मिलेगी, जिसकी परिकल्पना स्टार्टअप इन्क्युबेशन, रीसर्च, इनोवेशन एवं एंटरप्रेन्योरियल वेंचर्स के लिए डायनामिक हब के रूप में की गई है. यह सेंटर छात्रों, फैकल्टी एवं क्षेत्रीय युवाओं को विचारों को प्रभावी उद्यमों में बदलने में सक्षम बनाएगा.

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के दौरान सीकेए बिरला ग्रुप के चेयरमैन सीके बिरला और टेगा इंडस्ट्रीज़ के चेयरमैन मोहंका भी मौजूद रहे. साथ ही, बीआईटी मेसरा के एल्युमनाई विजय बर्मन (1969 बैच), प्रेम

अनूप सिन्हा (1991 बैच), श्रीमति अंजना दीक्षित (1986 बैच), सोमा बनर्जी (1996 बैच) और यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रोफेसर इंद्रानिल मन्ना एवं डीन ऑफ एल्युमनाई एंड इंटरनेशनल रिलेशन्स प्रो श्रद्धा शिवानी भी मौजूद रहे.

मोहंका ने कहा कि 'मदन मोहन मोहंका सेंटर फॉर इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप की स्थापना के साथ मैं छात्रों को बड़े सपने देखने और ऐसे समाधान विकसित करने के लिए प्रेरित करना चाहता हूं, जो आज के दौर की मुश्किल चुनौतियों को हल कर सकें. यह एमओयू मेरे लिए बहुत अधिक मायने रखता है, क्योंकि यह मेरी अपनी संस्था एवं समाज के कल्याण में योगदान देगा.

प्रोफेसर इंद्रानील मन्ना ने इस बात पर जोर दिया कि यह योगदान इनोवेशन एवं उद्यमिता को बढ़ावा देने के संस्थान के मिशन को आगे बढ़ाएगा. उन्होंने कहा कि यह सेंटर आधुनिक सुविधाओं एवं विशेषज्ञों के मार्गदर्शन से महत्वाकांक्षी उद्यमियों को लाभान्वित कर आर्थिक विकास एवं नौकरियां के सृजन को बढ़ावा देगा. यह एक वाइब्रेन्ट हब होगा जो रचनात्मकता एवं कार्यान्वयन के संयाजन द्वारा स्थायी विकास को बढ़ावा देगा.

नए विधेयक का असर : कड़े प्रावधानों से जूझ रहे छोटे व मध्यम कोचिंग संस्थान

बंद होने का संकट, जल्द लग सकते हैं ताले

शुभम संदेश। रांची

झारखंड विधानसभा ने 26 अगस्त को झारखंड कोचिंग सेंटर (नियंत्रण एवं विनियमन) विधेयक 2025 पारित किया है. इसका उद्देश्य छात्रों और अभिभावकों के हितों की रक्षा करना तथा कोचिंग संस्थानों को नियमन के दायरे में लाना है. लेकिन इस कानून के कई प्रावधान छोटे और मध्यम कोचिंग संस्थानों के लिए चुनौती बनकर उभरे हैं. विशेषज्ञों का मानना है कि यदि इसमें संशोधन नहीं हुआ, तो राज्यभर में कई संस्थानों पर ताले लगने की नौबत आ सकती है.

आर्थिक बोझ और पंजीकरण शुल्क : विधेयक के तहत 50 से अधिक छात्रों वाले सभी कोचिंग संस्थानों का पंजीकरण अनिवार्य कर दिया गया है. लेकिन सबसे बड़ी समस्या पंजीकरण शुल्क को लेकर है. यदि किसी संस्थान की एक जिले में तीन-चार शाखाएं हैं, तो प्रत्येक शाखा के लिए पांच-पांच लाख रुपये का शुल्क जमा करना होगा. छोटे कोचिंग संस्थानों, जिनमें

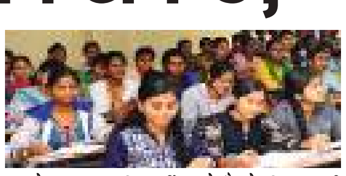

50 से 150 तक विद्यार्थी पढ़ते हैं, के लिए इतनी बड़ी राशि जुटाना कठिन है. इसके अलावा, कोचिंग सेंटर खोलने के लिए 5 लाख की बैंक गारंटी भी जरूरी की गई है. जबकि बिहार और राजस्थान जैसे राज्यों में बैंक गारंटी की कोई बाध्यता नहीं है. यह प्रावधान सीधे तौर पर छोटे संस्थानों पर भारी आर्थिक बोझ डालता है.

अन्य प्रावधान और असर : विधेयक में न्यूनतम क्षेत्रफल, सुविधाओं और शिक्षक योग्यता से जुड़े मानक भी तय किए गए हैं. ये प्रावधान केंद्रीय या राष्ट्रीय दिशानिर्देशों से अधिक कठोर बताए जा रहे हैं. छोटे संस्थानों को इसे पूरा करने में काफी मुश्किलें आ सकती हैं. वहीं, ऑनलाइन कोचिंग संस्थानों पर इस विधेयक में कोई प्रावधान नहीं है. ऐसे में ऑफलाइन संस्थानों को सख्त नियमों का सामना करना पड़ेगा, जबकि ऑनलाइन संस्थान पूरी तरह नियंत्रण से बाहर रहेंगे. विशेषज्ञों का मानना है कि यदि ये प्रावधान यथावत लागू रहे, तो झारखंड में कोचिंग का बढ़ता दायरा ठिठक सकता है. छोटे और मध्यम संस्थानों पर ताले लगने का खतरा है. इसका सीधा असर छात्रों पर पड़ेगा, जिन्हें या तो महंगे कॉरपोरेट कोचिंग संस्थानों पर निर्भर होना पड़ेगा या फिर पढ़ाई के लिए दूसरे राज्यों का रुख करना होगा.

कठोर दंड व्यवस्था

विधेयक में दंड के प्रावधान भी विवाद का विषय बने हुए हैं. पहली गलती पर पांच लाख, दूसरी पर दस लाख रुपये का जुर्माना और तीसरी बार में पंजीकरण रद्द करने का प्रावधान किया गया है. यह व्यवस्था छोटे और मध्यम संस्थानों के लिए भारी दबाव का कारण बन रही है. विशेषज्ञ बताते हैं कि बिहार में दंड की राशि मात्र 25,000 और उत्तर प्रदेश में 50,000 है. इसकी तुलना में झारखंड का दंड अनुपातिक रूप से कहीं अधिक है. छोटे संस्थान इस आशंका से परेशान हैं कि किसी अन्य के कारण हुई गलती या व्यवधान का खामियाजा भी उन्हें ही भुगतना पड़ सकता है.

प्रशासनिक और कानूनी पेंच

झारखंड के नए कानून में अधिकारियों को अत्यधिक अधिकार दिए गए हैं, लेकिन फैसलों के खिलाफ अपील का कोई प्रावधान नहीं है. अन्य राज्यों में अपीलीय या समीक्षा निकाय मौजूद हैं, जिससे मनमाने फैसलों की गुंजाइश कम हो जाती है. यहां इस व्यवस्था की अनुपस्थिति से भ्रष्टाचार और मनमानी का खतरा बढ़ सकता है. इसी तरह, नियामक या सलाहकार निकायों में कोचिंग एसोसिएशनों का कोई प्रतिनिधित्व नहीं है. जबकि राजस्थान और मध्यप्रदेश में हितधारकों को बोर्ड में शामिल किया जाता है. विशेषज्ञों का कहना है कि इस तरह की व्यवस्था नीति निर्माण को संतुलित बनाती है. लेकिन झारखंड में यह एकतरफा और कठोर हो सकता है.

रिनपास को हाईटेक व आधुनिक बनाने का मंत्री ने किया ऐलान

शुभम संदेश। रांची

राजधानी रांची के कांके स्थित रिनपास में गुरुवार को स्थापना का शताब्दी वर्ष समारोह आयोजित किया गया. इस वर्ष का थीम 'लीगेसी ऑफ केयरः सेंचुरी ऑफ लीगेसी' रखा गया. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन रहे. स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी, सांसद संजय सेठ, अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह, कांके विधायक सुरेश बैठा, सुबोधकांत सहाय, राजेश ठाकुर, रांची के उपायुक्त और रिनपास निदेशक अमूल रंजन भी उपस्थित थे. निदेशक अमूल रंजन ने सभी अतिथियों को पौधा, स्मृति चिन्ह और मरीजों द्वारा बनाए गए उपहार देकर सम्मानित किया. इस अवसर

पर डाक टिकट जारी किया गया, सोवरेन रिलीज किया गया, मानसिक स्वास्थ्य पर चार पुस्तकों का विमोचन किया गया और टेली मेंटल हेल्थ कॉन्फ्रेंसिंग का शुभारंभ मुख्यमंत्री ने किया.

कार्यक्रम में सेवानिवृत्त निदेशकों को सम्मानित किया गया जिनमें डॉ प्रो पीके चक्रवर्ती, डॉ एमएम अग्रवाल, डॉ अशोक कुमार नाथ, डॉ केके सिन्हा, पूर्व अधीक्षक डॉ प्रवीन कुमार सिन्हा, डॉ कप्तान सिंह, डॉ अशोक कुमार प्रसाद और डॉ एएन वर्मा शामिल थे. अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने रिनपास परिवार को 100 वर्ष पूरे होने पर बधाई दी और सीमित संसाधनों के बावजूद उपलब्धियों की सराहना की.

स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने कहा कि रिनपास केवल अस्पताल नहीं बल्कि राज्यवासियों के लिए वरदान है.

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची, शुक्रवार 05 सितंबर 2025 ● भाद्रपद शुक्ल पक्ष 13, संवत 2082 ● रांची एवं पटना से प्रकाशित ● वर्ष : 3, अंक : 149 ● मूल्य ₹ 4, पृष्ठ संख्या : 12

बदहाली: जान हथेली पर लेकर खूंटी-सिमडेगा रोड पर यात्रा कर रहे लोग

बारिश के चलते सड़क गड्ढों में तब्दिल हुई, सरकार का ध्यान नहीं

शुभम संदेश। खूंटी

राजधानी रांची को खूंटी, गुमला और, सिमडेगा जिले के अलावा ओड़िशा और छत्तीसगढ़ को जोड़ने वाली सबसे प्रमुख खूंटी-तोरपा-कोलेबिरा सड़क पर छोटे या बड़े वाहनों में गुजरना इन दिनों जान हथेली पर लेकर चलने के बराबर हो गया है. गत जून को हुई भारी बारिश के कारण पेलौल गांव के पास बनई नदी पर बना पुल टूट गया. इसके कारण वाहनों का आवागमन कुंजला से जुरदाग, गम्हरिया अंगराबारी होकर अथवा मार्टिन मंगला, इट्टे गनालोया होकर हो रहा है. कुछ वाहन कर्रा से तोरपा वाली सड़क पर गुजरते हैं. ग्रामीण सड़कों पर वाहनों के भारी दबाव के कारण लगभग सभी सड़कें पूरी तरह जर्जर हो गई हैं. इसके कारण आये दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं.

अधिकतर भारी वाहनों का आवागमन जुरदाग हो कर हो रहा है.

टूट गयी हैं ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कें : लगातार भारी वाहनों का परिचालन होने से अब ये वैकल्पिक सड़कें भी टूटने लगी हैं. जगह-जगह गड्ढ़े बन गए हैं और फ्लैंक पूरी तरह खत्म हो चुके हैं. फ्लैंक की जगह दोनों ओर बने गड्ढ़ों की वजह से वाहन चालक सड़क से नीचे वाहन उतारने से भी बच रहे हैं, क्योंकि गाड़ियों के फंसने का डर बना रहता है. अंगराबारी-तुपुदाना पथ पर बेड़ा पुल के पास मिट्टी का काफी कटाव हो गया है. इसके कारण सड़क खतरनाक हो गई है. कभी भी वहां कोई हादसा हो सकता है. कुछ वर्षों पूर्व माहिल-गानालोया के बीच बनई नदी पर बना पुल दब चुका था, जिसकी मरम्मत कराई गई थी. अब इस पुल से होकर कई भारी वाहनों के गुजरने और पुल के नीचे से बालू के अवैध उत्खनन से इस पुल पर भी टूटने का खतरा मंडरा रहा है. ग्रामीणों का कहना है कि पुल टूटने के बाद से लगातार समस्या बढ़ती जा रही है. अब कई ग्रामीण सड़कें भी टूट चुकी हैं और दिन-ब-दिन इनकी स्थिति और बिगड़ रही है.

तीन महीने में भी नहीं बना डायवर्सन

बनई जैसे महत्वपूर्ण पुल के टूटे तीन महीने हो चुके हैं, पर अब न तो डायवर्सन का निर्माण कार्य शुरू हो सका है और न ही पुल निर्माण की दिशा में कोई ठोस पहल की जा रही है. यह अलग बात है कि लगभग एक माह पहले ही डायवर्सन निर्माण के लिए लगभग एक करोड़ 80 लाख रुपये की निविदा निकाली गई थी. खूंटी के विधायक रामसूर्या मुंडा ने भी कहा था कि निविदा की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है. बताया जाता है कि बारिश कम होने के तुरंत बाद डायवर्सन का निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा.

गम्हारिया गांव में सबसे ज्यादा संकट: इस सड़क पर सबसे गंभीर स्थिति गम्हारिया गांव की है. यहां सड़क के बीचोंबीच लगभग चार फीट का गहरा और चौड़ा गड्ढा बन चुका है. इस गड्ढे से गुजरते समय कई वाहनों का आधा हिस्सा धंस जाता है, जिन्हें बड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला जाता है. हालात इतने खराब हैं कि स्कूली बच्चों, ग्रामीणों और मवेशियों की जान हर वक्त खतरे में रहती है. जलमीनार (नल जल योजना) की टूटी पाइपलाइन ने स्थिति को और खतरनाक बना दिया है. पाइप से लगातार पानी रिसकर गड्ढे में जमा हो रहा है, जिससे गड्ढा और भी गहरा होता जा रहा है. ग्रामीणों का कहना है कि यह किसी भी समय जानलेवा साबित हो सकता है.

भय और असुविधा के माहौल में जी रहे ग्रामीण

ग्रामीणों का कहना है कि वे रोज डर के साये में जी रहे हैं. बच्चे स्कूल जाते समय, महिलाएं पानी भरने के लिए सड़क पार करते समय और मवेशियों को लाने-ले जाने हादसे का भय बना रहता है.

प्रशासन और नेताओं पर आरोप : ग्रामीणों का आरोप है कि अब तक न तो विभागीय अधिकारी और न ही स्थानीय जनप्रतिनिधि इस मुद्दे को लेकर गंभीर दिख रहे हैं. नेता सिर्फ राजनीतिक बयानबाजी कर रहे हैं, जबकि संबंधित विभाग के अधिकारी केवल लोगों की आंखों में धूल झोंकने का काम कर रहे हैं. गम्हरिया गांव के रामचंद्र स्वांसी कहते हैं कि प्रशासन कम से कम बोल्डर मोरम डालकर आवागमन को सुलभ करे. मणिका स्वांसी कहते हैं कि गांव के शिवा प्रधान कहते हैं कि नेता-मंत्री, अधिकारी सभी सभी इस सड़क से गुजरते हैं, पर किसी का ध्यान इस ओर नहीं है. ग्रामीणों ने स्पष्ट कहा है कि यदि जल्द सड़क को दुरुस्त करने और पुल निर्माण की प्रक्रिया शुरू करने की दिशा में कदम नहीं उठाया गया, तो वे सड़क पर उतरकर आंदोलन करने को बाध्य होंगे. इसको लेकर ग्रामीणो ने सांसद कालीचरण मुंडा और विधायक राम सूर्या मुंडा को ज्ञापन भी सौंपा है.

बोकारो में 'करोड़पति क्लर्क' का ट्रांसफर

51 लाख रुपये कैश मामले में जांच तेज़

शुभम संदेश। बोकारो

बोकारो जिला प्रशासन ने डीएमएफटी में तैनात क्लर्क राजेश कुमार पांडेय को जिला स्थापना शाखा में तैनात कर दिया है, यह तब हुआ जब 28 अगस्त की रात गोला थाना क्षेत्र में उनकी कार से 51 लाख रुपये कैश जब्त किए गए थे. इस घूस की कार्रवाई के बाद प्रारंभिक जांच में पता चला कि यह राशि जमीन बिक्री से प्राप्त नहीं हुई है—जिसका दावा पांडेय ने पेश किया था.

जांच के अहम तथ्य : पांडेय ने इनकम टैक्स जांच में एक एमओयू भी पेश किया, जिसमें यह कैश जमीन की बिक्री से आने का दावा था. लेकिन जांच एजेंसी ने पाया कि वह लिखित रूप में पंजीकृत नहीं था, इसलिए इसे संदेहास्पद माना गया.

ब्लैकमनी का आरोप : जैसा कि कानून में जिक्र है, जमीन की बिक्री जैसी बड़ी रकम कैश में रखना अनुमत नहीं है. इस वजह से जब्त राशि को काला धन (ब्लैक मनी) माना जा रहा है.

प्रशासन ने डीडीसी को सौंपी जांच जिम्मेदारी: इस गंभीर मामले में, डीसी ने उप-विकास आयुक्त (डीडीसी) को एक सप्ताह में विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने का निर्देश दिया है. प्रशासन का कहना है कि यह मामला ऑफिस की प्रतिष्ठा और सम्मान से जुड़ा हुआ है.

पलामू: 10 लाख के इनामी टीएसपीसी के शशिकांत दस्ता से पुलिस की मुठभेड़

दो जवान शहीद, एक घायल

शुभम संदेश। मेदिनीनगर

पलामू जिले के मनातू थाना क्षेत्र के केदल जंगल में बुधवार देर रात 10 लाख के इनामी प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन तृतीय सम्मेलन प्रस्तुति कमेटी (टीएसपीसी) कमांडर शशिकांत के दस्ते के साथ पुलिस की भीषण मुठभेड़ हुई. जिसमें जिला पुलिस बल के दो जवान संतन मेहता और सुनील राम बलिदान हो गए, जबकि एक जवान रोहित कुमार जख्मी हैं. गुरुवार तड़के सुबह 2 बजे घायल जवान को एमआरएमसीएच लाया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है. पलामू की पुलिस कप्तान रिष्मा रमेशन लगातार हालात पर नजर रखी हुई हैं. रात 2 बजे ही वे अस्पताल पहुंचीं हैं और घायल जवान के इलाज की हर बारीकी की जानकारी ली. मुठभेड़ स्थल पर पुलिस सर्च अभियान चला रही है.

कुछ नक्सलियों के भी हताहत होने की खबर : इस बीच, पुलिस के मुताबिक घायल और मारे जाने की सूचना है. लेकिन अभी उनके शव नहीं मिल पाये हैं. इलाके की घेराबंदी करके सर्च अभियान चलाया जा रहा है. फिलहाल किसी का शव बरामद

जवानों का शहीद होना पीड़ादायक: मुख्यमंत्री

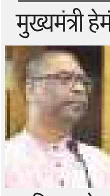

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पलामू में पुलिस बल और उग्रवादी संगठन के बीच मुठभेड़ में दो जवानों के बलिदान (शहीद) होने पर गहरा शोक जताया है. मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया एक्स पर गुरुवार को कहा कि पलामू के मनातू क्षेत्र अंतर्गत केदल जंगल में विशेष ऑपरेशन अभियान के दौरान पुलिस के दो जवान संतन मेहता और सुनील राम का शहीद (बलिदान) होना अत्यंत पीड़ादायक है. मुख्यमंत्री ने मरांग बुरु दिवगंत वीर शहीदों की आत्मा को शांति प्रदान कर शोकाकुल परिजनों को दु:ख की घड़ी सहन करने की शक्ति दे. अभियान में घायल एक अन्य जवान को चिकित्सा सुविधा प्रदान किया जा रहा है. घायल जवान के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की प्रार्थना करता हूं.

बलिदान देनेवाले जवानों के कृतज्ञ हैं: बाबूलाल मरांडी

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने पलामू में पुलिस बल और उग्रवादी संगठन के बीच भीषण मुठभेड़ में दो जवानों, संतन कुमार और सुनील राम के बलिदान होने की सूचना प्राप्त हुई. जवानों की शहादत व्यर्थ नहीं जाएगी. समाज में शांति स्थापित करने के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले जवानों का हम सब सदैव कृतज्ञ रहेंगे. ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें एवं शोकाकुल परिजनों को यह अपार दुख सहन करने की शक्ति दें.

मुठभेड़ की जानकारी लेने पहुंची चार सदस्यीय टीम

झारखंड के पलामू जिले में बुधवार रात पुलिस और उग्रवादियों के बीच हुई मुठभेड़ के बाद जांच करने के लिए पुलिस मुख्यालय की चार सदस्यीय टीम गुरुवार दोपहर 12 बजे मौके पर पहुंची. टीम का नेतृत्व केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के पुलिस महानिरीक्षक साकेत सिंह ने किया. उनके साथ आईजी अभियान माइकल राज, आईजी अनूप बिरथरे, एसपी (अभियान) अमित रेणु भी थे. सभी अधिकारियों ने मुठभेड़ में घायल जवान रोहित कुमार से एमएमसीएच में मुलाकात की. बाद में, सभी पुलिस अधिकारी पुलिस लाइन ग्राउंड में पहुंचकर बलिदान जवानों को सलामी दी. इस मौके पर जिले की उपायुक्त समीरा एस., एसपी रिष्मा रमेशन, अभियान एएसपी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के अलावा अन्य पुलिस अधिकारी, सिविल प्रशासन के अधिकारी, विधायक आलोक चौरसिया, प्रथम महापौर अरुण शंकर, झामुमो जिला अध्यक्ष राजेंद्र सिन्हा एवं अन्य मौजूद थे. उन्होंने शहीद जवानों के पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी. इसके बाद जवानों का पार्थिव शरीर उनके पैतृक गांव हैदर नगर प्रखंड क्षेत्र के लिए रवाना किया गया, जहां उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा.

आईजी माइकल राज ने कहा कि झारखंड पुलिस जवानों के बलिदान को व्यर्थ नहीं जाने देगी. उन्होंने कहा कि पुलिस अधिकारियों को बड़े पैमाने पर जांच अभियान चलाने का निर्देश दिया गया है. उन्होंने कहा कि पुलिस अधिकारी पूरा प्रयास कर रहे हैं कि जो नक्सली और उग्रवादी इस क्षेत्र में बचे हैं, वो खुद को सरेंडर कर दें. एक सवाल के जवाब में, आईजी माइकल राज ने कहा कि नक्सलियों और उग्रवादियों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है, जिससे उनको अपना ठिकाना उजड़ने का डर सताने लगा है और इससे वे और अधिक उग्र हो गये हैं. उन्होंने कहा कि नक्सली शशिकांत और उसका दस्ता जल्द सरेंडर नहीं करता है तो कार्रवाई जारी रहेगी.

जवान चला रहे थे सर्च अभियान

एसपी के अनुसार बुधवार शाम सूचना मिली कि 10 लाख के इनामी टीएसपीसी के शशिकांत का दस्ता मनातू थाना के केदल गांव में मौजूद हैं और किसी घटना को अंजाम देने की फिराक में है. इस सूचना पर एएसपी अभियान राकेश कुमार और हुसैनाबाद के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी एस मोहम्मद याकूब के नेतृत्व में ऑपरेशन लॉन्च किया गया. सर्च अभियान चलाते हुए पुलिस बढ़ रही थी. इसी क्रम में रात साढ़े 12 बजे पुलिस को देखते ही उग्रवादियों ने फायरिंग शुरू कर दी. पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई की. इस मुठभेड़ में पुलिस के दो जवान बलिदान हो गए और एक जवान घायल हो गए.

हजारीबाग : सिदो-कान्हू के बाद अब नीलांबर-पीतांबर की प्रतिमा क्षतिग्रस्त

माहौल तनावपूर्ण, जांच में जुटी पुलिस

हजारीबाग। हजारीबाग में एक बार फिर प्रतिमा तोड़फोड़ की घटना ने लोगों को आक्रोशित कर दिया है. संत कोलंबस कॉलेज के समीप स्थित नीलांबर-पीतांबर की प्रतिमा को असामाजिक तत्वों ने क्षतिग्रस्त कर दिया. यह घटना दो दिन पहले हुई एक अन्य घटना के बाद हुई है, जब पीडब्ल्यूडी ऑफिस के पास स्थित सिद्धू-कान्हू की प्रतिमा को भी क्षतिग्रस्त कर दिया गया था. उस घटना के बाद दिनभर सड़क जाम रहा था और शाम में प्रशासन ने चारों ओर सीसीटीवी कैमरे लगवाए थे. हालांकि, नीलांबर-पीतांबर की प्रतिमा के पास भी सीसीटीवी व्यवस्था की गई थी, लेकिन इसके बावजूद प्रतिमा क्षतिग्रस्त कर दी गई. इस घटना के बाद इलाके में तनाव और गहरा गया है, खासकर जब कर्म पर्व का आयोजन भी चल रहा है. ऐसे में माहौल और बिगड़ने की आशंका जताई जा रही है. सूचना मिलते ही हजारीबाग पुलिस मौके पर पहुंच गई और स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास कर रही है. किसी भी अप्रिय स्थिति से बचने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया जा रहा है. पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगालने की प्रक्रिया शुरू कर दी है और इस घटना के पीछे किसका हाथ है, इसकी जांच में जुट गई है.

भुवनेश्वर-धनबाद एक्सप्रेस से टकराई बिछड़ी मादा हाथी, रेल यातायात ठप रहा

चक्रधरपुर: दक्षिण पूर्व रेलवे के चक्रधरपुर मंडल में एक दुखद घटना सामने आई है. गुरुवार सुबह सागरा और सोनाखान स्टेशनों के बीच एक मादा हाथी भुवनेश्वर-धनबाद एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आ गई. हादसा सुबह लगभग 5 बजे तब हुआ, जब हाथी रेलवे ट्रैक पार कर रही थी और ट्रेन तेज गति से आ रही थी. बताया जा रहा है कि यह मादा हाथी पिछले कुछ दिनों से अपने झुंड से अलग होकर आसपास के इलाके में अकेले घूम रही थी.

हादसे में हाथी को गंभीर चोटें आई हैं. घटना की सूचना मिलते ही रेलवे और वन विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं. क्रेन की सहायता से घायल हाथी को ट्रैक से हटाने की कोशिश शुरू की गई. साथ ही हथिनी का प्राथमिक उपचार भी किया जा रहा है.

रेल यातायात बाधित, यात्रियों की बढ़ी परेशानी : दुर्घटना का सीधा असर रेल यातायात पर पड़ा है. भुवनेश्वर-धनबाद एक्सप्रेस को सोनाखान के पहले ही रोक दिया गया, जबकि ट्रेन संख्या 22358 को राजगांगपुर स्टेशन पर सुबह 5:30 बजे से खड़ा रखा गया है. कई अन्य ट्रेनें भी प्रभावित हुई हैं, जिससे यात्रियों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. उधर हाथियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए रेलवे ने एआई आधारित 'इंट्रूजन डिटेक्शन सिस्टम' लगाने की योजना बनाई है. यह तकनीक समय रहते हाथियों की मौजूदगी का पता लगाकर ट्रेन को अलर्ट करेगी, जिससे हादसे टाले जा सकें.

पाकुड़ में अवैध लॉटरी का खुलासा

450 नकली टिकट के साथ एक गिरफ्तार

पाकुड़। जिले के मालगोदाम रोड स्थित जर्जर बीडी श्रमिक अस्पताल के पास पुलिस ने अवैध लॉटरी बेचते हुए एक व्यक्ति को रंगे हाथों गिरफ्तार किया. आरोपी लोगों को 10 गुना अधिक पैसा कमाने का लालच देकर नकली लॉटरी टिकट बेच रहा था. गिरफ्तार आरोपी की पहचान मो. एकलास अंसारी के रूप में हुई है, जो हिरणडांगा बाजार, पाकुड़ का रहने वाला है. यह कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर पाकुड़ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर गठित छापेमारी दल द्वारा की गई. जैसे ही पुलिस मौके पर पहुंची, आरोपी भागने की कोशिश करने लगा, लेकिन पुलिस टीम ने पीछा कर उसे पकड़ लिया.

राज्य में फिर सक्रिय हुआ मानसून, रांची समेत जिलों में अलर्ट जारी

शुभम संदेश। रांची

झारखंड में मानसून की बारिश लगातार जारी है. इसी बीच मौसम विभाग ने अगले दो दिनों तक भारी भारिश को लेकर अलर्ट जारी किया है. मौसम विभाग के अनुसार रांची सहित राज्य के कई जिलों में गुरुवार को तेज बारिश हुई. वहीं पश्चिमी सिंहभूम, सिमडेगा और गुमला में भारी बारिश को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी कर दिया गया है. इसके अलावा राज्य के सात जिलों में मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी कर दिया है. इनमें पूर्वी सिंहभूम, सरायकेला, खूंटी, लोहरदगा, लातेहार, पलामू तथा गढ़वा जिले शामिल हैं. मौसम विभाग ने बताया है कि बारिश के दौरान तेज हवाओं के साथ वज्रपात की भी आशंका है. वहीं पिछले 24 घंटों में राज्य में अच्छी बारिश देखी गई.

पिछले 24 घंटों में हुई बारिश

पश्चिमी सिंहभूम	: 65.6 मिमी
पूर्वी सिंहभूम	: 54.2 मिमी
दुमका	: 46 मिमी
सिमडेगा	: 39.6 मिमी
जामताड़ा	: 38.4 मिमी
रांची	: 22.4 मिमी

झारखंड में सामान्य से 26 प्रतिशत अधिक हुई बारिश: झारखंड में 1 जून से तीन सितंबर तक सामान्य से 26 प्रतिशत अधिक बारिश दर्ज की गई है. राज्य में इस दौरान 823.7 मिलीमीटर के मुकाबले 234.9 में मिमी मिलीमीटर बारिश रिकार्ड की गई. बोकारो में सामान्य से 24 प्रतिशत अधिक बारिश दर्ज की गई। यहां 736 मिलीमीटर के मुकाबले 911.5 मिलीमीटर रिकॉर्ड की गई. इसी तरह से चतरा में सामान्य से 18 प्रतिशत अधिक बारिश दर्ज की गई। यहां 761.2 मिलीमीटर के मुकाबले 900 मिलीमीटर रिकॉर्ड की गई. वहीं देवघर में सामान्य से नौ प्रतिशत कम बारिश दर्ज की गई. यहां 770.2 मिलीमीटर के मुकाबले 702.9 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई. धनबाद में 849.4 मिमी की तुलना में 1200.3 मिलीमीटर, दुमका 815.4 मिलीमीटर के मुकाबले 1027.2, पूर्वी सिंहभूम में 883.5 मिमी के मुकाबले 1532.2 मिमी, गढ़वा में 749 मिमी के मुकाबले 726 मिमी, गिरिडीह में 771.2 मिमी के मुकाबले 921 मिमी, गोड्डा में 709 मिमी के मुकाबले 661.8 मिमी, गुमला में 859.2 के मुकाबले 930.3 मिमी, हजारीबाग में 844.1 मिलीमीटर के मुकाबले 863.7 मिमी, जामताड़ा में 851.9 मिमी के मुकाबले 1120.1 मिमी, खूंटी में 902.4 मिमी के मुकाबले 1197.6 मिमी, कोडरमा में 696.4 मिमी के मुकाबले 832.8 मिमी, लातेहार में 839.9 मिलीमीटर के मुकाबले 1238.5 मिलीमीटर, लोहरदगा में 802.3 मिमी के मुकाबले 924.2 मिलीमीटर, पाकुड़ में 926.1 मिलीमीटर के मुकाबले 748.8 मिमी, पलामू में 687.2 मिमी के मुकाबले 848.9 मिलीमीटर, रामगढ़ में 831.2 मिमी के मुकाबले 1090.3 मिमी, रांची में 841.1 मिलीमीटर के मुकाबले 1292.5 मिमी, साहिबगंज में 913.6 एमएम के मुकाबले 1058.8 मिमी, सरायकेला- खरसावां में 816.7 मिमी के मुकाबले 1350.7 मिमी, सिमडेगा में 1067.5 मिमी के मुकाबले 1127.8 मिलीमीटर, पश्चिमी सिंहभूम में 830.4 मिलीमीटर के मुकाबले 1141.4 मिलीमीटर बारिश रिकार्ड की गई.

आज भी होगी बारिश

मौसम विभाग ने शुक्रवार को भी बारिश होने की आशंका व्यक्त की है. इस दौरान विभाग ने राज्य के विभिन्न जिलों में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने और आकाशीय बिजली गिरने की भी आशंका व्यक्त की है. इसे लेकर विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया हैपिछले तीन दिनों से राज्य के अधिकांश हिस्सों में हो रही लगातार बारिश से राजधानी के विभिन्न निचले इलाकों में जल जमाव होने से लोगों को भारी परेशानी हुई. भारी बारिश के कारण रांची के अपर बाजार इलाके में कई दुकान में पानी घुस जाने से व्यवसायियों को नुकसान हुआ, जबकि पंडरा के पंचशील नगर, कोकर के कई मुहल्ले और हिंदपीढ़ी के कई इलाकों के घरों में बारिश का पानी घुस गया जिससे लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा. इसके अलावा बारिश के बावजूद करम पर श्रद्धालु नागपुरी गीतों पर झूमते नजर आए.

जमशेदपुर में लगातार दूसरे दिन अपराधियों का उत्पात

व्यवसायी की आंखों में मिर्च झोंक कर 30 लाख रु की लूट, तीन राउंड फायरिंग

- सोनारी में ज्वेलर्स से लूट के बाद बिष्टुपुर बना निशाना

शुभम संदेश। जमशेदपुर

झारखंड के औद्योगिक शहर जमशेदपुर में अपराधियों का कहर लगातार बढ़ता जा रहा है. गुरुवार को शहर के बीचोंबीच बिष्टुपुर गुरुद्वारा इलाके में बदमाशों ने दिनदहाड़े एक कारोबारी से 30 लाख रुपये लूट लिए. घटना उस समय हुई जब हिन्दुस्तान यूनिलीवर की एजेंसी चलाने वाले व्यवसायी साकेत अग्रवाल स्कूटी से नकद राशि लेकर बैंक मे जमा कराने जा रहे थे. रास्ते में दो बदमाशों ने उन्हें घेर लिया और उनकी आंखों में लाल मिर्च पाउडर झोंक दिया. इसके बाद रुपयों से भरा बैग छीनकर भागने लगे. आंखों में जलन के बावजूद साकेत अग्रवाल ने शोर मचाया और अपराधियों का पीछा करने लगे. इस दौरान बदमाशों ने तीन राउंड फायरिंग की और इनोवा गाड़ी में सवार होकर फरार हो गए. गनीमत रही कि साकेत गोलीबारी में बाल-बाल बच गए.

सीसीटीवी खंगाल रही पुलिस: घटना की जानकारी मिलते ही बिष्टुपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और इलाके की घेराबंदी कर जांच अभियान चलाने लगी. पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है, ताकि अपराधियों की पहचान हो सके. शहर में दिनदहाड़े हुई इस सनसनीखेज वारदात ने आम लोगों और व्यापारियों के बीच भारी दहशत फैला दी है.

पुलिस पर फूटा व्यवसायियों का गुस्सा : घटना के बाद बड़ी संख्या में स्थानीय व्यापारी और आम लोग मौके पर इकट्ठा हो गए. सभी ने शहर में बढ़ती अपराधिक घटनाओं और पुलिस की लचर व्यवस्था पर गहरा आक्रोश जताया. व्यापारियों का कहना है कि शहर के व्यस्त इलाकों में अपराधी खुलेआम वारदात कर रहे हैं और पुलिस कुछ नहीं कर पा रही है. खास बात यह है कि जहां यह घटना हुई, वहां से कुछ ही दूरी पर जमशेदपुर के सांसद का आवास है, फिर भी अपराधी बेखौफ नजर आए.

एक दिन पहले सोनारी में ज्वेलरी शॉप में लूट : गौरतलब है कि ठीक एक दिन पहले बुधवार को सोनारी थाना क्षेत्र में स्थित वर्द्धमान ज्वेलर्स में भी लूट की बड़ी वारदात हुई थी. छह हथियारबंद अपराधी ग्राहक बनकर दुकान में घुसे और मालिक पंकज जैन को बंधक बना लिया.

आत्मनिर्भर होते भारत को मजबूत बनाएगा जीएसटी रिफॉर्म : संजय सेठ

शुभम संदेश। रांची

रक्षामंत्री राज्य व रांची सांसद संजय सेठ ने जीएसटी में ऐतिहासिक सुधारों के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताया है. उन्होंने कहा कि यह सुधार आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक मजबूत कदम है. उन्होंने बताया कि नए जीएसटी रिफॉर्म से मेक इन इंडिया और वोकल फॉर लोकल जैसे अभियानों को गति मिलेगी.सेठ के अनुसार अब केवल दो टैक्स स्लैब — 5% और 18% रहेंगे, जिससे कर प्रणाली सरल और पारदर्शी बनेगी. उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य बीमा, शिक्षा और जीवन रक्षक दवाओं सहित कई जरूरी वस्तुएं पूरी तरह जीएसटी मुक्त कर दी गई हैं. किसानों के उपकरणों, रोजमर्रा की चीजों और मध्यम वर्ग द्वारा उपयोग की जाने वाली गाड़ियों पर टैक्स कम किया गया है.उन्होंने कहा कि यह निर्णय 140 करोड़ देशवासियों के जीवन को सीधे प्रभावित करेगा और गरीबों, मध्यम वर्ग तथा छोटे-बड़े उद्यमियों को राहत देगा. संजय सेठ ने इसे प्रधानमंत्री की संवेदनशील सोच का परिणाम बताते हुए कहा कि यह कदम भारत को आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा.

जीएसटी में ऐतिहासिक बदलाव झारखंड के लिए विकास का वरदान : डॉ. प्रदीप वर्मा

रांची। भारतीय जनता पार्टी के झारखंड महामंत्री एवं राज्यसभा सांसद डॉ. प्रदीप वर्मा ने हालिया जीएसटी सुधारों को आर्थिक पारदर्शिता और सामाजिक न्याय की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में किया गया यह सुधार "सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास" के मूल मंत्र को और सशक्त करता है.डॉ. वर्मा के अनुसार, जीएसटी में आए बदलावों से छोटे व्यापारियों को सरल पंजीकरण और रिटर्न प्रक्रिया का लाभ मिलेगा, जिससे उनका कारोबार बढ़ेगा। शिक्षा क्षेत्र में जीएसटी छूट से छात्रों और अभिभावकों का आर्थिक बोझ घटेगा, जबकि कृषि उपकरणों पर कर में राहत से किसानों को सीधा लाभ होगा. स्टार्ट-अप्स और उद्यमियों को प्रोत्साहन मिलने से रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे.उन्होंने कहा कि यह सुधार झारखंड जैसे विकासशील राज्य में आर्थिक क्रांति लाएगा और आत्मनिर्भरता की दिशा में बड़ा कदम होगा. कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों ने कर व्यवस्था को बोझ बना दिया था, जबकि मोदी सरकार ने उसे विकास का माध्यम बना दिया है.

जीएसटी सुधार झारखंड पर आर्थिक हमला केंद्र दे मुआवजे की गारंटी : आलोक कुमार दुबे

- नई जीएसटी नीति से झारखंड को हजारों करोड़ का नुकसान, विकास योजनाएं ठप होने का खतरा

शुभम संदेश। रांची

झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव आलोक कुमार दूबे ने केंद्र सरकार के नए ₹नेक्स्ट जेन₹ जीएसटी सुधार पर तीखा हमला करते हुए इसे झारखंड जैसे राज्यों की अर्थव्यवस्था पर सीधा हमला करार दिया है. उन्होंने कहा कि उपभोक्ता स्तर पर टैक्स में कटौती से शुरुआत में वस्तुओं के दाम कम ज़रूर होंगे, लेकिन इसका बड़ा खामियाज़ा राज्य के राजस्व पर पड़ेगा. दूबे ने कहा कि झारखंड की अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से खनिज और उपभोग कर पर आधारित है. ऐसे में टैक्स शेयर में कटौती से राज्य को हजारों करोड़ का घाटा होगा, जिससे शिक्षा, स्वास्थ्य, सिंचाई और सामाजिक योजनाएं प्रभावित होंगी. उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाया कि यह सुधार बिना राज्यों से समुचित विचार-विमर्श के जल्दबाज़ी में लागू किया गया. पहले लागू, बाद में सोचो की नीति अपनाई गई. उन्होंने यह भी कहा कि झारखंड जैसे आदिवासी बहुल और पिछड़े राज्य को केंद्र से अतिरिक्त सहयोग की ज़रूरत है, लेकिन नई नीति ने उल्टा बोझ डाल दिया है. यदि समय रहते जीएसटी क्षतिपूर्ति नहीं मिली, तो विकास रुक जाएगा और जनता पर महंगाई और बेरोजगारी का बोझ बढ़ेगा.कांग्रेस ने केंद्र से चार प्रमुख मांगें रखी हैं: 5 साल तक क्षतिपूर्ति की गारंटी दे, विशेष सहायता कोष की व्यवस्था करें, छोटे व्यापारियों के लिए आसान नियम बनाए और आदिवासी क्षेत्रों के लिए अलग विकास पैकेज की व्यवस्था करे. कांग्रेस ने ऐलान किया है कि वह इस मुद्दे को सड़क से संसद तक उठाएगी और झारखंड के अधिकारों के लिए हर स्तर पर संघर्ष करेगी.

मोदी सरकार ने छात्रों, किसानों और व्यापारियों को दी बड़ी राहत : अजय राय

भारतीय जनता पार्टी झारखंड प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अजय राय ने केंद्र सरकार द्वारा जीएसटी दरों में की गई कटौती का स्वागत किया है. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ₹सबका साथ, सबका विकास₹ की नीति पर कार्य कर रही है. पढ़ाई से जुड़ी वस्तुओं पर जीएसटी घटाने से छात्रों और अभिभावकों पर आर्थिक बोझ कम होगा, खासकर झारखंड जैसे राज्य में जहाँ बड़ी संख्या में युवा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं.राय ने कहा कि कृषि उपकरणों और आवश्यक वस्तुओं पर टैक्स में राहत से किसानों की आय बढ़ेगी और छोटे व्यापारियों को भी मजबूती मिलेगी। इससे राज्य की ग्रामीण और शहरी अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा.उन्होंने जनता से अपील की कि केंद्र की जनहितकारी योजनाओं का लाभ उठाएं और ₹विकसित भारत 2047₹ के लक्ष्य को भाजपा के साथ मिलकर साकार करें.

जनविरोधी जीएसटी से पलटी मोदी सरकार, कांग्रेस की नीतियों की मिली मान्यता : सोनाल शांति

रांची। देश में एनडीए की सरकार जरूर है, लेकिन प्रशासनिक ढांचा अब भी कांग्रेस की नीतियों पर चलने को मजबूर हो गया है. कांग्रेस प्रवक्ता सोनाल शांति ने कहा कि मोदी सरकार ने दूध, दही, किताबों, कृषि उपकरणों और जीवन रक्षक दवाओं पर जीएसटी लगाकर आम जनता की जेब पर चोट की. अब तीसरे कार्यकाल में जाकर सरकार को आम आदमी की पीड़ा समझ आई है.उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने 2016 में ही जीएसटी नीति का विरोध किया था और इसके आम जनता पर पड़ने वाले प्रभावों को विस्तार से प्रस्तुत किया था. लेकिन मोदी सरकार ने उद्योगपतियों को लाभ पहुंचाने के लिए जनविरोधी स्लैब लागू किया. आज जब सरकार खुद उस नीति में संशोधन कर रही है, तो यह कांग्रेस की दूरदर्शिता की पुष्टि है.शांति ने कहा कि जीएसटी के संशोधन से राजस्व घाटे का आंकलन कर राज्यों को मुआवजा मिलना चाहिए ताकि क्षेत्रीय विकास का संतुलन बना रहे. मोदी सरकार को सलाहकारों की बात न मानने की कीमत चुकानी पड़ी है और अब उसे जनहित में कांग्रेस की राह अपनानी पड़ी है.

पीएलएफआई के नाम पर मिली धमकी

रांची में बिल्डर और जमीन कारोबारी से मांगी गई 50-50 लाख की रंगदारी

शुभम संदेश। रांची

राजधानी रांची में उग्रवादी संगठन पीएलएफआई (पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट ऑफ इंडिया) के नाम पर दो व्यवसायियों से 50-50 लाख रुपये की रंगदारी मांगे जाने का मामला सामने आया है. दोनों ही मामलों में अलग-अलग थानों में प्राथमिकी दर्ज की गई है और पुलिस जांच में जुट गई है.

पहला मामला अरगोड़ा थाना क्षेत्र का है, जहां राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांतीय संयोजक व बिल्डर राजेश कुमार से पीएलएफआई के नाम पर 50 लाख की रंगदारी मांगी गई है. 1 सितंबर को राजेश कुमार के व्हाट्सएप नंबर पर एक धमकी भरा पत्र भेजा गया, जिसमें रकम नहीं देने पर पांच दिन के भीतर जान से मारने की धमकी दी गई थी. राजेश कुमार ने तत्काल अरगोड़ा थाने में मामला दर्ज कराया है. पुलिस ने व्हाट्सएप नंबर की जांच के लिए टेक्निकल सेल की मदद लेना शुरू कर दिया है.

जमीन कारोबारी दीपक कुमार से भी मांग

दूसरा मामला खेलगांव ओपी क्षेत्र से जुड़ा है, जहां जमीन कारोबारी दीपक कुमार से भी 50 लाख की रंगदारी मांगी गई है. एफआईआर के अनुसार, उन्हें मैसेज के जरिए धमकी दी गई कि यदि रकम नहीं दी गई तो परिवार को जान से मार दिया जाएगा. रंगदारी की मांग पीएलएफआई संगठन के अमृत होरो के नाम पर की गई है. दीपक कुमार का कार्यालय रांची के मोरहाबादी इलाके में है. खेलगांव ओपी पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

कायस्थ महासभा की झारखंड प्रदेश कार्यकारिणी समिति कीबैठक आज

रांची। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा की झारखंड प्रदेश कार्यकारिणी समिति की बैठक शुक्रवार को अशोकनगर रोड नंबर 3 रांची स्थित जलसा में पूर्वाह्न 11 बजे से होगी राज्य कार्यकारिणी की बैठक का समापन अपराह्न 3 बजे होगा. यह जानकारी प्रदेश प्रवक्ता सह रांची जिला अध्यक्ष शैलेश कुमार सिन्हा ने दी.

अगर राज्य चलाना नहीं आता, तो हेमंत सरकार गद्दी छोड़े: डॉ. राधामोहन

मोदी सरकार दे रही जनता को राहत, हेमंत सरकार कर रही विरोधः भाजपा का तीखा प्रहार

शुभम संदेश। रांची

भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री सह सांसद डॉ. राधामोहन अग्रवाल ने झारखंड सोरेन सरकार पर तीखा हमला बोला. उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने जनता को राहत देने के लिए जीएसटी दरों में भारी कटौती की है, जिससे सरकार को 50 हजार करोड़ रुपये का घाटा झेलना पड़ा. इसके विपरीत, हेमंत सरकार महज दो हजार करोड़ के घाटे का बहाना बनाकर विरोध कर रही है.
डॉ. अग्रवाल ने कहा कि केंद्र सरकार ने 12 लाख तक की आय पर टैक्स शून्य कर दिया है और दवाइयों, कृषि यंत्रों, शैक्षणिक सामग्री, मेडिकल किट और सीमेंट पर टैक्स घटाकर आम जनता को सीधा फायदा पहुंचाया है. उन्होंने कहा कि यह निर्णय त्योहारों से पहले जनता के लिए बड़ा तोहफा है. उन्होंने आरोप लगाया कि हेमंत सरकार जनता के हित की बजाय टैक्स वसूली पर केंद्रित है और भ्रष्टाचार छुपाने के लिए आर्थिक घाटे की बात कर रही है. ऐसे में अगर सरकार जनता की सेवा नहीं कर सकती, तो उसे सत्ता छोड़ देनी चाहिए.
डॉ. अग्रवाल ने कांग्रेस पर भी निशाना साधते हुए कहा कि राहुल गांधी अमीर-गरीब पर एक समान टैक्स की बात कर देश की अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाना चाहते हैं. उन्होंने भाजपा की ओर से मोदी सरकार के निर्णयों का स्वागत किया.प्रेस वार्ता में प्रदेश अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, प्रदेश मीडिया प्रभारी शिवपूजन पाठक, सह मीडिया प्रभारी योगेंद्र प्रताप सिंह और प्रवक्ता अजय साह भी उपस्थित रहे.

देश की संपत्ति बेचना भाजपा के लिए भ्रष्टाचार नहीं: राकेश सिन्हा

रांची। भाजपा नेता राधा मोहन अग्रवाल के बयान पर पलटवार करते हुए कांग्रेस के प्रदेश महासचिव व मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने भाजपा पर तीखा हमला बोला. उन्होंने कहा कि भाजपा के लिए देश की संपत्ति बेचना भ्रष्टाचार नहीं है, जबकि वास्तव में यह जनता के अधिकारों का हनन है. सिन्हा ने आरोप लगाया कि भाजपा ने अपने 11 वर्षों के शासन में भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया और जनता के पैसे का दुरुपयोग किया.उन्होंने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार संसाधनों का सही उपयोग कर रही है और जनता के हित में कई योजनाएं लागू की गई हैं. भाजपा शासन में केवल कागज़ों पर एमओयू हुए और पैसों का बंदरबांट हुआ. उन्होंने प्रधानमंत्री पर भी निशाना साधते हुए कहा कि किसान आत्महत्या कर रहे हैं, वहीं पूंजीपति मित्रों के करोड़ों के कर्ज माफ किए जा रहे हैं.सिन्हा ने जीएसटी को लेकर कहा कि सरकार अब रेट रेशनलाइज़ेशन की बात कर रही है, लेकिन सभी राज्यों को 2024-25 को आधार बनाकर पांच वर्षों के लिए मुआवजा दिया जाना चाहिए, ताकि राजस्व प्रभावित न हो. एमएसएमई को लाभ तभी मिलेगा जब जीएसटी की जटिलताएं खत्म हों.

एक नजर

बच्चों ने पेंटिंग बनाकर मनाया शिक्षक दिवस

रांची। झारखंड पेरेंट्स एसोसिएशन की ओर से संचालित कोशिश स्पेशल स्कूल अरगोड़ा में गुरुवार को शिक्षक दिवस मनाया गया. इस मौके पर बच्चों ने पेंटिंग बनाकर शिक्षकों को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं दीं. गुरुजनों ने बच्चों के प्रयासों की सराहना की और शिक्षक दिवस को यादगार बनाने के लिए बच्चों का आभार व्यक्त किया. कार्यक्रम की शुरुआत में बच्चों ने एक-एक कर अपने शिक्षकों को बधाई दी और आभार व्यक्त किया. इस अवसर पर मुख्य रूप से शिक्षक अंजनय कुमार, गायत्री कुमारी, दिलीप कुमार और शामिता बोस के साथ-साथ स्कूल की सदस्य दीपा चौधरी और सुषमा शरण सहित अन्य मौजूद थे.

सदानंद महाराज का भजन व सत्संग कार्यक्रम कल

रांची। प्रणामी ट्रस्ट की ओर से संचालित श्री कृष्ण प्रणामी मंगल राधिका सदानंद सेवा धाम स्थित श्री राधा कृष्ण प्रणामी मंदिर पुंदाग में शनिवार को अनंत चतुर्दशी के अवसर पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया है. इस अवसर पर श्री राधा कृष्ण प्रणामी मंदिर में परमहंस डॉ संत शिरोमणि सदानंद महाराज अपनी दिव्य वाणी से भजन सत्संग प्रवचन के माध्यम से अमृत वर्षा का रसपान कराएंगे. यह जानकारी ट्रस्ट के उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल और प्रवक्ता संजय सर्राफ ने गुरुवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी. उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के दौरान गुरु पूजन, गुरु महाराज से आशीर्वाद और प्रसाद का वितरण का कार्यक्रम होगा. उन्होंने सभी भक्तों से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में उपस्थित रहने का आग्रह किया है.

जल्द जारी होंगे 15वें वित्त आयोग के अनुदान

रांची/दिल्ली। ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडे सिंह से गुरुवार को दिल्ली में भारत सरकार के पंचायती राज मंत्रालय के सचिव की मुलाकात हुई. बैठक में मुख्य रूप से 15वें वित्त आयोग के अनुदान को शीघ्र स्वीकृत करने पर बल दिया गया. दीपिका पांडे ने स्पष्ट किया कि झारखंड सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता ग्राम पंचायतों को सशक्त कर ग्रामीण विकास को नई दिशा देना है. उन्होंने अपेक्षा व्यक्त की कि 15वें वित्त आयोग की अगली किस्त शीघ्र जारी की जाए, ताकि योजनाओं का लाभ सीधे गांव-गांव तक पहुंच सके. उन्होंने कहा कि अनुदान जारी होने से ग्राम पंचायतों में विकास कार्यों को गति मिलेगी और आधारभूत संरचनाएं मजबूत होंगी. इस पर पंचायती राज मंत्रालय के सचिव ने सकारात्मक पहल का आश्वासन दिया. बैठक के दौरान आरजीएसए के अंतर्गत अतिरिक्त फंड सहायता, पंचायत एडवांसमेंट इंडेक्स 2.0 प्रशिक्षण, सैटेलाइट आधारित दूरस्थ शिक्षा सुविधा, ग्राम पंचायतों का सोलराइजेशन तथा यूनिफाइड पंचायत डिजिटलाइजेशन से संबंधित प्रस्ताव भी रखे गए. इस अवसर पर उनके साथ विभागीय सचिव मनोज कुमार (आईएएस), निदेशक (पंचायती राज, झारखंड) राजेश्वरी बी. तथा भारत सरकार के पंचायती राज मंत्रालय के निदेशक विपुल उज्ज्वल सहित अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे.

श्री दुर्गा पूजा और रावण दहन समिति इस बार किताबों की थीम पर बना रही पूजा पंडाल

रांची। राजधानी रांची में दुर्गा पूजा को लेकर जोर शोर से तैयारी चल रही है. शहर के अलग -अलग स्थानों में एक से बढ़कर एक पंडाल का निर्माण हो रहा है. इसी क्रम में श्री दुर्गा पूजा एवं रावण दहन समिति अरगोड़ा इस साल 21 हजार काल्पनिक किताबों से पंडाल का निर्माण कर रही है. करीब 35 लाख की लागत से भव्य पंडाल बनाया जा रहा है. पंडाल के ठीक सामने गुरुकुल के साधु एक पेड़ के नीचे पुस्तक लेकर बैठे नजर आएंगे. उनके चारों ओर हिरणों का झुंड होगा, जो आकर्षण का केंद्र रहेगा. पंडाल परिसर में किताब का स्टॉल लगाया जाएगा, जिसमें धार्मिक और जनरल नॉलेज की किताबें होंगी. पंडाल के अगल-बगल 15-15 फीट ऊंची किताबों से दीवारें बनाई जा रही हैं. सभी काल्पनिक किताबों पर संस्कृत में लिखा हुआ दिखेगा. आकर्षक लाइटिंग होगी. मूर्तिकार जगदीश पाल 15 फीट की ऊंची माता की प्रतिमा तैयार कर रहे हैं. समिति की ओर से रावण दहन सह आकर्षक आतिशबाजी का कार्यक्रम दशमी के दिन अरगोड़ा मंडा मैदान में किया जाएगा. समिति के अध्यक्ष पंकज कुमार साहू ने गुरुवार को कहा कि आज कल सभी बच्चे किताबों की जगह लैपटॉप और मोबाइल से पढ़ते हैं. इस थीम का उद्देश्य है कि लोगों में किताबों के प्रति रुचि बढ़े.

बड़ी कार्रवाई : दस्तावेजों में गड़बड़ी से विवाद गहराया

नगर निगम ने जेएससीए को थमाया 3.35 करोड़ का होल्डिंग टैक्स नोटिस

शुभम संदेश। रांची

रांची नगर निगम ने जेएससीए को 3 करोड़ 35 लाख 28 हजार 152 रुपये का होल्डिंग टैक्स बिल थमाया है. यह बकाया राशि वित्तीय वर्ष 2013-14 से 2025-26 तक की बताई जा रही है. निगम ने एक सप्ताह में पूरा टैक्स जमा करने का निर्देश दिया है.
निगम के अपर प्रशासक के हस्ताक्षर से पत्रांक 714/आरईवी जारी हुआ है. इसमें कहा गया है कि जेएससीए को होल्डिंग नंबर एसएएफ/ 02/04/ 00 192 आवंटित है. निगम द्वारा नियुक्त कंपनी ने सर्वे कर जो रिपोर्ट दी, उसी आधार पर नया बिल बनाया गया है.

नए निर्माण बने आधार: जेएससीए पहले से ही नियमित होल्डिंग टैक्स जमा कर रहा है. लेकिन हाल के वर्षों में परिसर में कई नए निर्माण हुए हैं. इससे उपयोग की प्रकृति में बदलाव आया है. निगम ने इन्हीं बदलावों को आधार मानते हुए बकाया टैक्स का नया आकलन किया है. निगम के पत्र और उसके स्तावेजों में विरोधाभास सामने आए हैं. पत्र में जहां जेएससीए का होल्डिंग नंबर एसएएफ/ 02/ 04/00192 लिखा गया है, वहीं संलग्न दस्तावेज में पुराना नंबर 0410001855000ए1 है. इतना ही नहीं, जिस नंबर को पत्र में होल्डिंग नंबर बताया गया है, वही आवेदन संख्या के रूप में दर्ज है. आवेदन की तारीख भी 4 अगस्त 2025 लिखी हुई है. इससे स्पष्ट है कि या तो निगम को सही जानकारी नहीं दी गई या फिर एजेंसी ने भ्रामक रिपोर्ट तैयार की है.

अहम मौके पर नोटिस: नोटिस ऐसे समय आया जब स्टेडियम में 30 नवंबर को भारत-दक्षिण अफ्रीका के बीच वन डे मैच होना है. वहीं 21 सितंबर को सीसीसी का चुनाव होना है. निगम का यह कदम न केवल खेल जगत बल्कि प्रशासनिक हलकों में भी चर्चा का विषय बन गया है.

रांची में डिलीवरी ब्वॉय का पुलिस वेरिफिकेशन अनिवार्य, एसएसपी ने दिए थानों के सख्त निर्देश

शुभम संदेश। रांची

राजधानी रांची में बढ़ते अपराध पर लगाम लगाने और सुरक्षा को मजबूत करने के उद्देश्य से एसएसपी चंदन सिन्हा ने सभी डिलीवरी ब्वॉय का पुलिस वेरिफिकेशन अनिवार्य कर दिया है. इस संबंध में सभी थानों को दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं. हाल के दिनों में कई मामलों में देखा गया कि कुछ अपराधी डिलीवरी ब्वॉय की वर्दी में मोबाइल छिनतई व चोरी को अंजाम दे रहे थे. वे डिलीवरी ब्वॉय के रूप में घरों की रेकी कर चोरी की वारदातों को अंजाम देते थे. इसको देखते हुए पुलिस ने सतर्कता बढ़ाते हुए ये कदम उठाया.

हर थाने में बनेगी डिलीवरी ब्वॉय की सूची : हर थाने में काम कर रहे डिलीवरी ब्वॉय की विस्तृत सूची तैयार की जाएगी, जिसमें नाम, पता, मोबाइल नंबर और अन्य जरूरी जानकारी दर्ज होगी. यह सूची थाने में एक रजिस्टर में रखी जाएगी, ताकि संदिग्ध गतिविधियों की निगरानी प्रभावी ढंग से की जा सके. हाल ही में चुटिया थाना ने एक ऐसे गिरोह का खुलासा किया था, जो डिलीवरी ब्वॉय की वर्दी में मोबाइल छिनतई करता था. इस मामले में पांच आरोपी गिरफ्तार हुए थे, जिनके पास से 26 मोबाइल फोन और एक चोरी की स्कूटी बरामद की गई थी. वहीं, कांके थाना क्षेत्र में भी दो चोरी की घटनाओं में शामिल आरोपियों ने पहले डिलीवरी ब्वॉय बनकर घरों की रेकी की थी.

बिना वेरिफिकेशन नहीं मिलेगी नौकरी

एसएसपी ने स्पष्ट किया है कि अब कोई भी डिलीवरी कंपनी बिना पुलिस वेरिफिकेशन के किसी युवक को काम पर नहीं रख सकेगी. इसके तहत कंपनियों को अपने सभी कर्मचारियों का विवरण संबंधित थाने में आवेदन के साथ जमा करना होगा. यह नियम नए और पहले से कार्यरत सभी कर्मचारियों पर समान रूप से लागू होगा.

कापूचिन धर्मसंघ के निवास विद्या सदन में ब्रदर विराज एक्का का उपयाजकीय अभिषेक संपन्न

उपयाजक का जीवन समर्पण और त्याग का जीवन है, जिसमें स्वार्थ का कोई स्थान नहीं होता है : महाधर्माध्यक्ष विंसेंट आईंद

शुभम संदेश। रांची

सामलौंग स्थित कापूचिन धर्मसंघ के निवास विद्या सदन में ब्रदर विराज एक्का की उपयाजकीय अभिषेक की धर्मविधि रांची काथलिक महाधर्मप्रांत के महाधर्माध्यक्ष विंसेंट आईंद द्वारा सम्पन्न की गई. ज्ञात हो कि काथलिक कलीसिया में पुरोहित बनने की चाह रखने वाले के उम्मीदवारों को पुरोहित अभिषेक प्रदान करने से पहले उपयाजकीय अभिषेक प्रदान किया जाता है. उपयाजक का कर्तव्य होता है कि वह पुरोहितों एवं विश्वासियों की सेवा करे. इसी अवसर पर महाधर्माध्यक्ष विंसेंट आईंद कापूचिन धर्मसंघ के निवास स्थान विद्या सदन पहुंचे जहां उन्होंने ब्रा० विराज एक्का को उपयाजकीय अभिषेक प्रदान किया. महाधर्माध्यक्ष विंसेंट आईंद ने अपने धर्मोपदेश में कहा कि ₹ उपयाजक को चाहिए कि वह अपने जीवन के अंत तक सेवा का भाव अपना कर कलीसिया की सेवा करता रहे. उपयाजक का जीवन समर्पण और त्याग का जीवन है, जिसमें स्वार्थ का कोई स्थान नहीं होता है. यदि स्वार्थ का विचार मन में हो तो वह स्वयं के प्रति, कलीसिया एवं ईश्वर के प्रति धोखा होगा. मिस्सा बलिदान के अंत में महाधर्माध्यक्ष विंसेंट आईंद ने नए उपयाजक विराज एक्का को शुभकामनाएं एवं बधाइयां दीं. संत अल्बर्ट कॉलेज के सभी प्रोफेसर ने भी उपयाजक को एक अच्छा शिष्य बताया. कापूचिन धर्मसंघ के प्रोविंशियल फादर हरमन मिंज ने सभी उपस्थित पुरोहितों, धर्मबहनो, धर्मबंधुओं एवं शुभ चिंतकों को आभार व्यक्त किया.

विराज एक्का के उपयाजकीय अभिषेक की धर्मविधि के अवसर पर रांची कैथोलिक महाधर्मप्रांत के महाधर्माध्यक्ष विंसेंट आईंद, कापूचिन धर्मसंघ के प्रोविंशियल फादर हरमन मिंज, कापूचिन धर्मसंघ के रिजनल सुपीरियर फादर साइमन मुर्मू, विद्या सदन के निदेशक फादर ग्रेगोरी केरकेट्टा, संत अल्बर्ट कॉलेज रांची के निदेशक फादर अजय कुमार ख़लखो, आरागेट के पल्ली पुरोहित फादर बेसिल रुंडा सहित अन्य पुरोहितगण, धर्मबहनें , शुभचिंतक एवं विद्या सदन में अध्ययनरत छात्र उपस्थित रहे.

नेहा महतो बनीं झारखंड ओलंपिक संघ की वरीय उपाध्यक्ष

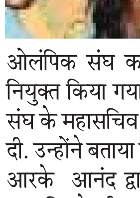

रांची। बिरसा मुंडा तीरंदाजी अकादमी (सिल्ली) की अध्यक्ष और झारखंड तीरंदाजी संघ की वरीय उपाध्यक्ष नेहा महतो को झारखंड ओलंपिक संघ का वरीय उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है. यह जानकारी संघ के महासचिव मधुकांत पाठक ने दी. उन्होंने बताया कि संघ के अध्यक्ष आरके आनंद द्वारा नेहा महतो को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है. वर्ष 2015 में नेहा महतो के नेतृत्व में बिरसा मुंडा तीरंदाजी अकादमी को पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के हाथों राष्ट्रीय बाल कल्याण पुरस्कार से सम्मानित किया गया था. यह पुरस्कार खिलाड़ियों और बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु किए गए कार्यों के लिए प्रदान किया गया था.

ब्रीफ न्यूज

बरवाडीह और छिपादोहर स्टेशनों को मिली सौगात

बरवाडीह । क्षेत्रवासियों के लिए रेलवे से जुड़ी दो बड़ी खुशखबरें सामने आई हैं. सांसद काली चरण सिंह के सतत प्रयासों के बाद रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बरवाडीह और छिपादोहर रेलवे स्टेशनों के लिए अहम घोषणाएं की हैं. अब संतरागाछी-अजमेर एक्सप्रेस (18009/ 18010) का ठहराव बरवाडीह स्टेशन पर और बरकाकाना-पटना पलामू एक्सप्रेस (13347/ 13348) का ठहराव छिपादोहर स्टेशन पर स्वीकृत कर लिया गया है. इससे यात्रियों को लंबी दूरी की यात्रा में बड़ी राहत मिलेगी. इसके साथ ही बरवाडीह-मंगरा स्टेशन के बीच पोल संख्या 262/33-34 के पास अंडरपास निर्माण को लेकर भी रेल मंत्री ने स्थल निरीक्षण व जांच के निर्देश दिए हैं.

ग्रासिम सीएसआर, रेहला का पर्यावरण संरक्षण एवं नर्सरी विकास योजना के तहत पौधा वितरण कार्यक्रम संपन्न

योजना का मुख्य उद्देश्य प्राकृतिक संतुलन बनाए रखना

शुभम संदेश । विश्रामपुर (पलामू)

ग्रासिम इंडस्ट्रीज लिमिटेड, रेहला के सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के तहत पर्यावरण संरक्षण और नर्सरी विकास योजना के अंतर्गत बेलचंपा स्थित प्रशिक्षण केंद्र में भव्य पौधा वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का आयोजन इकाई प्रमुख हितेंद्र केशव अवस्थी के मार्गदर्शन और मानव संसाधन प्रमुख पद्माकर लाल दास के नेतृत्व में किया गया. इस अवसर पर मुख्य अतिथि पद्माकर लाल दास ने कहा कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य प्राकृतिक संतुलन बनाए रखना और जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न संकटों को कम करना है. साथ ही इस योजना का उद्देश्य किसानों की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करना भी है. उन्होंने बताया कि फलदार एवं इमारती पौधों की बागवानी किसानों को पारंपरिक खेती के जोखिमों से मुक्त कर एक वैकल्पिक आमदनी का साधन प्रदान करती है. कार्यक्रम में कुल 240 किसानों के बीच विभिन्न प्रजातियों के पौधे वितरित किए गए. इसके अलावा प्रशिक्षण केंद्र परिसर में "एक पेड़ मां के नाम" अभियान के तहत 200 पौधे लगाए गए, जिससे समाज में पर्यावरण के प्रति जागरूकता का संदेश गया. कार्यक्रम में प्रगतिशील किसानों ने अपने अनुभव साझा किए और बताया कि कैसे बागवानी और नकदी फसलों ने उनकी आय में वृद्धि की है. इन अनुभवों से अन्य किसानों को भी प्रेरणा मिली और उन्होंने इस पद्धति को अपनाने की इच्छा जताई.

इस आयोजन में प्रबंधक जनसंपर्क विकास कुमार, सीएसआर अधिकारी अनिल गिरि, जन सेवा ट्रस्ट के मोहम्मद कैफ, आफताब अंसारी, नागेंद्र प्रसाद यादव, शिवलाल पासवान, भोला सिंह, गोपीनाथ विश्वकर्मा, सत्येंद्र सिंह, वीरेंद्र कुमार सिंह, अनीता देवी, श्रीकांत सिंह, योगेश पाल सहित पंचायत प्रतिनिधि, स्वयं सहायता समूह की महिलाएं, स्कूली बच्चे और क्षेत्र के किसान बड़ी संख्या में उपस्थित थे. कार्यक्रम का संचालन सीएसआर अधिकारी अनिल गिरि ने किया और उन्होंने सबको पर्यावरण संरक्षण के लिए लगातार कार्य करने की प्रेरणा दी.

सूत्तव ऋजु ने पांच गोल्ड जीत ओलंपिक का सपना

लातेहार। महज 14 साल के सूत्तव ऋजु बोराल ने साइकिलिंग में कई अद्भुत कारनामे किए हैं. आठ वर्ष की उम्र में वे अपनी स्पोर्ट्स साइकिल से 18 किलोमीटर की दूरी तय कर पलामू से बेतला पहुंचे थे. अब तक उन्होंने राज्य स्तरीय साइकिलिंग प्रतियोगिताओं में पांच गोल्ड मेडल अपने नाम किए हैं. एक बार गंगोत्री से गंगाजल लेकर दो हजार किलोमीटर साइकिलिंग कर देवघर में बाबा के पैर जलार्पण भी किया. इस कारनामे के लिए उनका नाम 2025 में इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज हो चुका है. गुरुवार को वे रांची से पलामू जाते समय लातेहार में रुके, जहां उनकी मौजूदगी पर लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई. उन्होंने बताया कि रांची से लातेहार आने में लगभग ढाई घंटे लगे और अपने साइकिल के डिजिटल मीटर से भी इसका प्रमाण दिया. उनके साथ उनके माता-पिता भी थे, जो राज्य सरकार में कर्मचारी हैं। सूत्तव राजधारी रांची के एएस टीवीएस जिला स्कूल के नौवीं कक्षा के छात्र हैं और रोजाना खेलगांव में कड़ी मेहनत से अभ्यास करते . उनका बड़ा सपना ओलंपिक में देश के लिए गोल्ड मेडल जीतना है. उनके पिता सौमित्रो बोराल ने बताया कि आठ वर्ष की उम्र में जब सूत्तव बेतला जाने निकला तो उन्होंने उसका हौसला बढ़ाने के लिए साथ चलना चुना था.

स्वर संगीत में लातेहार की विजया को प्रथम पुरस्कार

लातेहार । केंद्रीय विद्यालय संगठन, रांची संभाग द्वारा आयोजित संकुल स्तरीय राष्ट्रीय एकता पर्व 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' एवं कला उत्सव में पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय, लातेहार की छात्रा विजया अराधना ने प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया है. यह कार्यक्रम 29 व 30 अगस्त को पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय, नामकुम (रांची) में आयोजित किया गया था. विजया ने कला उत्सव के तहत स्वर संगीत की एकल प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था, जिसमें तबले पर उनका साथ विद्यालय के संगीत शिक्षक डॉ. उदय मिश्रा ने दिया. विजया की इस उपलब्धि पर विद्यालय परिवार में हर्ष है.

शव के साथ सदर थाना क्षेत्र के दुगिला गांव के गुस्साए ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

मुआवजा और नौकरी की मांग को लेकर सड़क जाम रखी

शुभम संदेश । लातेहार

सदर थाना क्षेत्र के दुगिला गांव के ग्रामीणों ने गुरुवार को मजदूर विनोद उरांव के शव के साथ जोरदार प्रदर्शन किया. विनोद की मौत बुधवार शाम कीनामाड़ इलाके में एक ट्रैक्टर और चेचिस की सीधी टक्कर में हो गई थी. इस हादसे में एक महिला रश्मि कुमारी भी गंभीर रूप से घायल हो गई. दोनों मजदूर नगर पंचायत की ओर से कचरा उठाने का कार्य कर रहे थे और एक प्राइवेट एजेंसी (एमएलबीसीपीएल, रांची) के अधीन कार्यरत थे.

बुधवार की शाम विनोद का शव सदर अस्पताल लाया गया, लेकिन समय पर पोस्टमार्टम नहीं हुआ और घायल महिला को रांची भेजने के लिए एंबुलेंस भी उपलब्ध नहीं कराई गई. इससे आक्रोशित ग्रामीणों ने अस्पताल परिसर में नारेबाजी की. गुरुवार सुबह पोस्टमार्टम के बाद ग्रामीणों ने धर्मपुर मोड़ पर शव के साथ सड़क जाम कर दिया. इसके बाद वे लगभग दो किलोमीटर पैदल चलकर थाना चौक होते हुए नगर पंचायत कार्यालय पहुंचे और घेराव किया.

प्रदर्शनकारी ग्रामीण सदर अस्पताल की अव्यवस्थाओं को दूर करने, समय पर एंबुलेंस उपलब्ध कराने और एजेंसी की जवाबदेही तय करने की मांग कर रहे थे. सूचना मिलने पर सदर थाना प्रभारी सुरेंद्र कुमार महतो मौके पर पहुंचे और समझाने का प्रयास किया, लेकिन ग्रामीणों ने अपनी मांगों पर अड़े रहे.

घटनास्थल पर पहुंचे नगर प्रशासक राजीव रंजन ने तत्काल राहत के रूप में मृतक के अंतिम संस्कार के लिए 50,000 रुपये की सहायता राशि प्रदान की और शेष राशि कागजी प्रक्रिया के बाद देने का आश्वासन दिया. उन्होंने मृतक के एक आश्रित को नौकरी देने की भी बात कही. आश्वासन मिलने के बाद ग्रामीण शांत हुए और प्रदर्शन समाप्त कर दिया. शव को अंतिम संस्कार के लिए एंबुलेंस की व्यवस्था भी की गई.

इस घटना ने प्रशासनिक तैयारियों और संवेदनशीलता पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं. ग्रामीणों की एकजुटता और न्याय की मांग ने प्रशासन को त्वरित कार्रवाई करने के लिए मजबूर किया.

गढ़वा में तस्करों से 500 से अधिक गोवंशीय पशु बरामद, एक गिरफ्तार

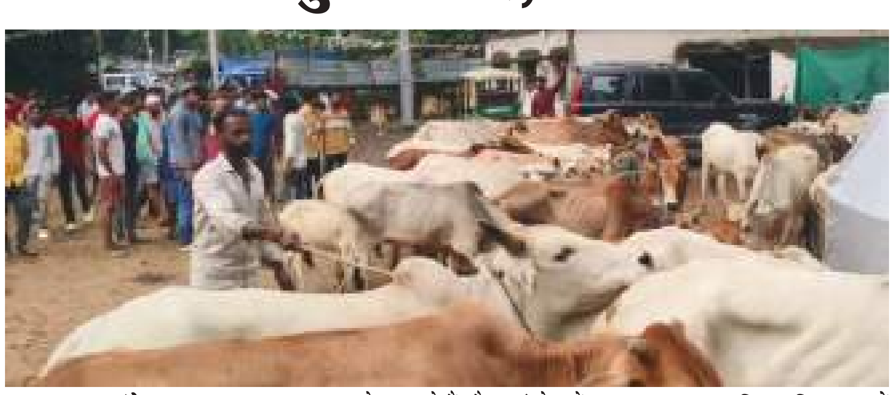

शुभम संदेश । गढ़वा

गढ़वा जिला मुख्यालय के निकट गुरुवार की अलसुबह पुलिस ने तस्करों से करीब 500 से अधिक गोवंशीय पशु बरामद किए हैं. यह बड़ी कार्रवाई विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के कार्यकर्ताओं की सूचना के आधार पर की गई, बरामद सभी पशुओं को फिलहाल गढ़वा थाना परिसर में रखा गया .

जानकारी के अनुसार, विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के कार्यकर्ताओं को पहले से पता था कि पशु तस्कर बड़े कंटेनर गाड़ियों में गोवंशीय पशुओं को उत्तर प्रदेश से गढ़वा लेकर आते हैं और वहां से इन्हें कच्चे रास्ते के माध्यम से जिले के बाहर तस्करी के लिए भेज दिया जाता है. गुरुवार को भी उन्हें कंटेनर में भरकर पशुओं के लाए जाने की सूचना मिली, जिसे उन्होंने पुलिस को तुरंत दिया. पुलिस ने नवादा गांव के रेलवे लाइन के पास कच्चे रास्ते से गोवंशीय पशुओं को बरामद किया. पशुओं को गढ़वा थाना लाने के दौरान विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के कार्यकर्ताओं को एक मोटरसाइकिल पर सवार तीन युवकों से उलझना पड़ा. इस दौरान पुलिस भी मौके पर पहुंच गई. मोटरसाइकिल सवार दो युवक भागने में सफल रहे, जबकि एक युवक पुलिस हिरासत में लिया गया है.

सामाजिक कार्यकर्ता सोनू सिंह ने बताया कि इस कार्रवाई से गोवंशीय पशु तस्करी पर बड़ा नकेल कसा गया है, लेकिन तस्करों के खिलाफ और भी कदम उठाने की जरूरत है. गढ़वा थाना में मौजूद पुलिस अधिकारी से जानकारी लेने का प्रयास किया गया, लेकिन उन्होंने फिलहाल कोई जानकारी साझा करने से इनकार किया है. पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में गोवंशीय पशु तस्करी रोकने की उम्मीद बढ़ी है, और साथ ही साथ स्थानीय सुरक्षा व्यवस्था को भी मजबूती मिलने की संभावना है.

211 अखड़ा में पारंपरिक रीति-रिवाज से करम डाली की पूजा

मेदिनीनगर । भादो शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को अद्दि कुड़ख सरना समाज पलामू के तत्वावधान में जिले के 211 अखड़ा में पारंपरिक श्रद्धा और भव्यता के साथ करम डाली (करम देव) की स्थापना कर पूजा-अर्चना की गई. इस आयोजन में पलामू जिला के खुरा खुर्द, सेमरा, चैनपुर समेत विभिन्न प्रखंडों और गांवों से हजारों श्रद्धालु शामिल हुए. पूजा का आयोजन आदिवासी रीति-रिवाज और परंपरा के अनुसार किया गया. गांव-गांव से बालक-बालिकाएं पारंपरिक गीत-संगीत और आदिवासी वाद्ययंत्रों जैसे मांदर, नागड़ा की थाप पर नाचते-गाते हुए करम डाली को अखड़ा तक लेकर आए. करम डाली को लाने का यह दृश्य न केवल सांस्कृतिक समृद्धि को दर्शाता है बल्कि भाई-बहन के अटूट प्रेम और प्रकृति के प्रति श्रद्धा को भी उजागर करता है. पूजा की शुरुआत पाहन (आदिवासी पुजारी) के नेतृत्व में की गई. उन्होंने अन्ना प्रार्थना करते हुए करम देव की पूजा करवाई. माता-पिता, भाई-बहन सहित सभी श्रद्धालु करम देव की आराधना में लीन रहे. पूजा के बाद श्रद्धालुओं ने पूरी रात करम गीतों और नृत्य के माध्यम से करम देव की सेवा की और आशीर्वाद की कामना की.

ग्रामीणों ने ढोल-मांदर की थाप पर किया उत्सव का स्वागत

शुभम संदेश । सतबरवा

बुधवार की रात सतबरवा प्रखंड क्षेत्र में करमा पर्व पारंपरिक उल्लास, आस्था और सांस्कृतिक जोश के साथ मनाया गया. गांव-गांव में पूजा स्थलों पर महिलाएं और युवतियां पारंपरिक वेशभूषा में सजधज कर एकत्रित हुईं और करम देवता की विधिपूर्वक पूजा-अर्चना की. भाई की लंबी उम्र और परिवार की समृद्धि की कामना को लेकर बहनों ने व्रत रखा. पूजा उपरांत करम डाल को घर-घर ले जाया गया. इस दौरान महिलाओं ने पारंपरिक गीत गाए और ढोल-मांदर की थाप पर देर रात तक नृत्य और गीतों का कार्यक्रम चलता रहा. पूरा वातावरण सांस्कृतिक रंग में सराबोर दिखा. सतबरवा के कुलिया, अधमनिया, काडादोहर और चपराना गांवों में शोभा यात्राएं निकाली गईं. वक्ताओं ने करमा को झारखंड की सांस्कृतिक विरासत बताते हुए कहा कि यह पर्व केवल रस, राग और ताल का नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण का भी संदेश देता है. यह पर्व जल, जंगल और जमीन से जुड़ी लोक संस्कृति को बचाने की प्रेरणा देता है. त्योहार को लेकर स्थानीय बाजारों में दिनभर रौनक रही. पूजा सामग्री, फल और मिठाइयों की दुकानों पर भीड़ उमड़ पड़ी. जगह-जगह ग्रामीणों ने सामूहिक करमा नृत्य कर माहौल को और भी जीवंत बना दिया. इस मौके पर सामाजिक कार्यकर्ता आशिष कुमार सिन्हा, मुखिया रिंकी यादव, महेश यादव, पूर्व विधायक प्रतिनिधि राजेंद्र सिंहन, डब्लू उरांव, सिढु उरांव, दामोदर उरांव सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे. सभी ने कहा कि यह पर्व भाई-बहन के अटूट रिश्ते और सामाजिक एकता का प्रतीक है, जिसमें हर वर्ग और हर उम्र के लोगों की सहभागिता देखने को मिली.

संगठन सृजन अभियान — एआईसीसी पर्यवेक्षक डॉ. अमी याज्ञिक का पलामू आगमन, कहा —

कांग्रेस पार्टी में युवाओं को सक्रिय भूमिका देने पर जोर

शुभम संदेश । मेदिनीनगर

युवा कांग्रेस ने किया भव्य स्वागत

संगठन सृजन अभियान के तहत अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा नियुक्त पलामू जिला पर्यवेक्षक और पूर्व राज्यसभा सांसद डॉ. अमी याज्ञिक सोमवार को पलामू पहुंचीं. उनके स्वागत के लिए युवा कांग्रेस नेता प्रशांत किशोर के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने दुबियाखांड़ में भव्य स्वागत समारोह आयोजित किया. इस दौरान प्रमुख नेताओं और कार्यकर्ताओं ने राजा मेदिनी राय की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कांग्रेस पार्टी के प्रति श्रद्धा जताई. डॉ. अमी याज्ञिक ने कहा कि कांग्रेस संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने और कार्यकर्ताओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए संगठनात्मक चुनाव आवश्यक हैं. उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से जनता की समस्याओं को प्राथमिकता देने और कांग्रेस की विचारधारा को गांव-गांव तक पहुंचाने का आह्वान किया. डॉ. याज्ञिक ने बताया कि कांग्रेस युवाओं को पार्टी में सक्रिय भूमिका देने पर जोर दे रही है, जिससे पार्टी और मजबूत होगी. उन्होंने पलामू के युवाओं के उत्साह की प्रशंसा की और कहा कि युवा कांग्रेस पार्टी के विकास में अहम भूमिका निभा रहे हैं. युवा नेता प्रशांत किशोर ने कहा कि पार्टी को मजबूत बनाने के लिए युवाओं को आगे लाना जरूरी है. यदि उन्हें जिला अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी दी जाती है, तो वे पूरी लगन से पार्टी को मजबूती प्रदान करेंगे. इस अवसर पर अरुण सिंह, राजेंद्र पांडेय, दया सिंह, अशोक सोनी, मनोज कुमार, रंजीत सिंह, रवींद्र सिंह सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे.

लायंस क्लब मेदिनीनगर का हेल्थ जांच कैंप 7 को

मेदिनीनगर । पलामू जिला प्रशासन और लायंस क्लब ऑफ मेदिनीनगर के संयुक्त तत्वावधान में 7 सितंबर (रविवार) को टाउन हॉल परिसर में सुबह 11 बजे से मेगा हेल्थ चेकअप कैंप आयोजित किया जाएगा. यह शिविर विशेष रूप से नगर निगम एवं सफाई कर्मियों और उनके परिवार के लिए है, जो सेवा में व्यस्त रहते हैं और स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दे पाते. डाल्टेनगंज व अन्य शहरों से आए विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम शिविर में हड्डी, न्यूरो, हृदय, शिशु, स्त्री, त्वचा, दंत, फिजियोथेरेपी आदि क्षेत्रों में सेवा देगी. ब्लड शुगर, बीपी जांच और परामर्श की सुविधाएं भी उपलब्ध रहेंगी. मुख्य अतिथि डीडीसी मोहम्मद जावेद हुसैन होंगे. क्लब अध्यक्ष गुरबीर सिंह ने बताया कि सभी तैयारियां पूरी हैं और जरूरतमंदों को निशुल्क परामर्श व इलाज उपलब्ध कराया जाएगा.

एक नजर

दसलक्षण पर्व पर उत्तम त्याग धर्म का महत्व बताया

मेदिनीनगर। दसलक्षण पर्व के अवसर पर अन्नू भैया ने जैन धर्म के दस उत्तम धर्मों में से एक उत्तम त्याग धर्म का विशेष महत्व बताया. उन्होंने कहा कि यह त्याग केवल भौतिक वस्तुओं का नहीं, बल्कि मन, वचन और कर्म में बसी सभी प्रकार की आसक्ति, मोह और क्रोध का परित्याग है. उत्तम त्याग से व्यक्ति को मानसिक शांति, संतोष और आंतरिक स्वतंत्रता मिलती है, जो मोक्ष की ओर अग्रसर करती है.पर्व के दौरान सौधर्म इंद्र सुभाष कुमार रारा एवं श्रावक श्रेष्ठी धर्म चंद जी ने प्रथम कलश और शांतिधारा किया. सभी ने चार प्रकार के दान—आहार, औषधि, अभय और ज्ञान दान का संकल्प लिया. अध्यक्ष सरस जैन ने बताया कि जैन समाज द्वारा निशुल्क होम्योपैथी एवं आयुर्वेदिक इलाज की सुविधा भी दी जा रही है. पूजन में कई श्रद्धालु उपस्थित थे.

बराही में बिजली आपूर्ति ठप, ग्रामीण परेशान

महुआडांड़ (लातेहार)। बराही गांव में पिछले एक साल से बिजली आपूर्ति बंद है. गांव में लगे दोनों ट्रांसफार्मर खराब होने के कारण बिजली सप्लाई बाधित है. ग्रामीणों ने स्थानीय विधायक और बिजली विभाग को लिखित आवेदन देकर नए ट्रांसफार्मर लगाने और तारों की मरम्मत की मांग की है. प्रिया देवी, बंसती देवी, कजर मुण्डा समेत कई ग्रामीणों ने बताया कि बिजली न होने से बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है और कृषि कार्य भी बाधित हो गया है. साथ ही रात में सांप और जहरीले जीवों का खतरा बना रहता है. ग्रामीणों ने महुआडांड़ बिजली सब स्टेशन में आवेदन देकर जल्द समाधान की अपील की है. अगर समय रहते समस्या का निवारण नहीं हुआ, तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे.

सर्पदंश से बच्ची की हो गयी मौत, शोक की लहर

महुआडांड़ (लातेहार) । दुरूप पंचायत के हरतुवा ग्राम में आठ वर्षीय श्रुति कुमारी की सर्पदंश से दुखद मौत हो गई. बुधवार को करमा पर्व के कारण घर में अकेली थी, जब वह मवेशी खोलने गई तो सांप ने उसे डस लिया. शाम को परिजन लौटे तो बच्ची की हालत खराब थी. झाड़-फूंक कराने के बाद गुरूवार सुबह इलाज के लिए स्वास्थ्य केंद्र ले जाते समय रास्ते में उसकी मौत हो गई. डॉक्टर ने उसे मृत घोषित किया. पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए लातेहार भेजा. महुआडांड़ सीओ संतोष बैठा ने बताया कि सर्पदंश से मौत पर मुआवजा मिलता है. पोस्टमार्टम और अन्य कागजात जमा होने के बाद आपदा प्रबंधन विभाग पीड़ित परिवार को चार लाख रुपये मुआवजा देगा. परिवार सदमे में है और परिजन रो-रोकर बुरी तरह टूट गए हैं.

बालूमाथ में करमा पर्व धूमधाम से मनाया गया

बालूमाथ (लातेहार)। आदिवासी संस्कृति का महत्वपूर्ण प्राकृतिक पर्व करमा पूजा बड़े उत्साह और धूमधाम से मनाया गया. यह पर्व भाई-बहन के प्रेम और स्नेह को बढ़ावा देने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक एकता का संदेश देता है. करमा और धरमा इस त्योहार के मुख्य देवता हैं, जिनकी पूजा श्रद्धा से की जाती है. बहनें इस दिन व्रत रखकर अपने भाइयों की लंबी उम्र और खुशहाली की कामना करती हैं. रंग-बिरंगे वस्त्र पहनकर महिलाएं करमैती करम के पत्ते पर खीरा रखकर पूजा करती हैं, जो पुत्र का प्रतीक माना जाता है. खीरे को करम देव की शाखा में सजाकर स्वस्थ पुत्र की कामना की जाती है. करमा झारखंड का दूसरा सबसे बड़ा प्रकृति पर्व है, जिसे आदिवासी एवं सदान मिलकर सदियों से मनाते आ रहे हैं. यह पर्व सदाचार, भाईचारे और सांस्कृतिक विरासत की पहचान है. वृहस्पतिवार को करम डाली का विसर्जन भी किया गया.

कई शैक्षणिक संस्थानों ने शिक्षक दिवस मनाया

बरवाडीह (लातेहार)। ईद मिलादुन्नबी के अवकाश के कारण गुरुवार को कई शैक्षणिक संस्थानों में शिक्षक दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया. शांति निकेतन पब्लिक स्कूल में विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए और शिक्षकों के लिए म्यूजिकल चेयर रेस, मटका फोड़ जैसे मनोरंजक कार्यक्रम भी आयोजित किए. बच्चों ने स्कूल निदेशक डॉ. पवन कुमार और प्रिंसिपल शांतनु डे के साथ मिलकर केक काटा और शिक्षकों को उपहार देकर सम्मानित किया. डॉ. पवन ने कहा कि शिक्षक समाज के सबसे बड़े सेवक हैं, जो छात्रों के भविष्य के लिए समर्पित रहते हैं. उन्होंने मोबाइल फोन के अत्यधिक उपयोग को बच्चों की पढ़ाई में बड़ी समस्या बताया और अभिभावकों व शिक्षकों से समय रहते इसे नियंत्रित करने का आह्वान किया.

जर्जर सड़क की पूजा समिति ने की मरम्मत की मांग

बरवाडीह (लातेहार) । धनबाद डिविजन में विशिष्ट पहचान रखने वाले बरवाडीह रेलवे क्लब की मुख्य सड़क हालिया भारी बारिश के चलते पूरी तरह जर्जर हो चुकी है. इस खराब सड़क के कारण स्थानीय लोगों और आने-जाने वालों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है. गौरतलब है कि बरवाडीह रेलवे क्लब में धनबाद डिविजन की सबसे भव्य दुर्गा पूजा आयोजित होती है, जहां सप्तमी से दशमी तक हजारों की संख्या में लोग पहुंचते हैं. लेकिन क्लब तक पहुंचने वाली सड़क की बदहाल स्थिति रेल प्रशासन की लापरवाही को दर्शाती है. दुर्गा पूजा समिति के सदस्यों ने चेतावनी दी है कि यदि समय रहते मरम्मत नहीं की गई, तो पूजा के दौरान भीड़ में लोगों को चलना-फिरना मुश्किल हो जाएगा. उन्होंने रेलवे के उच्चाधिकारियों से अविलंब सड़क मरम्मती की मांग की है ताकि पर्व के आयोजन में कोई बाधा न आए.

मुहिम में कांग्रेस सेवादल यंग ब्रिगेड का समर्थन

उंटारी रोड (पलामू) । कांग्रेस सेवादल यंग ब्रिगेड, पलामू के जिलाध्यक्ष अरविंद कुमार ने प्रेस बयान जारी कर कहा कि देश और राज्य की प्रगति भ्रष्टाचार मुक्त शासन-प्रशासन पर ही निर्भर है. उन्होंने सरकार द्वारा पारदर्शिता बढ़ाने और भ्रष्टाचार के खिलाफ उठाए जा रहे कदमों का स्वागत किया. अरविंद कुमार ने कहा कि घूसखोरी, भाई-भतीजावाद और तिकड़मी अफसरशाही लोकतंत्र की नींव को कमजोर करती है. जब तक इन पर कठोर कार्रवाई नहीं होती, जनता को उसका हक नहीं मिल सकता. उन्होंने सरकार से भ्रष्ट अधिकारियों व दलालों पर कड़ी कार्रवाई और ईमानदार कर्मियों को प्रोत्साहन देने की मांग की. साथ ही जनता से अपील की कि वे भी साहस के साथ भ्रष्टाचार की शिकायत करें और व्यवस्था सुधार में भागीदार बनें. उन्होंने कहा कि कांग्रेस सेवादल यंग ब्रिगेड सदैव जनता की आवाज़ रही है और भ्रष्टाचार के खिलाफ हर सकारात्मक पहल का समर्थन करती रहेगी.

मनोज लकड़ा के सम्मान में विदाई समारोह का आयोजन

लातेहार। जिला अभियोजन कार्यालय में पदस्थापित अपर लोक अभियोजक मनोज कुमार लकड़ा का खूंटी स्थानांतरण के बाद विदाई समारोह आयोजित किया गया. समारोह में लकड़ा ने नव नियुक्त अपर लोक अभियोजक शिव शंकर राम को पदभार सौंपा. लोक अभियोजक ओम कुमार ने श्री लकड़ा के सौम्य स्वभाव और ईमानदारी से कार्य करने की प्रशंसा की. सहायक लोक अभियोजक आरएन चौरसिया ने बताया कि स्थानांतरण सरकारी प्रक्रिया का हिस्सा है, लेकिन श्री लकड़ा ने अपने अल्पकालीन कार्यकाल में अपनी एक अलग पहचान बनाई . जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष लाल अरविंद नाथ शाहदेव ने भी उनके मित्रवत व्यवहार और जिम्मेदारीपूर्ण कार्यशैली की सराहना की. वरिष्ठ अधिवक्ता सुनील कुमार ने कहा कि लकड़ा ने सदैव न्याय दिलाने का प्रयास किया और अधिवक्ताओं से मधुर संबंध बनाए रखे. नव नियुक्त अपर लोक अभियोजक शिवशंकर राम ने कार्यों की निष्ठा पर जोर देते हुए सहयोग की बात कही. समारोह में लोक अभियोजक कुमार सहित अन्य अधिकारियों ने लकड़ा को उपहार और शॉल भेंट कर सम्मानित किया और नवागत शंकर राम का स्वागत किया. मौके पर एएसआई अरविंद कुमार एवं कार्यालय कर्मी शंकर उरांव भी उपस्थित थे.

ब्रीफ न्यूज

सरकारी शराब दुकान के स्टाफ पर जानलेवा हमला, लाखों की लूट

चौपारण। चौपारण थाना क्षेत्र के डोमाडाडी सरकारी शराब दुकान के स्टाफ मनीष कुमार सिंह पर 3 सितंबर की देर रात जानलेवा हमला हुआ. दुकान बंद कर बाहर निकलते समय नावाडीह गांव के लड्डू यादव, राजा यादव, सोनू यादव और सुरज कुमार ठाकुर समेत 4-5 आरोपियों ने लाठी-डंडे से हमला कर मनीष को गंभीर रूप से घायल कर दिया. आरोपियों ने मनीष की सोने की चेन (लगभग एक लाख रुपये मूल्य) और दुकान की बिक्री की नगदी 4.25 लाख रुपये लूट ली. साथ ही उनका वाहन भी क्षतिग्रस्त किया. घायल मनीष को स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया. पीड़ित ने बताया कि सुरज कुमार ठाकुर शराब दुकान के सामने होटल चलाता है और अवैध शराब बिक्री करता है. आरोपियों ने जान से मारने की धमकी भी दी है.

सड़क हादसे में महिला व युवक की मौत, तीन घायल

केरेडारी। हजारीबाग टंडवा मुख्य सड़क केरेडारी स्थित राम जानकी मंदिर के पास 3 सितंबर की रात सड़क दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन गंभीर रूप से घायल हो गए. मृतक महिला कटकमसांडी के कंचनपुर निवासी आरती देवी (32) और युवक केरेडारी के खपिया निवासी दीपक कुमार (24) हैं. घटना के दौरान आरती देवी अपनी दादी के दशकर्मा पूजा से लौट रही थीं, तभी कोदवे की ओर जा रही बाइक में सवार चार युवकों की बाइक से टकरा गई. हादसे में आरती देवी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दीपक कुमार का इलाज के दौरान रास्ते में निधन हो गया. घायलों का इलाज आरोग्यम अस्पताल में चल रहा है. दोनों पक्षों ने केरेडारी थाने में आवेदन दिया है और सड़क जाम कर गिरफ्तारी की मांग की. थाना प्रभारी विवेक कुमार ने मामले की जांच की बात कही है.

ट्रक की चपेट में आया युवक गंभीर रूप से घायल हुआ

चौपारण। लक्ष्मी मंदिर के पास रविवार को बाइक सवार युवक जगन्नाथ रविदास का पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गया. बाइक का पहिया वॉशिंग सेंटर से निकलने वाले गंदे पानी और सड़क पर पड़े तार में फंसने से अनियंत्रित होकर ट्रक की चपेट में आ गया. स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि यहां दो वॉशिंग सेंटर लगातार सड़क पर गंदा पानी बहाते हैं, जिससे रास्ता दलदल बन जाता है और हादसे होते रहते हैं. बावजूद आपत्तियों के, संचालक अपनी लापरवाही नहीं छोड़ रहे हैं. घायल युवक को ग्रामीणों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चौपारण पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर स्थिति में हजारीबाग रेफर कर दिया गया.

कोडरमा में मैगजीन गार्ड की हत्या, पुलिस जांच में जुटी

कोडरमा। नवलशाही थाना क्षेत्र के पुरनाडीह पंचायत में स्थित मैगजीन हाउस के गार्ड कैला दास (65) की बीती रात हत्या का मामला सामने आया है. करमा पर्व मनाने के बाद कैला दास ड्यूटी पर गए थे, लेकिन देर से गेट खोलने पर विस्फोटक वाहन चालक श्याम कुमार से विवाद हुआ. श्याम ने कैला दास को फोन किया, लेकिन जब जवाब नहीं मिला, तो गुस्से में आकर घटना को अंजाम दिया गया, ऐसा मृतक के परिवार वालों ने संदेह जताया है. गुरुवार सुबह जब परिवार वाले मैगजीन पहुंचे तो कैला दास की हत्या हो चुकी थी. परिजन व ग्रामीण आक्रोशित होकर वहां खड़े विस्फोटक वाहन को क्षतिग्रस्त कर दिया.

चुंदरूधाम बनेगा धार्मिक आस्था और पर्यटन का संगम: सांसद कालीचरण सिंह

सूर्य मंदिर निर्माण से क्षेत्रीय विकास और रोजगार को मिलेगी नई दिशा

विनोद यादव। चतरा

चतरा जिले के टंडवा प्रखंड स्थित चुंदरूधाम परिसर में प्रस्तावित भव्य सूर्य मंदिर का भूमि पूजन समारोह गुरुवार को संपन्न हुआ. इस शुभ अवसर पर चतरा लोकसभा सांसद कालीचरण सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए. उन्होंने सर्वप्रथम भगवान श्री गणेश की विधिवत पूजा-अर्चना कर राज्यवासियों की सुख, शांति, समृद्धि और झारखंड की प्रगति की कामना की.

सांसद कालीचरण सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि चुंदरूधाम आने वाले समय में धार्मिक आस्था का मजबूत केंद्र बनने के साथ-साथ पर्यटन के मानचित्र पर भी विशिष्ट पहचान बनाएगा. उन्होंने कहा कि हमारी सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत समाज को जोड़ने और सकारात्मक ऊर्जा देने का कार्य करती है. ऐसे स्थलों का विकास सामाजिक एकता और क्षेत्रीय उन्नति के लिए आवश्यक है.

उन्होंने आशा जताई कि सूर्य मंदिर के निर्माण के बाद यह क्षेत्र धार्मिक पर्यटन का प्रमुख गंतव्य बनेगा, जिससे न सिर्फ क्षेत्र का नाम रोशन होगा, बल्कि स्थानीय लोगों को रोजगार के नए अवसर भी प्राप्त होंगे. उन्होंने युवाओं और ग्रामीणों से इस विकास कार्य में सहयोग की अपील की.

कार्यक्रम में सिमरिया विधायक उज्ज्वल दास, हजारीबाग सदर विधायक प्रदीप प्रसाद, बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी, पूर्व विधायक किशुन कुमार दास, सांसद प्रतिनिधि विनय सिंह, प्रेम विकास, सुनील चौरसिया, अरुण सिंह सहित पंचायत प्रतिनिधि और दर्जनों सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित थे. सभी ने चुंदरूधाम को धार्मिक और पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करने की पहल का स्वागत किया.

यह भूमि पूजन समारोह स्थानीय निवासियों के लिए भी एक गौरव का विषय बना रहा, जहां हजारों लोगों ने मंदिर निर्माण की इस ऐतिहासिक पहल में सहभागिता दिखाई.

चुनाव के दौरान जिला बदर अपराधी मचा रहे तांडव, अनिल यादव फरार

शुभम संदेश। रामगढ़

जेल से बाहर निकलने के बाद से कुख्यात अपराधी पुलिस के लिए सिरदर्द बने हुए हैं. खासकर वे अपराधी जो चुनाव के दौरान जिला बदर किए गए थे, वे अब फिर से सक्रिय होकर इलाके में तांडव मचा रहे हैं. रामगढ़ शहर के बंगाली टोला निवासी अनिल यादव भी ऐसे ही अपराधियों में से एक है, जिसने हाल के दिनों में हथियार के बल पर दो गंभीर घटनाओं को अंजाम देकर शहर की शांति भंग करने की कोशिश की. हालांकि पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है, लेकिन वह अभी फरार है.

हथियार लेकर रात के अंधेरे में दहशत फैलाना : 31 अगस्त की रात अनिल यादव हथियार लेकर हिंदू संगठन के कुछ नेताओं के साथ घूमते हुए सीसीटीवी कैमरे में कैद हुआ. उस समय उसके हाथ में पिस्तौल थी और उसने धमकी भरे अंदाज में हथियार लहराते हुए लोगों में दहशत फैलाई. उसने विश्व हिंदू परिषद के एक नेता के सिर पर भी पिस्तौल तानी, जिससे बड़ी वारदात की आशंका जताई गई. हालांकि, बीच में उसके साथियों ने मामला बिगड़ने से रोका. इस घटना के बाद पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की है. अनिल यादव की यह हरकतें इलाके में खलबली मचा रही हैं और लोग उसकी सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंतित हैं.

युवकों-युवतियों पर भी किया हमला: हिंदू नेताओं के साथ हुई मारपीट के दो दिन बाद ही अनिल यादव ने 3 सितंबर की तड़के सुबह हाईवे पर स्थित कल्याणी ढाबा में जबरदस्ती शराब ली. शराब न मिलने पर उसने वहां मौजूद युवक-युवतियों को हथियार तानकर धमकाया. इतना ही नहीं, उसने एक कार पर गोली भी चलाई, जिसमें युवक और युवतियां सवार थे। पुलिस ने कार के दरवाजे में लगी गोली बरामद की है, जो इस अपराध की गंभीरता को दर्शाती है. इस घटना से इलाके में भय का माहौल बन गया है.

पुलिस की सख्त कार्रवाई और खोजबीन जारी : थाना प्रभारी नवीन प्रकाश पांडे ने बताया कि पुलिस अनिल यादव की गिरफ्तारी के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है. उसके सभी संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है और गुप्त स्थानों पर भी पुलिस द्वारा रेकी की जा रही है. उन्होंने आश्वासन दिया कि रामगढ़ की शांति व्यवस्था को कोई खतरा नहीं पहुंचाएगा और अपराधियों को कड़ी सजा दी जाएगी. पुलिस ने इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी है ताकि कोई अप्रिय घटना न हो.

आमजन में बढ़ता भय और सुरक्षा की मांग : अनिल यादव की अपराधी हरकतों से स्थानीय लोग भयभीत हैं. कई लोग प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग कर रहे हैं ताकि क्षेत्र में पुनः शांति स्थापित हो सके. वे चाहते हैं कि पुलिस जल्द से जल्द अपराधियों को पकड़कर कानून के शिकंजे में लाए ताकि जनता का विश्वास पुनः बहाल हो सके.

कोलकोले पंचायत में करमा पूजा पर भव्य जतरा मेला आयोजित

चतरा। लावालौंग प्रखंड स्थित कोलकोले पंचायत में कर्म एकादशी के अवसर पर भव्य जतरा मेला आयोजित किया गया. मेले का शुभारंभ पंचायत मुखिया एवं मुखिया संघ अध्यक्ष राजेश कुमार साव और थाना प्रभारी प्रशांत मिश्रा ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया. मेले में ग्रामीणों की भारी भीड़ उमड़ी, जहाँ महिलाएँ पारंपरिक वेशभूषा में सज-धज कर कर्म देवी की पूजा-अर्चना में भाग लीं और भाई-बहनों की लंबी उम्र व सुख-समृद्धि की कामना की. युवाओं व बच्चों में भी उत्साह देखने को मिला. मेले में मिठाई, खिलौने और स्थानीय दुकानों ने रौनक बढ़ाई. सुरक्षा के लिए पुलिस बल की तैनाती की गई थी. मुखिया राजेश कुमार साव ने कहा कि कर्म पूजा आदिवासी समाज की आस्था और भाई-बहन के प्रेम का प्रतीक है. उन्होंने लोगों से इस परंपरा को निभाने और सामाजिक एकता बनाए रखने का आह्वान किया. इस अवसर पर पंचायत प्रतिनिधि, समाजसेवी और स्थानीय लोग बड़ी संख्या में शामिल हुए.

एसपी ने सब इंस्पेक्टर को हटाने की अनुशंसा की, डीजीपी को रिपोर्ट भेजी

शुभम संदेश। हजारीबाग

पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन ने सब इंस्पेक्टर संदीप कुमार मंडल को जिला से हटाने की अनुशंसा डीजीपी को भेजी है. संदीप कुमार फरवरी 2024 से फरवरी 2025 तक लोहसिंघना थाना प्रभारी थे. उनके कार्यकाल के दौरान दो गंभीर अपराध मामले सामने आए, जिनमें उन्होंने लापरवाही बरती.

पहले मामले में, दिसंबर 2024 को उदय साव की हत्या हुई थी. आरोपी गिरफ्तार किए गए थे, लेकिन संदीप कुमार ने निर्धारित समय में आरोप पत्र न्यायालय में प्रस्तुत नहीं किया. इस वजह से आरोपी को जमानत मिल गई. इस मामले में उनकी लापरवाही के कारण उन्हें निलंबित किया गया और विभागीय कार्रवाई शुरू हुई.

दूसरे मामले में, जानलेवा हमले के एक केस में आरोपी अशोक कुमार को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था. इस केस के अनुसंधानकर्ता भी संदीप कुमार थे, लेकिन उन्होंने फिर से आरोप पत्र न्यायालय में समर्पित नहीं किया. संदीप कुमार से स्पष्टीकरण मांगा गया, लेकिन उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया. इसके बाद उन्हें पुनः निलंबित किया गया.

दोनों मामलों से स्पष्ट हुआ कि संदीप कुमार ने अपने कर्तव्यों के प्रति गंभीर लापरवाही की और वरिष्ठ अधिकारियों के आदेशों का उल्लंघन किया. इस कारण प्रशासन ने उन्हें हजारीबाग जिला पुलिस बल से हटाने की अनुशंसा की है. इस अनुशंसा के आधार पर डीजीपी आगे की कार्रवाई करेंगे.

हजारीबाग प्रेस क्लब के नए भवन का उद्घाटन आज

सांसद मनीष जायसवाल करेंगे शुभारंभ, आयोजन की तैयारियां पूरी

शुभम संदेश । हजारीबाग

हजारीबाग शहर के पुराने समाहरणालय परिसर में निर्मित हजारीबाग प्रेस क्लब के नए भवन का उद्घाटन आज (5 सितंबर, शुक्रवार) दिन के 12:30 बजे किया जाएगा. उद्घाटन कार्यक्रम को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं. भवन का उद्घाटन हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल के कर-कमलों से संपन्न होगा.

इस अवसर पर हजारीबाग प्रेस क्लब के अध्यक्ष मुरारी सिंह और सचिव विस्मय अलंकार ने संयुक्त रूप से जानकारी दी कि कार्यक्रम में सांसद के अलावा विधायक मनीष जायसवाल, उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह, पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन, जिला परिषद अध्यक्ष सहित अन्य जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक पदाधिकारियों, सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों एवं शहर के गणमान्य नागरिकों व समाजसेवियों को आमंत्रित किया गया है.

इस ऐतिहासिक अवसर पर हजारीबाग जिले के विभिन्न प्रखंडों से दर्जनों पत्रकारों के शामिल होने की संभावना है. प्रेस क्लब भवन के उद्घाटन को लेकर पत्रकारों में उत्साह का माहौल है, क्योंकि यह भवन पत्रकारों के लिए एक साझा मंच और संवाद का केंद्र बनेगा.

संभावित अतिथियों की उपस्थिति और प्रेस क्लब भवन के भव्य रूप को देखते हुए आयोजन को लेकर तैयारियों में कोई कसर नहीं छोड़ी गई है. कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए प्रेस क्लब की ओर से विशेष प्रबंध किए गए हैं.

नीलांबर-पीतांबर भोगता की प्रतिमा क्षतिग्रस्त, मुन्ना सिंह ने जताई कड़ी आपत्ति

शुभम संदेश। हजारीबाग

निलांबर–पीतांबर भोगता की प्रतिमा में लगे धनुष को आंशिक तोड़े जाने पर पूर्व सदर विधानसभा प्रत्याशी मुन्ना सिंह ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की. उन्होंने इसे इतिहास और क्रांतिकारियों की विरासत पर हमला बताया. घटना की सूचना पाकर मुन्ना सिंह तुरंत मौके पर पहुंचे और जिला प्रशासन व पुलिस से दोषियों की पहचान कर सख्त कार्रवाई की मांग की. मुन्ना सिंह ने कहा कि कांग्रेस पार्टी शहीदों और क्रांतिकारियों की विरासत की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है. उन्होंने प्रशासन से प्रतिमा का शीघ्र पुनर्निर्माण कराने और जनता से असामाजिक तत्वों के खिलाफ एकजुट होने की अपील की.

पकरी-बरवाडीह कोयला परियोजना को राष्ट्रीय '5-स्टार रेटेड ओपनकास्ट खान पुरस्कार' से सम्मानित किया गया

हजारीबाग। एनटीपीसी माइनिंग लिमिटेड की पकरी-बरवाडीह कोयला खनन परियोजना को राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित समारोह में 'प्रतिष्ठित 5-स्टार रेटेड ओपनकास्ट कोयला खान पुरस्कार' से नवाजा गया. यह पुरस्कार कोयला एवं खनन मंत्री तथा राज्य मंत्री, कोयला एवं खनन मंत्रालय द्वारा मुंबई में प्रदान किया गया. पकरी-बरवाडीह परियोजना देश के सभी ओपनकास्ट कोयला खानों में प्रथम स्थान पर रही.

इस अवसर पर एनटीपीसी लिमिटेड के निदेशक (ईंधन) शिवम श्रीवास्तव ने पुरस्कार ग्रहण किया. परियोजना प्रमुख सुब्रत कुमार दाश एवं खान एजेंट चंद्रशेखर भी समारोह में मौजूद थे. यह सम्मान परियोजना के उत्कृष्ट प्रदर्शन, सतत खनन प्रथाओं और पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है.

परियोजना प्रमुख सुब्रत कुमार दाश ने इस उपलब्धि पर कहा कि यह पुरस्कार पूरी टीम के अथक परिश्रम और समर्पण का परिणाम है. उन्होंने बताया कि नवाचार, संचालन की उत्कृष्टता और सतत विकास के प्रति फोकस के कारण पकरी-बरवाडीह परियोजना ने भारत में विश्वस्तरीय खनन की मिसाल कायम की है. यह सम्मान आगे भी बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरणा देगा.

एक नजर

गुरु हरिंद्रानंद जी की तृतीय पुण्य स्मृति पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम, 1000 से अधिक श्रद्धालुओं ने की सहभागिता

कोडरमा। कोडरमा स्थित गीतांजलि वेंकट हॉल में शिव शिष्यता के जनक व आध्यात्मिक गुरु हरिंद्रानंद जी की तृतीय पुण्य स्मृति श्रद्धा और भक्ति भाव से मनाई गई. कार्यक्रम की शुरुआत जागरण भजन से हुई, जिसका संचालन शिव शिष्य दिनेश कुमार ने किया. दिनेश कुमार ने बताया कि साहब श्री इस युग के पहले शिव शिष्य थे, जिन्होंने गुरु शिव से जुड़ने के लिए तीन सूत्र दिए - दया माँगना, शिव की गुरु स्वरूप चर्चा और नमः शिवाय से प्रणाम. कार्यक्रम में सुरेश कुमार और रामानुज गुरु भाई सहित कई वक्ताओं ने गुरु कार्य को आगे बढ़ाने की बात कही. जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए 1000 से अधिक गुरु भाइयों और बहनों ने श्रद्धांजलि अर्पित की और साहब श्री के दिखाए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया.

हंटरगंज में केदारनाथ मंदिर की तर्ज पर बनेगा भव्य दुर्गा पूजा पंडाल, नई समिति का गठन

हंटरगंज (चतरा)। देवी मंडप प्रांगण में दुर्गा पूजा को लेकर बैठक संपन्न हुई. बैठक की अध्यक्षता मुकेश कुमार गुप्ता ने की और संचालन विनोद रजक ने. समिति ने इस वर्ष भी धूमधाम से पूजा मनाने का निर्णय लिया. पूजा पंडाल श्री केदारनाथ मंदिर की तर्ज पर भव्य और आकर्षक बनाया जाएगा. बंगाल के कारीगर मां की प्रतिमा तैयार कर रहे हैं. पंडाल में आकर्षक विद्युत सज्जा और डेकोरेशन भी होंगे, जो श्रद्धालुओं का ध्यान आकर्षित करेंगे. पूजा कमिटी दिन-रात कोष व्यवस्था और तैयारियों में लगी है. इस दौरान नई समिति भी गठित की गई, जिसमें अरुण कुमार चौरसिया अध्यक्ष, बंटी स्वर्णकार एवं संजय प्रसाद गुप्ता उपाध्यक्ष, मुकेश गुप्ता सचिव और ओमप्रकाश गुप्ता कोषाध्यक्ष बनाए गए. बैठक में सैकड़ों लोग उपस्थित थे.

मासीपीढ़ी व पतरातू बस्ती में सांसद मनीष जायसवाल ने मनाया करमा पर्व, व्रतियों से लिया आशीर्वाद

हजारीबाग। करमा पर्व के अवसर पर सांसद मनीष जायसवाल ने मासीपीढ़ी बस्ती में मांदर की थाप पर पारंपरिक करमा नृत्य किया और व्रतियों से आशीर्वाद लिया. उन्होंने करमा वृक्ष की पूजा-अर्चना कर सबको पर्व की शुभकामनाएं दीं. इसी प्रकार, पतरातु बस्ती में भी सांसद ने करमा डाली के सामने व्रतियों के साथ पूजा में भाग लिया और संस्कृति के प्रति अपनी गहरी श्रद्धा जताई. उन्होंने युवाओं को अपनी सांस्कृतिक जड़ों को संजोने के लिए प्रोत्साहित किया. इस मौके पर सदर विधायक प्रदीप प्रसाद, भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता, समाजसेवी और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे. सांसद की इस भागीदारी ने स्थानीय लोगों में उत्साह बढ़ाया और करमा पर्व की गरिमा को और भी बढ़ाया.

भाजपा नेता के पुत्र रोहित कुमार के निधन से शोक की लहर, सांसद-विधायक ने परिवार को ढांढस बंधाया

हंटरगंज (चतरा)। कोबना पंचायत के बहेरी गांव निवासी भाजपा वरिष्ठ नेता वीरेंद्र तिवारी के छोटे पुत्र रोहित कुमार (22) का ब्रेन ट्यूमर के कारण निधन हो गया. रोहित का इलाज बैंगलोर के टीएमसी अस्पताल में चल रहा था, जहां सोमवार को उनकी मौत हुई. उनका शव गुरुवार को पैतृक गांव बहेरी लाया गया, जहां परिवार में कोहराम मच गया और पूरे गांव में शोक व्याप्त रहा. जानकारी पाते ही चतरा सांसद कालीचरण सिंह, विधायक जनार्दन पासवान समेत कई नेता अंतिम संस्कार में पहुंचे और परिवार को ढांढस बंधाया. विधायक और सांसद ने मृतक परिवार के साथ ही गांव के अशोक लाल के परिवार को भी सांत्वना दी, जहां हाल ही में कुएं में डूबने से एक बच्चे की मृत्यु हुई थी. इस दौरान कई स्थानीय नेता और ग्रामीण भी मौजूद थे.

नबाबगंज के संघ भवन को लेकर झारखंड और बिहार माध्यमिक शिक्षक संघ के बीच विवाद

हजारीबाग। हजारीबाग के नबाबगंज में स्थित माध्यमिक शिक्षक संघ भवन के स्वामित्व को लेकर झगड़ा जारी है. बिहार माध्यमिक शिक्षक संघ ने यह भवन बनाया था और इसका रजिस्ट्री ट्रस्ट के नाम पर है. हालांकि, झारखंड माध्यमिक शिक्षक संघ इसका मालिकाना हक अपने नाम करने की मांग कर रहा है. झारखंड संघ का कहना है कि केवल पुराने बिहार माध्यमिक शिक्षक संघ के लेटरपैड दिखाने से जमीन या भवन का मालिकाना हक नहीं मिलता. इस विवाद को लेकर लोहसिंघना थाना प्रभारी निशांत केरकेट्टा ने दोनों पक्षों को बातचीत कर समाधान निकालने को कहा है, वरना कड़ी कार्रवाई होगी. झारखंड माध्यमिक शिक्षक संघ के सचिव लगातार प्रशासन से अवैध कब्जे की शिकायत कर रहे हैं. दोनों संघों के बीच विवाद गहरा रहा तो झारखंड माध्यमिक शिक्षक संघ आंदोलन का भी ऐलान कर सकती है. यह मामला बिहार-झारखंड के माध्यमिक शिक्षक संघों के बीच लंबे समय से चल रहे तनाव को उजागर करता है.

कोडरमा में मोहम्मद साहब की जयंती पर जुलूस-ए-मोहम्मदी निकालने की तैयारी पूरी

कोडरमा। आज ईद मिलादुन्नबी (स) हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है. इस्लामिक कैलेंडर के अनुसार यह त्योहार रबी-उल-अव्वल के 12वें दिन आता है. इस अवसर पर जिले के विभिन्न इलाकों में लोग मस्जिदों, घरों और मोहल्लों को सजाते हैं और जुलूस-ए-मोहम्मदी निकाला जाता है. गरीबों को लंगर खिलाया जाता है और मिठाइयां बांटी जाती हैं. जलवाबाद, झुमरी तिलैया, गुमो, डोमचांच समेत कई जगहों पर शांतिपूर्ण जुलूस होंगे. पैगंबर मोहम्मद साहब का जन्म 21 अप्रैल 571 ई. को मक्का में हुआ था. पिता का निधन उनके जन्म से पहले हो चुका था और मां के मरने के बाद वे अपने चाचा और दादा के संरक्षण में बड़े हुए. उन्हें अल्लाह ने अंतिम पैगंबर और पवित्र कुरान का वाहक बनाया. मोहम्मद साहब ने दुनिया को भेदभाव, अज्ञानता और बुराइयों से दूर करने के लिए ज्ञान और शिक्षा का संदेश दिया. उन्होंने कहा, 'इल्म हासिल करो, चाहे चीन तक जाना पड़े.'

नवविवाहिता की हत्या कर जंगल में फेंका शव ससुराल वालों पर परिजनों ने लगाया आरोप

लावालौंग। प्रखंड की एक नवविवाहिता की हत्या कर शव को टंडवा प्रखंड के रोल गांव स्थित जंगल में फेंकने का सनसनीखेज मामला सामने आया है. युवती की शादी इसी वर्ष हुई थी और वह पिछले चार दिनों से लापता थी. गुरुवार को उसका शव झाड़ियों में फंदे से लटका हुआ बरामद किया गया. घटना स्थल युवती के ससुराल से कुछ ही दूरी पर है. मृतका के परिजनों ने ससुराल पक्ष और पति पर हत्या कर साक्ष्य छिपाने के उद्देश्य से शव जंगल में फेंकने का गंभीर आरोप लगाया है. सूचना मिलते ही टंडवा पुलिस मौके पर पहुंच गई है और मामले की गहन जांच में जुटी हुई है.

जीएसटी में ऐतिहासिक सुधार

अन्नपूर्णा देवी ने बताया मध्यमवर्ग किसानों व महिलाओं के लिए बड़ा तोहफा

विकसित भारत की दिशा में एक ठोस कदम

शुभम संदेश। कोडरमा

केंद्रीय मंत्री एवं कोडरमा सांसद श्रीमती अन्नपूर्णा देवी ने जीएसटी परिषद द्वारा लिए गए ऐतिहासिक निर्णय का जोरदार स्वागत किया है. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के मार्गदर्शन में लिया गया यह फैसला देश के मध्यमवर्ग, महिलाओं, किसानों और छोटे व्यापारियों को बड़ी राहत देगा.

जीएसटी परिषद ने कर ढांचे को और सरल करते हुए अब केवल दो स्लैब 5% और 18% को बनाए रखने का निर्णय लिया है. वहीं 12% और 28% के टैक्स स्लैब को समाप्त कर

दिया गया है. इस फैसले से रोज़मर्रा की उपभोग वस्तुएं, कृषि उपकरण, स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा सामग्री और इलेक्ट्रॉनिक सामान सस्ते हो जाएंगे, जिससे आमजन के जीवन पर सीधा सकारात्मक असर पड़ेगा.

ऑटो चालक ने किया कुछ ऐसा कि पुलिस भी कर रही सलाम, जानकर आप भी करेंगे सैल्यूट

शुभम संदेश। हजारीबाग

झारखंड में रोजाना चोरी, लूटपाट और डकैती के कई मामले सामने आते हैं. एक ओर जहां बदमाश अपने पैर पसार रहे हैं और राज्य में अपराधिक घटनाओं को बढ़ावा दे रहे हैं. वहीं दूसरी ओर आज भी कई ऐसे लोग समाज में हैं जो मानवता की मिसाल पेश कर रहे हैं. हजारीबाग जिले से एक ऐसा ही मामला सामने आया है. यहां एक ऑटो ड्राइवर ने मानवता की ऐसी मिसाल पेश की, जिसे जान जिला पुलिस प्रशासन ने भी उसके कार्य को प्रोत्साहित किया.

ऑटो में छूटा यात्री का मोबाइल: हजारीबाग जिले के कटकमसांडी थाना अंतर्गत हरदाग निवासी ऑटो चालक वरुण कुमार (38 वर्ष) के ऑटो में कल बुधवार को एक यात्री का मोबाइल फोन छूट गया था. अपने ऑटो में मोबाइल देखते ही वरुण ने तुरंत इसकी सूचना सदर थाना सब इंस्पेक्टर अरुण कुमार मुण्डरी को दी. वरुण ने बताया कि फोन में कोई सिम कार्ड नहीं लगा हुआ है. इसके बाद वह मोबाइल लेकर थाना पहुंचा और फोन सदर थाना को सुपुर्द किया. वरुण ने मोबाइल को उसके मालिक तक पहुंचाने का आग्रह किया है.

थाना प्रभारी ने की सराहना : हजारीबाग सदर थाना सब इंस्पेक्टर अरुण कुमार मुण्डरी ने इस संबंध में बताया कि जिले में चोरी और छिनतई की घटनाएं काफी बढ़ गयी है. ऐसी परिस्थितियों के बीच ऑटो चालक वरुण कुमार का फोन लेकर थाना पहुंचना काफी सराहनीय है. उन्होंने कहा कि समाज में ऐसे ही कुछ शुभचिंतकों की बदौलत आज भी इंसानियत जिंदा है. मोबाइल में कोई सिम कार्ड नहीं लगा हुआ था. अगर वरुण चाहता तो, मोबाइल अपने पास रख सकता था. लेकिन उसके ऐसा नहीं किया और नेकी का परिचय देते हुए मोबाइल थाना को सुपुर्द किया.

मोबाइल मालिक तक पहुंचाने का प्रयास कर रही पुलिस : सब इंस्पेक्टर अरुण मुण्डरी ने बताया कि मोबाइल फोन उसके मालिक तक पहुंचाने के लिए जिला प्रशासन हर संभव प्रयास कर रही है. मीडिया और विभिन्न माध्यमों से यह जानकारी फैलायी जा रही है, ताकि जिस भी व्यक्ति का यह मोबाइल है. वह आकर इसे ले जाये. थाना प्रभारी ने कहा कि जल्द ही मोबाइल उसके मालिक तक पहुंचा दिया जायेगा. ऑटो चालक वरुण कुमार के इस कार्य के लिए प्रशासन ने उसे प्रोत्साहित किया.

कांग्रेस ओबीसी मोर्चा के जिलाध्यक्ष बने रंधीर

शुभम संदेश। रामगढ़

कांग्रेस ओबीसी मोर्चा का जिलाध्यक्ष रंधीर गुप्ता को बनाया गया है. गुरुवार को पार्टी नेता और कार्यकर्ताओं ने प्रखंड के पास उनका स्वागत किया. इस दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष मुन्ना पासवान, कार्यकारी अध्यक्ष पंकज तिवारी, जिला महासचिव संजय साव, नगर अध्यक्ष बलराम साव, संजीव खंडेलवाल सहित अन्य मौजूद थे. वहीं रंधीर गुप्ता ने कहा कि वे पिछड़ी जाति के लोगों के उत्थान के लिए हमेशा प्रयासरत रहेंगे. साथ ही समाजिक विकास में भी सहभागिता निभाएंगे. उन्होंने प्रदेश के पदाधिकारियों के प्रति आभार भी जताया.

उत्तम त्याग धर्म की पूजा संपन्न, निवेश शास्त्री ने बताया त्याग का गूढ़ अर्थ

रामगढ़। श्री दशलक्षण महापर्व के आठवें दिन गुरुवार को रामगढ़ स्थित श्री दिगंबर जैन मंदिर में "उत्तम त्याग धर्म" की पूजा अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ संपन्न हुई. इस अवसर पर सांगानेर शिक्षण संस्थान से पधारे विद्वान आचार्य निवेश शास्त्री ने त्याग धर्म के गूढ़ महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला. उन्होंने कहा कि कठिन प्रयत्न और सतत संघर्ष ही मनुष्य को अधिक सामर्थ्यवान बनाते हैं, और त्याग उसी का एक सर्वोच्च स्वरूप है. उन्होंने बताया कि परिग्रह (संचय) की निवृत्ति को ही त्याग कहा जाता है. अपने पास उपलब्ध ज्ञान, संपत्ति, शक्ति या संसाधनों को बिना किसी प्रतिफल की अपेक्षा किए, दूसरों के हित में समर्पित करना ही वास्तविक त्याग है. आचार्य शास्त्री ने औषध दान, शास्त्र दान, अभय दान और आहार दान को त्याग धर्म के चार मुख्य स्तंभ बताया और कहा कि उत्तम पात्र को यथाशक्ति दान करना ही त्याग धर्म का सार है. पूजा के दौरान जलाभिषेक और शांतिधारा का भी आयोजन हुआ. मेन रोड स्थित श्री दिगंबर जैन मंदिर में जलाभिषेक का सौभाग्य नितिन जैन, मनीष पाटनी परिवार, मांगीलाल जैन, मनोज चूड़ीवाल परिवार, राजेंद्र जैन, राजेश चूड़ीवाल परिवार, पुष्पा अजमेरा परिवार, इंद्रमणि देवी चूड़ीवाल परिवार और अरुणा जैन परिवार को प्राप्त हुआ. वहीं, शांतिधारा का सौभाग्य अशोक जैन, उषा सेठी परिवार, हीरालाल जैन और राजेंद्र पाटनी परिवार को प्राप्त हुआ. रांची रोड स्थित पारसनाथ जिनालय में भी जलाभिषेक और शांतिधारा का आयोजन हुआ, जिसमें जीवनमल जैन और जम्बू पाटनी परिवार ने सहभागिता की. कार्यक्रम के सफल आयोजन की जानकारी देते हुए श्री जैन समाज के सचिव योगेश सेठी ने कहा कि इस बार समाज में भक्ति की एक नई चेतना जगी है.

जन सुविधाओं को लेकर लोहरदगा सांसद डॉ. सुखदेव भगत ने हिंडालको को लगाई फटकार

तय समय पर काम नहीं होने पर कार्रवाई की चेतावनी

शुभम संदेश । लोहरदगा

पाखर माइंस की जर्जर सड़क और बुनियादी सुविधाओं की बदहाली को लेकर लोहरदगा सांसद डॉ. सुखदेव भगत ने शुक्रवार को पाखर माइंस का औचक निरीक्षण किया और वहां की स्थिति देखकर नाराजगी जताई. उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि अगर हिंडालको ने निर्धारित समय सीमा में कार्य नहीं पूरा किया, तो सीधी कार्रवाई की जाएगी.

सांसद ने कहा कि हाल ही में दिशा की बैठक में पाखर माइंस की बदहाल सड़कों का मामला उठा था. निरीक्षण के दौरान उन्होंने पाया कि लगभग 3 किलोमीटर सड़क कीचड़ और गड्ढों से भरी है, जहां पैदल चलना भी मुश्किल है. स्थानीय ग्रामीणों ने सांसद को बताया कि हिंडालको वर्षों से बॉक्साइट का उत्खनन कर रहा है, लेकिन आज तक क्षेत्र को बुनियादी सुविधाएं तक नहीं मिल सकीं.

ग्रामीणों ने बताया कि पेयजल, स्वास्थ्य और बिजली की हालत बेहद खराब है. स्वास्थ्य उपकेंद्र का भवन तो 6 महीने पहले बन गया, लेकिन कोई नर्स नहीं आती. झरनों से पानी पीना मजबूरी है और बिजली जाने पर महीनों तक आपूर्ति बहाल नहीं होती. सांसद ने ग्रामीणों की शिकायतें सुनने के बाद हिंडालको माइंस मैनेजर और एचआर विभाग को तत्काल तलब किया. उन्होंने अधिकारियों को फटकार लगाते हुए कहा, "काम के लिए समय तय करें और वादा निभाएं, वरना कार्रवाई तय है." जवाब में अधिकारियों ने भरोसा दिया कि 17 सितंबर तक सड़क की मरम्मत पूरी कर दी जाएगी.

हिंडालको के वरीय पदाधिकारी भी पाखर पहुंचे और सांसद से मिलकर समस्याओं पर चर्चा की. सांसद ने कहा कि पाखर से प्राप्त डीएमएफटी फंड का उपयोग सड़क और जल समस्याओं के समाधान में किया जाएगा, इसके लिए वे उपायुक्त से वार्ता करेंगे. सांसद ने सिविल सर्जन को निर्देश दिया कि स्वास्थ्य उपकेंद्र जल्द चालू करें और नर्स की तैनाती सुनिश्चित करें.

मौके पर इंटक यूनियन के आलोक कुमार साहू, सांसद प्रतिनिधि दयानंद पुर, हिंडालको के अधिकारी शत्रुजीत, माइंस मैनेजर जितेंद्र जी समेत कई ग्रामीण और प्रतिनिधि उपस्थित थे. यह दौरा स्थानीय जनता की लंबे समय से उपेक्षित समस्याओं पर ध्यान दिलाने और उन्हें तत्काल हल करने की दिशा में अहम पहल साबित हुआ है.

रांची जिला जमीयत उलेमा के पदाधिकारियों का भव्य स्वागत, मानवता की सेवा को बताया उद्देश्य

इटकी । जमीयत उलेमा ए हिंद जिला रांची के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का भव्य स्वागत किया गया. मदरसा दीनीया अरबिया गुलाम टोली में फीता काटकर और फूल माला, शॉल ओढ़ाकर उनका अभिनंदन हुआ. जिला अध्यक्ष मौलाना अब्दुल कय्यूम कासमी और महासचिव हाजी शाह उमैर ने जमीयत के मंच से मानवता की सेवा को अपना उद्देश्य बताया. उन्होंने कहा कि बुजुर्गों के बलिदान को आगे बढ़ाना हमारा फर्ज है. इस अवसर पर तकमील हिफ्ज कुरान का आयोजन भी हुआ, जिसमें हाफिज मो आसिम को सम्मानित किया गया. उन्होंने 12 वर्ष की उम्र में दो वर्ष में पूरा कुरान याद किया. मौके पर जमीयत के कई प्रमुख पदाधिकारी और सैकड़ों लोग मौजूद थे. स्वागत समारोह में संगठन की एकजुटता और भविष्य में जिम्मेदारी निभाने का संकल्प भी जताया गया.

बेटी को लेने पूजा स्थल जा रहे युवक की सड़क दुर्घटना में मौत

गुमला । जिला के डुमरी थाना क्षेत्र के हड़सरी गांव निवासी अनुज लकड़ा (32 वर्ष) की बुधवार रात सड़क दुर्घटना में मौत हो गई. बताया गया कि अनुज अपनी बेटी को लेने करमा पूजा स्थल जा रहे थे. इसी दौरान हड़सरी मोड़ के पास एक अज्ञात वाहन की चपेट में आने से वह गंभीर रूप से घायल हो गए और घटनास्थल पर ही उनकी मृत्यु हो गई. दुर्घटना की सूचना पूजा कर लौट रहे लोगों ने डुमरी थाना को दी. सूचना पाते ही एसआई मनोज कुमार दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और मृतक का शव अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए गुमला भेज दिया. इस हादसे से पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है. मृतक के परिवार वाले बिलख-बिलख कर रो रहे हैं और ग्रामीण भी इस घटना से स्तब्ध हैं. पुलिस अज्ञात वाहन की पहचान कर उसे पकड़ने के लिए लगातार जांच में जुटी हुई है ताकि मामले का जल्द खुलासा हो सके.

जीएसटी हटाने के फैसले का बीमा कर्मचारी संघ ने किया स्वागत

गुमला । अखिल भारतीय बीमा कर्मचारी संघ ने जीवन बीमा एवं स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम पर से जीएसटी हटाने के निर्णय का स्वागत किया है. संघ की बैठक में कहा गया कि यह बीमा धारकों और एजेंटों के लिए बड़ी राहत है और यह लंबे समय से की जा रही मांग थी. ज्ञात हो कि जीएसटी काउंसिल की 56वीं बैठक में यह फैसला लिया गया, जिसे जनहित में एक ऐतिहासिक कदम बताया गया. संघ के अनुसार 2017 से इस मांग को लगातार उठाया जा रहा था. वर्ष 2023 में संघ ने देशभर के 400 से अधिक सांसदों से मिलकर ज्ञापन सौंपा था. गुमला शाखा के नेताओं सेत कुमार एक्का, सीताराम रजक और आशीष कुमार ने लोहरदगा सांसद सुखदेव भगत से भी इस विषय पर बात की थी, जिन्होंने संसद में बीमा धारकों के हित में अपनी बात प्रभावशाली ढंग से रखी. संघ ने सभी सांसदों के प्रति आभार प्रकट किया है.

कार्यकर्ताओं की सलाह पर ही होगा अध्यक्ष का चयन : नेताम

शुभम संदेश । रांची

कांग्रेस पार्टी द्वारा चलाए जा रहे संगठन सृजन अभियान के तहत रांची जिला ग्रामीण कांग्रेस कमेटी की विशेष बैठक गुरुवार को रांची प्रेस क्लब में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष डॉ. राकेश किरण महतो ने की। इस बैठक में रांची जिला ग्रामीण कांग्रेस कमेटी के अंतर्गत आने वाले सभी प्रखंड अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष, प्रखंड पर्यवेक्षक और जिला कमिटी के पदाधिकारी उपस्थित थे.

बैठक के बाद आयोजित प्रेस वार्ता में राज्यसभा सांसद और जिला पर्यवेक्षक फुलो देवी नेताम ने कहा कि अहमदाबाद अधिवेशन के बाद कांग्रेस पार्टी ने संगठनात्मक मजबूती के लिए ₹संगठन सृजन अभियान₹ की शुरुआत की है, जो पूरे देश में चलाया जा रहा है. इसी कड़ी में उन्हें रांची जिला ग्रामीण कांग्रेस का पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है.

उन्होंने कहा कि इस अभियान के तहत वे पंचायत स्तर से लेकर प्रखंड और विधानसभा स्तर तक कार्यकर्ताओं से चर्चा करेंगी और उनकी राय के आधार पर नए जिला अध्यक्ष का चयन किया जाएगा. साथ ही कार्यकारिणी समितियों के पुनर्गठन और राजनीतिक मामलों की समितियों के गठन पर भी काम किया जाएगा ताकि स्थानीय से लेकर राष्ट्रीय मुद्दों तक सुव्यवस्थित राजनीतिक संवाद हो सके।

सत्ता के विकेंद्रीकरण पर विशेष जोर : फुलो देवी नेताम ने जोर देकर कहा कि संगठन सृजन अभियान का मूल उद्देश्य सत्ता का विकेंद्रीकरण करना है। इसके तहत एसटी, एससी, ओबीसी, अल्पसंख्यक, महिला और युवा कार्यकर्ताओं को नेतृत्व में स्थान देने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग लें और ऐसे नेताओं को सामने लाएं जिनमें संगठन, विचारधारा और नेतृत्व की क्षमता हो.

कांग्रेस को पंचायत स्तर तक मजबूत करने का लक्ष्यः राज्य की कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि असम में कांग्रेस पार्टी पंचायत स्तर तक काफी मजबूत है, जहां पंचायत स्तरीय रैलियों में भी कार्यकर्ताओं की अच्छी भागीदारी होती है। झारखंड में भी संगठन को इसी दिशा में मजबूती देने के प्रयास किए जा रहे हैं।

पांच में से पांच सीट जीतना गौरव की बातः डॉ. महतोः कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे डॉ. राकेश किरण महतो ने अपने संबोधन में कहा कि उनके कार्यकाल में विधानसभा चुनाव में इंडी गठबंधन को ग्रामीण क्षेत्रों की छह में से पांच विधानसभा सीटों पर जीत मिली है, जो पार्टी के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कार्यकर्ताओं को इसके लिए धन्यवाद दिया.

इस बैठक में कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की, कार्यकारी अध्यक्ष शहजादा अनवर, विधायक नमन विक्सल कोनगाड़ी, जिला पर्यवेक्षक परविंदर सिंह, मीडिया चेयरमैन सतीश पॉल मुंजनी, बेलस तिर्की, सुनील सहाय, माधो कच्छप, सुनील उरांव समेत कई वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे। प्रखंड अध्यक्षों में संजर खान, सहाबीर लोहरा, साबिर अंसारी, तुलसी खरवार, एतवा उरांव, मंगा उरांव, मो. इश्तियाक सहित कई अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। बैठक में सभी ने एकजुटता से संगठन को मजबूत करने की प्रतिबद्धता जताई.

विप्र फाउंडेशन ने शिक्षा क्षेत्र में नई मिसाल कायम की

- कल जयपुर में श्री परशुराम ज्ञान पीठ का उद्घाटन

रांची। विप्र फाउंडेशन ने जयपुर में श्री परशुराम ज्ञान पीठ सेंटर फॉर एक्सीलेंस एंड रिसर्च सेंटर की स्थापना कर शिक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है. इस केंद्र का उद्घाटन छह सितंबर को राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा करेंगे. यह रिसर्च सेंटर युवाओं को शिक्षा, संस्कार और रोजगार के क्षेत्र में मार्गदर्शन प्रदान करेगा.केंद्र के तहत कौशल विकास, गर्ल्स एग्जाम ट्रेनिंग, गर्ल्स हॉस्टल, वेदिक रिसर्च, कोचिंग क्लासेस और पुरोहित प्रशिक्षण जैसी महत्वपूर्ण गतिविधियां संचालित की जाएंगी. विप्र फाउंडेशन झारखंड ज़ोन 6 के उपाध्यक्ष प्रमोद सारस्वत ने बताया कि भगवान परशुराम भारतीय संस्कृति में धर्म, ज्ञान और शक्ति के प्रतीक हैं, और उनका जीवन संयम, संकल्प और न्याय का संदेश देता है.श्री परशुराम ज्ञान पीठ के माध्यम से युवाओं को आईएएस, आईपीएस जैसे उच्च पदों पर पहुंचाने का लक्ष्य है, ताकि समाज की नींव मजबूत हो सके. उद्घाटन समारोह में भारत के विभिन्न राज्यों से विप्र फाउंडेशन के सदस्य भी भाग लेंगे. संस्थापक सुशील ओझा सहित पदाधिकारियों की 16 वर्षों की मेहनत से यह केंद्र समाज को समर्पित किया जा रहा है.

एक नजर

गुमला में हत्या के आरोप में युवक गिरफ्तार, जेल गया

गुमला । थाना क्षेत्र के वसुआ पतरा से चंपा उरांव के शव बरामद मामले में पुलिस ने तकनीकी अनुसंधान के बाद नेयाशीद बक्स को गिरफ्तार कर गुरुवार को जेल भेज दिया. नेयाशीद बक्स फोरी का रहने वाला है. मंगलवार की शाम दोनों साथ में शराब पीने के बाद पतरा के पास मछली मारने गए थे. अगले दिन चंपा उरांव का शव गले में चोट के साथ मिला था.

कुटमू में धूमधाम से मनाया गया जश्ने ईद ए मिलादुन्नबी

लोहरदगा । नेशनल पब्लिक स्कूल कुटमू में ईद ए मिलादुन्नबी के पवित्र अवसर पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया. इस मौके पर केरात, नातिया कलाम, तकरीर व इस्लामी क्विज प्रतियोगिता का आयोजन हुआ. कार्यक्रम की शुरुआत छात्रा अलीशा नाज द्वारा तिलावते कुरान से की गई. मुख्य अतिथि कारी वसीम रजवी ने कहा कि यह दिन पूरी दुनिया के लिए मुबारक है, जब नबी-ए-करीम (स. अ.) इस दुनिया में तशरीफ लाए. उन्होंने कहा कि पैगंबर साहब की शिक्षाएं इंसानियत और रहमत का पैगाम हैं.

रातू में दो बाइकों की टक्कर में चार लोग घायल

रातूगढ़ । के निकट शाम के समय दो मोटरसाइकिलें आपस में टकरा गईं. जेएच 01 बी 4909 और जेएच 01 ईएन 2251 नंबर की बाइकें विपरीत दिशा से आ रही थीं और जोरदार टक्कर हो गई. इस दुर्घटना में चार युवक गंभीर रूप से घायल हो गए. घायलों का इलाज आसपास के विभिन्न अस्पतालों में किया जा रहा है. पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है. घायल युवकों की स्थिति स्थिर बताई जा रही है। दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए आगे की कार्रवाई जारी है.

बिरसा जैविक उद्यान की मादा जिराफ 'मिष्टी' की मौत

ओरमांझी । राजधानी रांची के ओरमांझी स्थित प्रसिद्ध भगवान बिरसा जैविक उद्यान की 'मिष्टी' नहीं रही. जैविक उद्यान की इकलौती मादा जिराफ की बुधवार देर रात मौत हो गयी. अपने बाड़े में फिसलकर गिरने की वजह से उसकी मौत हुई. गुरुवार को रांची पशु चिकित्सा महाविद्यालय के पैथोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ एमके गुप्ता के नेतृत्व में उद्यान परिसर में पशु चिकित्सकों की एक टीम ने 'मिष्टी' का पोस्टमार्टम किया. गहन जांच के लिए मादा जिराफ के विभिन्न अंगों का सैंपल लेकर रांची पशु चिकित्सा महाविद्यालय भेजा गया है. 8 अगस्त को कोलकाता से आयी थी मादा जिराफ मादा जिराफ मिष्टी को 8 अगस्त 2025 को जैविक उद्यान चकला ओरमांझी लाया गया था.

करमा पूजा देखने गए ग्रामीण के घर में शॉर्ट सर्किट से लगी आग

गुमला । थाना क्षेत्र के धोधरा टंगराटोली में सुधु पाहन के घर में बुधवार को शॉर्ट सर्किट से आग लग गई. सुधु पाहन और उनका परिवार करमा पूजा देखने के लिए गांव के ही एतवा उरांव के घर गए थे. कुछ ही देर बाद, घर से धुआं उठता देख ग्रामीणों ने सूचित किया. जब सुधु पाहन और ग्रामीण घर पहुंचे, तो देखा कि घर के एक कमरे में आग धधक रही थी. ग्रामीणों के सहयोग से आग पर काबू पाया गया. जांच में पता चला कि आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी है.幸दूसरी ओर, घर में कोई नहीं था इसलिए किसी जान माल का नुकसान नहीं हुआ. हालांकि, घर का कुछ सामान जल गया है, जिससे लगभग 50 हजार रुपये की आंशिक क्षति हुई है.

सड़क हादसे में पलामू के जगुवार जवान की मौत

रातू । थाना क्षेत्र के झीरी डंपिंग यार्ड रिंग रोड में सड़क दुर्घटना में पलामू के निवासी सच्चिदानंद सिंह की मौत हो गई. वे झारखंड जगवार पद में थे. विपरीत दिशा से आ रही ऑटो के टक्कर लगने से उनकी दर्दनाक मौत हुई. यह स्थान दुर्घटनाओं के लिए जाना जाता है, क्योंकि नगर निगम की कचरा गाड़ी सड़क का आधा हिस्सा अवरुद्ध कर देती है. इसके अलावा, बड़े वाहन नियमों का उल्लंघन करते हुए विपरीत दिशा से लौटते हैं, जिससे दुर्घटना की संभावना बढ़ जाती है. आसपास के मोहल्लेवासी बताते हैं कि रिंग रोड होने के बावजूद सड़क के किनारे कोई दूसरा रास्ता नहीं है. गैरेज संचालक सड़क में झोपड़ी बनाकर खुलेआम कारोबार कर रहे हैं, जो हादसों की आशंका को और बढ़ाता है. नगर निगम प्रशासन की उपेक्षा के कारण यहां सुरक्षा का इंतजाम नहीं हो पाया है.

जुलूस-ए-मोहम्मदी आज, शराब दुकान बंद रखने की मांग

गुमला । ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर शुक्रवार को जुलूस-ए-मोहम्मदी का आयोजन होगा. कांग्रेस मीडिया चेयरमैन आरिफ हुसैन अख्तर ने राज्य सरकार और जिला प्रशासन से इस दिन शराब दुकानें पूरी तरह बंद करने की मांग की है. उन्होंने कहा कि जुलूस-ए-मोहम्मदी अमन, मोहब्बत और भाईचारे का संदेश देता है, इसलिए शराब की बिक्री धार्मिक भावनाओं को आहत कर सकती है.

तमाड़ आईटीआई में 2025 बैच के प्रशिक्षुओं का प्रेरण समापन

तमाड़ । रांची-टाटा मार्ग सलगाडीह स्थित औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में 2025 बैच के फिटर, इलेक्ट्रीशियन, टर्नर और वेल्डर ट्रेड के नव प्रवेशित लगभग 140 प्रशिक्षुओं के लिए सात दिवसीय प्रेरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया. चार सितंबर को संस्थान के सभागार में इस कार्यक्रम का भव्य समापन समारोह हुआ. समारोह के मुख्य अतिथि तमाड़ विधायक विकास कुमार मुंडा थे. इस अवसर पर त्रिवेणी अर्थमूवर्स प्राइवेट लिमिटेड और गर्ग इंजीनियर्स प्राइवेट लिमिटेड जैसी प्रतिष्ठित कंपनियों के अधिकारी भी उपस्थित थे. प्रमुख अतिथि के रूप में टाटा स्टील फाउंडेशन के कैप्टन अमिताभ और बृज किशोर सिंह ने भी कार्यक्रम में भाग लिया. मुख्य अतिथि और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने संस्थान की प्रशिक्षण और प्लेसमेंट पहल की प्रशंसा की और प्रशिक्षुओं को उज्ज्वल भविष्य के लिए कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित किया. तमाड़ आईटीआई के प्रधानाचार्य विशाल आनंद ने धन्यवाद ज्ञापन दिया.

खूंटी में छह दिवसीय गणेश महोत्सव का भव्य समापन

शुभम संदेश । खूंटी

खूंटी बिरसा वाहिनी फाउंडेशन के तत्वावधान में खूंटी जिला मुख्यालय में आयोजित छह दिवसीय गणेश महोत्सव का गुरुवार को भव्य समापन हुआ. 26 अगस्त से शुरू हुआ यह महोत्सव खूंटी और आसपास के ग्रामीण इलाकों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति के साथ उत्साह और श्रद्धा से संपन्न हुआ. यह आयोजन खूंटी के धार्मिक-सांस्कृतिक परिचय को और मजबूती प्रदान करने वाला रहा.

गणपति बप्पा के भव्य आगमन के साथ शुरू हुए महोत्सव में छह दिन तक विधिपूर्वक पूजा-अर्चना, संध्या आरती और महाप्रसाद वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया. सीआरपीएफ 94 बटालियन के अधिकारी और जवान भी इस आयोजन में उत्साहपूर्वक शामिल हुए. महोत्सव के अंतिम दिन गणपति की प्रतिमा का विसर्जन शोभायात्रा के साथ किया गया, जो बाजार टांड़ स्थित पंडाल से शुरू होकर खूंटी मुख्य मार्ग होते हुए साहू तालाब तक गई. शोभायात्रा में आतिशबाजी और प्रेम ताशा ग्रुप का संगीत प्रमुख आकर्षण रहा. बिरसा वाहिनी फाउंडेशन की संस्थापिका एवं राष्ट्रीय अध्यक्षा प्रिया मुंडा ने पूरे महोत्सव को मिले जनसमर्थन के लिए खूंटीवासियों का आभार व्यक्त किया और गणपति बप्पा से झारखंडवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की. कार्यक्रम को सफल बनाने में सत्यम मिश्रा, शुभम कुमार, चेतन मिश्रा, गुलिट मिश्रा सहित कई अन्य लोगों का महत्वपूर्ण योगदान रहा.

खूंटी में परंपरा के तहत हर्षोल्लास के साथ विसर्जित हुईं करम की डालियां

शुभम संदेश । खूंटी

खूंटी सरना धर्म सोतो समिति केंद्र डोंगड़ा में करम पर्व बुधवार की रात धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया. गुरुवार को सभी करम डालियों को विधि-विधान से जलाशयों में विसर्जित कर दिया गया. धर्मगुरु बगरय ओड़ेया और भैयाराम ओड़ेया के नेतृत्व में भगवान सिङबोंगा की पूजा-अर्चना कर समाज में सुख, शांति और खुशहाली की कामना की गई. इस मौके पर अखड़ा में नौ प्रकार के बीजों से तैयार जावा और करम डाली स्थापित की गई. जावा फूल को सौहार्द और खुशहाली का प्रतीक माना जाता है. पुरुषों ने इसे कान में और महिलाओं ने बालों में लगाकर एक-दूसरे को करम पर्व की शुभकामनाएं दीं. पूरे रात्रि अखड़ा में गीत-संगीत और नृत्य का कार्यक्रम चलता रहा.

धर्मगुरु सोमा कंडीर ने करम कथा के माध्यम से लोगों को यह संदेश दिया कि करम केवल त्योहार नहीं, बल्कि जीवन को समृद्ध बनाने का अवसर है. यह आत्मचिंतन और गलतियों को सुधारने का दिन है. करम पर्व समाज में प्रेम, भाईचारा और सौहार्द का संदेश देता है तथा ऊंच-नीच, लोभ, लालच और अहंकार जैसी बुराइयों को दूर करता है.

कार्यक्रम में बिरसा कंडीर, मंगा ओड़ेया, सुखराम पुर्ती, सुगना पहान, टुटी ओड़ेया, नरनसिंह तोपनो, मधियाना धान, जीतनाथ पहान, बुधराम मुंडा सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे.

वहीं, जोजो टोली अखड़ा में भी सार्वजनिक करम पूजा महोत्सव का आयोजन हुआ. इस अवसर पर सुगुन दास मुंडा, सुभासिनी पुर्ति, मथुरा कंडीर, मदन मोहन मिश्रा, योगेस वर्मा, विश्राम टुटी, गोमा तोपनो, आनंद तिड़, फागु मुंडा, वीणा तिर्की, तुलसी तोपनो समेत कई गणमान्य लोग मौजूद थे. इस आयोजन में भी करम पर्व की परंपरा और सांस्कृतिक महत्व को बखूबी दर्शाया गया.

पेज एक का शेष

आम आदमी को कटौती का फायदा...

अब तो मुनाफाखोरी रोकने वाला कानून भी खत्म! : 2022 में एमएए को बंद कर दिया गया और 2025 से मुनाफाखोरी की शिकायतें लेना भी बंद हो चुका है. यानी अब कंपनियों के सिर पर कानून का डंडा भी नहीं है. तो सवाल और भी बड़ा हो गया है-बिना किसी दबाव के क्या कंपनियां खुद से दाम घटाएंगी?

कंपनियों का पुराना बहाना- लागत बढ़ गई है

हर बार जब टैक्स घटता है, कंपनियों का जवाब होता हैः लागत बढ़ गई है, इसलिए कीमतें नहीं घटा सकते. चाहे पेट्रोल हो, पैकेजिंग हो या मजदूरी- कंपनियां कुछ न कुछ कारण गिना देती हैं. और चूंकि भारत में मुनाफाखोरी की कोई एक तय मापदंड नहीं है, इसलिए कंपनियों के पास बहाना देने के बहुत मौके रहते हैं. उपभोक्ताओं को पता ही नहीं चलता कि उन्हें फायदा मिलना चाहिए था : यह भी एक बड़ी समस्या है. आम उपभोक्ता को नहीं पता होता कि सरकार ने जीएसटी कम किया है और इसका फायदा उन्हें मिलना चाहिए. न कोई जागरूकता अभियान, न कोई रसीद पर जानकारी, बस कंपनियां चुपचाप दाम वही रखती हैं और ग्राहक कुछ पूछ भी नहीं पाता.

क्या सरकार दोबारा कानून लाने वाली है? : बिजनेस स्टैंडर्ड की एक रिपोर्ट बताती है कि सरकार दो साल के लिए एंटी-प्रोफिटियरिंग प्रावधान फिर से लाने पर विचार कर रही है, ताकि टैक्स कटौती का फायदा कंपनियां खुद न रख सकें. ये विचार इसलिए आ रहा है क्योंकि कई राज्य सरकारें और खुद जीएसटी काउंसिल के सदस्य भी अब इस मुद्दे पर चिंता जता चुके हैं.जीएसटी काउंसिल की बैठक में मुनाफाखोरी पर चिंता : हाल ही में केरल और उत्तर प्रदेश के वित्त मंत्रियों ने जीएसटी काउंसिल की बैठक में मुनाफाखोरी पर चिंता जताई. उन्होंने साफ कहा कि टैक्स दर घटते ही कंपनियां दाम बढ़ा देती हैं, जिससे उपभोक्ताओं को कोई लाभ नहीं मिलता. मिंट की एक रिपोर्ट के मुताबिक, यह मुद्दा खुद वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के सामने भी उठाया गया. जीएसटी स्लैब बदले, कर दरें घटीं... पर दूध, दवा, चीज के दाम वही : सरकार ने हाल ही में जीएसटी स्लैब को भी सरल बनाया है. 12% और 28% वाले स्लैब खत्म कर दिए गए. अब सिर्फ 5%, 18% , और 40% के स्लैब रह गए हैं. दूध, पनीर, दवाइयां, छोटे वाहन, पैकेज्ड फूड जैसी रोजमर्रा की चीजों पर जीएसटी कम कर दिया गया है. पर इन उत्पादों के दाम नहीं घटे, क्योंकि कंपनियों ने या तो आधार मूल्य (बेस प्राइस) बढ़ा दिया या लागत बढ़ने का बहाना बनाकर मुनाफा अपने पास रख लिया.

आखिर क्यों नहीं पहुंचता लाभ?

भारत में मुनाफाखोरी की कोई एकसमान गणना पद्धति नहीं है. कंपनियां तर्क देती हैं कि उनकी लागत बढ़ गई, इसलिए कीमतें नहीं घटाईं. उपभोक्ताओं को जानकारी ही नहीं होती कि जीएसटी कटौती का उन्हें फायदा मिलना चाहिए. ऑस्ट्रेलिया जैसे देश जीएसटी लागू करने से पहले एक साल तक जागरूकता अभियान चलाते हैं, भारत में ऐसा कुछ नहीं हुआ. लेकिन यह धारणा कि मुनाफाखोरी के मामले खत्म हो गए हैं, उपभोक्ताओं के रोजमर्रा के अनुभवों से मेल नहीं खाती है. कई उदाहरणों से पता चलता है कि कॉरपोरेट्स ने कर छूट का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाने के बजाय अपने मुनाफे को बढ़ाया है. मिंट की एक रिपोर्ट बताती है कि केरल के वित्त मंत्री केएन बालगोपाल और उत्तरप्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने हाल ही में हुई जीएसटी काउंसिल की बैठकों में मुनाफाखोरी पर चिंता जता चुके हैं. जीएसटी काउंसिल की अध्यक्ष और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ इस मामले में चर्चा भी हो चुकी है. और प्रदेशों के वित्त मंत्रियों का भी मानना है कि टैक्स में कटौती होते ही आमतौर पर कंपनियां अपने उत्पादों के दाम बढ़ा देती हैं. जिससे इसका फायदा आम आदमी को नहीं मिल पाता है.

अब क्या करें उपभोक्ता?

इस वक्त कोई प्रभावी तंत्र नहीं बचा, जहां उपभोक्ता शिकायत कर सकें. जीएसटी अपीलीय ट्रिब्यूनल को जरूर मुनाफाखोरी से जुड़े मामले सौंपे गए हैं, लेकिन उसकी प्रभावशीलता बहुत सीमित रही है. सरकार को चाहिए कि मुनाफाखोरी पर फिर से कानून लाए, उपभोक्ताओं के लिए जागरूकता अभियान चलाए और ट्रिब्यूनल को मजबूत करे, ताकि जीएसटी दरों में कटौती का असली लाभ आम जनता को मिले, ना कि कंपनियों को.

आज तक से साभार

प्रेरणा — गुमला में मछलीपालन से बदली ग्रामीणों की जिंदगी

किसान कमा रहे सालाना एक से दो लाख

निर्मल सिंह . गुमला

गुमला जिले में मत्स्य पालन ग्रामीण आजीविका का मजबूत माध्यम बन गया है. बसिया प्रखंड के नारेकेला में 20 ग्रो आउट तालाबों का निर्माण किया गया है. यहां स्थानीय ग्रामीण संगठित रूप से मछली पालन कर रहे हैं. उग्रवाद प्रभावित धन सिंह जलाशय में केज कल्चर योजना को बढ़ावा दिया जा रहा है. जलाशय में विशेष केंद्रीय सहायता से 48 केज बनाए गए हैं. इनमें 6 समितियां सामूहिक रूप से काम कर रही हैं. इससे 300 से अधिक ग्रामीण लाभान्वित हुए है. प्रत्येक समिति के सदस्य सालाना 1से 2 लाख रुपये का शुद्ध मुनाफा कमा रहे हैं. प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना के तहत बसिया के कुम्हरिया गांव में लघु फिश फीड मिल स्थापित की गई है. ज्योति लकड़ा द्वारा स्थापित इस मिल में उच्च गुणवत्ता वाले फीड का उत्पादन होता है. मिल से 20-25 ग्रामीणों को रोजगार मिला है. ज्योति को वार्षिक 8-10 लाख रुपये की आय हो रही है. उनका 5 लाख का मछुआरा दुर्घटना बीमा भी कराया गया है. धन सिंह जलाशय में स्थापित केज योजना जिले के लिए एक मॉडल बन गई है. समितियों ने तीन फसल चक्रों में लाखों की मछली बिक्री की है. एक समिति ने 6.60 लाख रुपये की आमदनी से चार पहिया वैन खरीदी है. इस योजना से मत्स्य कृषकों को हर चक्र में एक से डेढ़ लाख रुपये की शुद्ध आय हो रही है. उपायुक्त श्रीमती प्रेरणा दीक्षित के अनुसार मछली पालन से पलायन में कमी आई है. स्थानीय स्तर पर मछली की उपलब्धता से कुपोषण के स्तर में भी सुधार हुआ है. उनका कहना है कि मछली पालन अब सिर्फ व्यवसाय नहीं, बल्कि सशक्त ग्रामीण आजीविका का माध्यम बन गया.

सर्विस रिकॉर्ड में जन्मतिथि सुधार का दावा अधिकार नहीं, झारखंड हाईकोर्ट ने अपील याचिका खारिज की

रांची । झारखंड हाईकोर्ट ने महत्वपूर्ण निर्णय देते हुए स्पष्ट किया है कि सर्विस रिकॉर्ड में जन्मतिथि में सुधार का दावा अधिकार के रूप में किया नहीं जा सकता, चाहे प्रमाणिक दस्तावेज जैसे मैट्रिक सर्टिफिकेट ही क्यों न हों. चीफ जस्टिस तरलोक सिंह चौहान और जस्टिस राजेश शंकर की खंडपीठ ने बीसीसीएल के दो कर्मचारियों की अपील याचिकाएं खारिज कर दीं, जिन्होंने दो दशक बाद और सेवानिवृत्ति के निकट जन्मतिथि में सुधार की मांग की थी.

पहले मामले में, कर्मचारी की नियुक्ति के समय मैट्रिक प्रमाणपत्र में जन्मतिथि 5 अक्टूबर 1965 दर्ज थी, लेकिन सर्विस रिकॉर्ड में मेडिकल परीक्षण के आधार पर उनकी आयु 24 वर्ष मानकर जन्मतिथि 7 मई 1962 अंकित की गई. उन्होंने मार्च 2007 में सुधार की मांग की, लेकिन अस्वीकृति के बाद 2022 में सेवानिवृत्त हो गए. दूसरे मामले में, कर्मचारी के प्रमाणपत्र में जन्मतिथि 7 जून 1966 थी, जबकि सर्विस रिकॉर्ड में 27 जून 1964 दर्ज थी. उन्होंने नवंबर 2013 में आपत्ति जताई, लेकिन 2020 में उनका दावा खारिज कर दिया गया.

कोर्ट ने कहा कि इतनी देर से (20 वर्षों से अधिक) जन्मतिथि सुधार की मांग स्वीकार्य नहीं है, खासकर जब नियुक्ति के समय कर्मचारी ने सर्विस रिकॉर्ड पर बिना आपत्ति के हस्ताक्षर कर दिए हों. साथ ही, जन्मतिथि सुधार केवल ठोस और स्पष्ट दस्तावेजों के आधार पर ही किया जा सकता है, न कि सिर्फ प्रमाणपत्रों के आधार पर. हाईकोर्ट ने भारत कोकिंग कोल लिमिटेड बनाम श्याम किशोर सिंह और शिव कुमार दुशाद बनाम बीसीसीएल जैसे पुराने मामलों का हवाला देते हुए कहा कि सेवा में आने के दशकों बाद जन्मतिथि सुधार की मांग तब स्वीकार नहीं की जाएगी, जब नियोक्ता ने उम्र निर्धारण के लिए उचित नियमों का पालन किया हो. इस प्रकार, सर्विस रिकॉर्ड में जन्मतिथि सुधार अधिकार नहीं है. अदालत ने दोनों अपील याचिकाओं को खारिज करते हुए एकलपीठ के आदेश को सही ठहराया.

मंथन

राज्यपालों की भूमिका और संवैधानिक मर्यादा

सुप्रीम कोर्ट में राष्ट्रपति और राज्यपालों के पास लंबित पड़े विधेयकों पर समय-सीमा तय करने को लेकर हो रही सुनवाई लोकतांत्रिक व्यवस्था की एक गंभीर चुनौती की ओर संकेत करती है. मामले में हुई सुनवाई में बंगाल सरकार की ओर से वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि विधेयक की विधायी क्षमता की जांच करना राज्यपाल का अधिकार नहीं है. वास्तव में यह तर्क संविधान की मूल भावना से मेल खाता है. संविधान के तहत विधायिका जनता की इच्छा का प्रतिनिधित्व करती है. किसी विधेयक को पारित करने के बाद उसकी संवैधानिक वैधता का परीक्षण न्यायपालिका कर सकती है, न कि कार्यपालिका के अंग के रूप में कार्यरत राज्यपाल. राज्यपाल का पद संवैधानिक प्रमुख का है, न कि किसी सुपर विधायी निकाय का. यदि वे बिलों को अनिश्चित काल तक रोकते हैं, तो यह लोकतांत्रिक प्रक्रिया को बाधित करता है और चुनी सरकार की कार्यक्षमता को कमजोर करता है. चीफ जस्टिस गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने भी स्पष्ट किया कि राज्यपालों द्वारा विधेयक लंबित रखना जनता की इच्छा के विपरीत है. संसद और विधानसभाएं बहुमत से निर्णय लेती हैं और उस पर कार्यवाही रोकना लोकतंत्र में असंतुलन पैदा करता है. राज्यपाल विवेक का प्रयोग कर सकते हैं, लेकिन केवल दुर्लभ परिस्थितियों में-जैसे किसी बिल का केंद्रीय कानून से सीधा विरोधाभास हो. इस पर सुप्रीम कोर्ट का निर्णय आने वाले समय में संघीय ढांचे और राज्यपाल की भूमिका की परिभाषा को स्पष्ट करेगा. लोकतंत्र तभी मजबूत होगा जब जनता की इच्छा लागू हो और संवैधानिक पदाधिकारी मर्यादा में रहकर काम करें. यही व्यवस्था को स्थिर और उत्तरदायी बनाएगी.

नजरिया

लोकतंत्र में गरिमा को चोट पहुंचाना कतई स्वीकार्य नहीं

पलामू में पूर्व मंत्री केएन त्रिपाठी के खिलाफ दर्ज जीरो एफआईआर ने फिर यह सवाल खड़ा किया है कि क्या सत्ता या पद का प्रभाव कानून के दायरे से बाहर जा सकता है. आरोप गंभीर हैं-अपने अंगरक्षक से दुर्व्यवहार करना, जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल करना और शारीरिक हमला करना. यह न केवल संवैधानिक मर्यादा का उल्लंघन है, बल्कि पुलिस बल की गरिमा पर भी चोट है. इस घटना में पीड़ित आम नागरिक नहीं, बल्कि सुरक्षाकर्मी हैं. वे वही जवान हैं, जिन्हें नेताओं की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी दी जाती है. यदि उनके साथ ही अपमानजनक व्यवहार हो और दबाव डाला जाए, तो व्यवस्था पर जनता का विश्वास कमजोर होगा. झारखंड पुलिस मेंस एसोसिएशन का इस मामले में सामने आना स्वागतयोग्य है. उन्होंने डीजीपी से लेकर गृह सचिव तक कार्रवाई की मांग की है और साफ संकेत दिया है कि यदि आरोपी को बचाने की कोशिश हुई, तो आंदोलन का रास्ता अपनाया जाएगा. यह पुलिस बल के आत्मसम्मान और अधिकारों की रक्षा के लिए आवश्यक कदम है. कानून का मूलभूत सिद्धांत है कि सभी बराबर हैं. चाहे वह आम नागरिक हो या पूर्व मंत्री, कोई भी कानून से ऊपर नहीं है. ऐसे मामलों में निष्पक्ष और त्वरित जांच ही न्याय सुनिश्चित कर सकती है. यदि दोष साबित होता है, तो कठोर कार्रवाई होनी चाहिए. यही लोकतंत्र की मजबूती और न्याय व्यवस्था की विश्वसनीयता का आधार है.

शिक्षक दिवस: गुरुओं के सम्मान का दिन

अरविंद जयतिलक

पूर्व राष्ट्रपति और शिक्षाविद सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती पर विशेष.

भारत में गुरुओं की भूमिका केवल अध्यात्म और धार्मिकता तक ही सीमित नहीं रही. देश पर जब भी विपदा आन पड़ी, तो गुरुओं ने राजसत्ता का मार्गदर्शन किया. रामायण व महाभारत काल ही नहीं हर युग में गुरुओं ने अपना लोहा मनवाया है.

आज 5 सितंबर है यानी गुरुओं के सम्मान का दिन. यह दिन शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है. 1962 में जब डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन भारतीय गणतंत्र के दूसरे राष्ट्रपति बने तब उनके विद्यार्थियों ने उनका जन्मोत्सव मनाने का विचार किया. लेकिन उन्होंने इस अनुरोध को अस्वीकार कर सुझाव दिया कि अगर वे उनके जन्मोत्सव को शिक्षक दिवस के रूप में मनाएं तो ज्यादा खुशी होगी. तभी से इस दिन को शिक्षक दिवस मनाया जाता है. डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के आदर्शवादी मूल्य और सारगर्भित विचार समाज व देश के लिए प्रेरणास्रोत हैं. राधाकृष्णन एक उत्कृष्ट विद्वान, महान शिक्षाशास्त्री के अलावा कुशल वक्ता भी थे. शिक्षा में महान योगदान को देखते हुए ही भारत सरकार ने उन्हें 1954 में भारत रत्न की उपाधि से विभूषित किया. डॉ. राधाकृष्णन का जन्म 5 सितंबर 1888 को मद्रास के निकट तिरुतानी में हुआ. डॉ. राधाकृष्णन सर्वप्रथम शिक्षक के रूप में मद्रास में लेक्चरर नियुक्त हुए. 1911 में वे मद्रास के प्रेसीडेंसी कालेज में असिस्टेंट प्रोफेसर और 1916 में प्रोफेसर बने. 1918 में वह मैसूर विवि में चले गए और वहां 1921 तक रहे. 1916 महामना मदन मोहन मालवीय द्वारा बनारस में स्थापित काशी हिंदू विश्वविद्यालय में भी उन्होंने बतौर कुलपति अपनी भूमिका का निर्वहन किया. 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान जब गांधी जी ने करो या मरो का नारा दिया उस दौरान काशी हिंदू विवि के छात्रों ने इसमें बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया.

गुरु अर्थात ज्ञान का वो प्रकाशपुंज जो शिष्य के अज्ञान को दूर करके उसे और सार्थक मनुष्य बनाए.शास्त्रों में कहा गया कि ऊं अज्ञान तिमिरान्धस्य ज्ञानाञ्जनशलाकया, चक्षुरुन्मीलितं येन तस्मै श्री गुरवे नमः. अर्थात मैं घोर अंधकार में उत्पन्न हुआ और मेरे गुरु ने अपने ज्ञान रूपी प्रकाश से मेरी आंखे खोल दीं और मैं उन्हें प्रणाम करता हूं. गोस्वामी तुलसीदास ने रामचरितमानस में लिखा है कि-गुरु बिनुभवनिधि तरइ न कोई, जों बिरंचि संकर सम होई. अर्थात भले ही कोई ब्रह्मा और शंकर के समान क्यों न हो, वह गुरु के बिना जीवन रूपी भवसागर पार नहीं कर सकता. जीवन के आरंभ से ही गुरु की महत्ता को रेखांकित किया गया है. संत कबीर कहते हैं कि हरि रुठे गुरु ठौर हैं, गुरु रूठे नहिं ठौर. अर्थात भगवान के रूठने पर तो गुरु की शरण रक्षा कर सकती है लेकिन गुरु के रूठने पर कहीं भी शरण नहीं मिलेगी. कबीर कहते हैं कि कुमति कीच चेला भरा, गुरु ज्ञान जल होय, जनम-जनम का मोरचा, पल में डाले धोय अर्थात कुबुद्धि रूपी कीचड़ से शिष्य भरा है और गुरु का ज्ञान जल है. इनमें इतनी सामर्थ्य है कि शिष्यों के जन्म-जन्म का अज्ञान पल भर में दूर कर देते हैं. कबीर आगे कहते हैं कि गुरु कुम्हार शिष्य कुंभ है, गढ़ि-गढ़ि काढ़ै खोट, अन्तर हाथ सहार दै, बाहर बाहै चोट अर्थात मिट्टी के बर्तन समान शिष्य के लिए गुरु कुम्हार की तरह होते हैं. शास्त्रों में गुरु को तीर्थ से भी बड़ा कहा गया है. तीरथ गए तो एक फल, संत मिले फल चार, सदगुरु मिले तो अनंत फल, कहे कबीर विचार.

गुरु शिष्य का मार्गदर्शन कर उसके जीवन को ऊर्जा से भरता है. लीलारस के रसिकों का दाता श्रीकृष्ण भी सद्गुरु ही है. भगवान श्रीकृष्ण ने गुरु रूप में शिष्य अर्जुन को संदेश दिया था कि सर्वधर्मान्परित्यज्य मामेकं शरणं व्रज, अहं त्वा सर्वपापेभ्यो मोक्षयिष्यिा माम शुचः. अर्थात सभी साधनों को छोड़कर केवल नारायण स्वरूप गुरु की शरणागत हो जाना चाहिए. वे उसके सभी पापों को नाश कर देंगे. शोक नहीं करना चाहिए. भारतीय संस्कृति और सभ्यता में कहा गया है कि जिनके दर्शन मात्र से मन प्रसन्न होता है वह परमसत गुरु है. गुरु के बिना न आत्मदर्शन संभव है और न ही परमात्मा दर्शन. जप, तप, यज्ञ और ज्ञान में गुरु का मार्गदर्शन आवश्यक है. किसी भी प्रकार की विद्या हो अथवा ज्ञान वह गुरु से ही प्राप्त होता है. सद्गुरु लोककल्याण के निमित्त पृथ्वी पर अवतार स्वरूप हैं. सभी ग्रंथों में गुरु तत्व की उपादेयता का गान किया गया है. वैदिककालीन महान विदुषियां लोपामुद्रा, घोषा, सिकता, अपाला, गार्गी और मैत्रेयी की रचित ऋचाओं में भी गुरुओं के प्रति सम्मान है. सद्गुरु की महिमा अनंत और अपरंपार है. उपनिषदों और स्मृति ग्रंथों में गुरु की महिमा का खूब बखान किया गया है. ईश्वर की सत्ता में विश्वास न रखने वाले जैन व बौद्ध धर्मग्रंथ भी गुरुओं के प्रति श्रद्धावान हैं. वशिष्ठ, याज्ञवल्क्य, पतंजलि और अगस्तय से लेकर तक्षशिला के महान गुरु चाणक्य तक गुरुओं की ऐसी आदर्श परंपरा रही है जिन्होंने अपनी ज्ञान ऊर्जा से राष्ट्र व समाज की अंतश्चेतना को जाग्रत व समृद्ध किया.

प्रत्येक गुरु ने दूसरे गुरुओं को आदर-प्रशंसा एवं पूजा सहित पूर्ण सम्मान दिया है. वशिष्ठ, विश्वामित्र और सांदिपनी जैसे गुरुओं ने राम व कृष्ण को परमशक्ति व परम वैभव से लैस किया. सनातन धर्म में गुरु शिष्य की परंपरा अनंतकाल से चली आ रही है. रामायण, महाभारत और परवर्ती कालों में बड़े-बड़े राजाओं ने गुरु से शिक्षा प्राप्त कर शास्त्र और शस्त्र विद्या का ज्ञान प्राप्त कर अपने जीवन को धन्य किया है. भारत में गुरुओं की भूमिका केवल अध्यात्म और धार्मिकता तक ही सीमित नहीं रही. देश पर जब भी विपदा आन पड़ी गुरुओं ने राजसत्ता का मार्गदर्शन किया. रामायण व महाभारत काल ही नहीं हर युग में गुरुओं ने अपना लोहा मनवाया है. परवर्ती काल के गुरुओं ने तक्षशिला, नालंदा और विक्रमशीला विवि को वैश्विक ऊंचाई दी.

चीनी यात्री ह्वेनसांग ने अपने विवरण में 5 वीं शताब्दी के महान शिक्षकों-धर्मपाल, चंद्रपाल, गुणपति, स्थिरमति, प्रभामित्र, जिनमित्र, आर्यदेव, दिगनाग और ज्ञानचंद्र इत्यादि का उल्लेख किया है. ये शिक्षक अपने विषयों के साथ-साथ समाज, राज्य, अर्थ, परराष्ट्र, दर्शन व संस्कृति संबंधी विषयों में भी पारंगत, निपुण और ज्ञानवान थे. नागार्जुन, असंग, वसुबंधु जैसे महान बौद्ध शिक्षकों की महत्ता को कोई कैसे भूला सकता है जिन्होंने समाज व राष्ट्र को महती दिशा दी. आदिकाल से ही शिक्षक भारतीय शिक्षा, संस्कृति, चिंतन और दर्शन के प्रवाह रहे हैं.

आज का इतिहास

1612 : चार जंगी जहाजों के साथ ईस्ट इंडिया कंपनी के जहाजी बेड़े की स्थापना.

1763 : मीर कासिम ने उदयनाला में ब्रिटिश फौजों से युद्ध में हार स्वीकार की.

1888 : सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्म. 1962 में इस दिन को शिक्षक दिवस के तौर पर मनाने का ऐलान किया गया.

1986: अपहृत विमान यात्रियों को बचाने के लिए एयरहोस्टेस नीरजा भनोट ने जान दी.

1991 : मंडेला अफ्रीकी कांग्रेस के अध्यक्ष बने.

2002: अफ़ग़ानिस्तान के राष्ट्रपति हामिद करजई घातक हमले में बाल बाल बचे.

2009: एनएसई ने 10 कंपनियों पर शेयर बाज़ार में क़ारोबार करने पर प्रतिबंध लगाया.

2011 : भारतीय बैंक संघ और भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम द्वारा तैयार एटीएम के जरिए चेक निर्गम (क्लियर) करने की तकनीकी प्रणाली को अंतिम रूप दिया गया.

समय पर सच बोलने की हिम्मत दिखानी होगी

चिंतन

बहुत पहले की बात है, एक चरवाहे के पास 10 भेड़े थीं. वह रोज उन्हें चराता और शाम को बाड़े में डाल देता. इसी बीच एक दिन चरवाहा भेड़ें निकाल रहा था, तो देखा कि एक भेड़ गायब है. चरवाहा बाकी बची भेड़ों से पूछा, क्या तुम को पता है कि एक भेड़ गायब कैसे हो गयी. सभी भेड़ों ने न में सर हिला दिया. उस दिन भेड़ों के चराने के बाद चरवाहे ने भेड़ों को बाड़े में डाल दिया. अगली सुबह भी एक भेंड़ गायब. अब सिर्फ आठ भेड़ें बची थीं. चरवाहे को समझ नहीं आया कि भेड़ कहां गयी. ऐसा लगातार होने लगा और रोज रात में एक भेंड़ गायब हो जाती. एक दिन ऐसा आया कि बाड़े में बस दो ही भेंड़े बचीं. चरवाहा भी निराश था, सबकुछ भगवान पर छोड़ दिया. वो बची दो भेड़ों के बाड़े में डालने के बाद मुड़ा,तभी पीछे से आवाज़ आई, रुको-रुको मुझे अकेला मत छोड़ो वर्ना ये भेड़िया मुझे भी मार डालेगा. चरवाहा पलटा और बोला, भेड़िया! कहां है भेड़िया? भेड़ इशारा करते हुए बोली, ये जो आपके सामने खड़ा है भेड़ नहीं, भेड़ की खाल में भेड़िया है. जब पहली बार भेड़ गायब हुई तो मैं डर के मारे उस रात सोई नहीं थी. तब मैंने देखा कि रात के बाद इसने खाल उतारी और बगल वाली भेड़ को मारकर खा गया.भेड़िए ने राज खुलता देख भागना चाहा, लेकिन चरवाहे ने उसे वहीं ढेर कर दिया. चरवाहे ने क्रोध में भेड़ से पूछा, जब तुम ये बात पहले से जानती थी तो मुझे बताया क्यों नहीं? भेड़ बोली, मेरी सच बोलने की हिम्मत ही नहीं हुई. पर बात बढ़ते-बढ़ते मेरी जान पर आ गयी और अब अपनी जान बचाने का मेरे पास एक ही चारा था-हिम्मत करके सच बोलना, इसलिए मैंने आपसे सबकुछ बता दिया. चरवाहा बोला, तुमने कैसे सोच लिया कि एक-दो भेड़ों को मारने के बाद वो भेड़िया चला जाएगा.भेड़िया तो भेड़िया होता है. तुम्हारी चुप्पी ने कई निर्दोष भेड़ों की जान ले ली. तुमने पहले ही हिम्मत दिखाई होती तो कितना अच्छा होता. दोस्तों, ज़िंदगी में कई मौके आते हैं जहां हमारी थोड़ी सी हिम्मत बड़ा फर्क डाल सकती है पर उस भेड़ की तरह हम लोग तब तक चुप रहते हैं जब तक खुद पर बात नहीं आ जाती. इस कहानी से प्रेरणा लेते हुए हम सही समय पर सच बोलने की हिम्मत करें और अपने देश को सभी बुराइयों जैसे भेड़ियों से मुक्त कराएं.

इंडिया पर ट्रेंडिंग

1. #मां_का_अपमान_नहीं_सहेंगे
2. #GSTReforms
3. #नशे_से_सावधान
4. #NextGenGST
5. Samaj Jagriti
6. Yuva Sewa Sangh
7. #GSTCouncil
8. CONGRATULATIONS BTS
9. ग्रैंड ओल्ड मैन
10. DYNAMITE 2 BILLION ON YT

बहुरंग

'अजेयः द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ ए योगी' का ट्रेलर रिलीज

फिल्म जगत में इन दिनों निर्देशक रविन्द्र गौतम की आगामी फिल्म 'अजेयः द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ ए योगी' को लेकर खूब चर्चा हो रही है. यह फिल्म उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जीवन पर आधारित है और उनके संघर्षपूर्ण सफर को बड़े पर्दे पर उतारने की कोशिश करती है. हाल ही में निर्माताओं ने इसका दमदार ट्रेलर जारी किया है, जिसे देखने के बाद दर्शकों के बीच उत्साह और भी बढ़ गया है.

ट्रेलर में दिखा गोरखपुर का संघर्ष और विद्यार्थी जीवन : ट्रेलर में गोरखपुर की झलकियों के साथ योगी आदित्यनाथ के संघर्षों, छात्र जीवन और उनके जीवन के उन पड़ावों को दर्शाया गया है, जिन्होंने उन्हें एक साधारण विद्यार्थी से गोरखनाथ मठ के महंत और आगे चलकर उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बना. इसमें यह भी दिखाया गया है कि कैसे कठिन परिस्थितियों और सामाजिक चुनौतियों से जूझते हुए उन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई.

अनंत जोशी बने योगी, परेश रावल की भी खास भूमिका : फिल्म में अनंत जोशी योगी आदित्यनाथ का किरदार निभा रहे हैं. ट्रेलर में उनके अभिनय की झलक ने दर्शकों को प्रभावित किया है. वहीं, वरिष्ठ अभिनेता परेश रावल भी फिल्म में एक अहम भूमिका में नजर आएंगे. इसके अलावा 'अजेय' की स्टारकास्ट में दिनेश लाल यादव (निरहुआ), अजय मेंगी, पवन मल्होत्रा, राजेश खट्टर, गरिमा विक्रांत सिंह और सरवर आहूजा जैसे कलाकार शामिल हैं, जो कहानी को और मजबूत बनाते हैं.

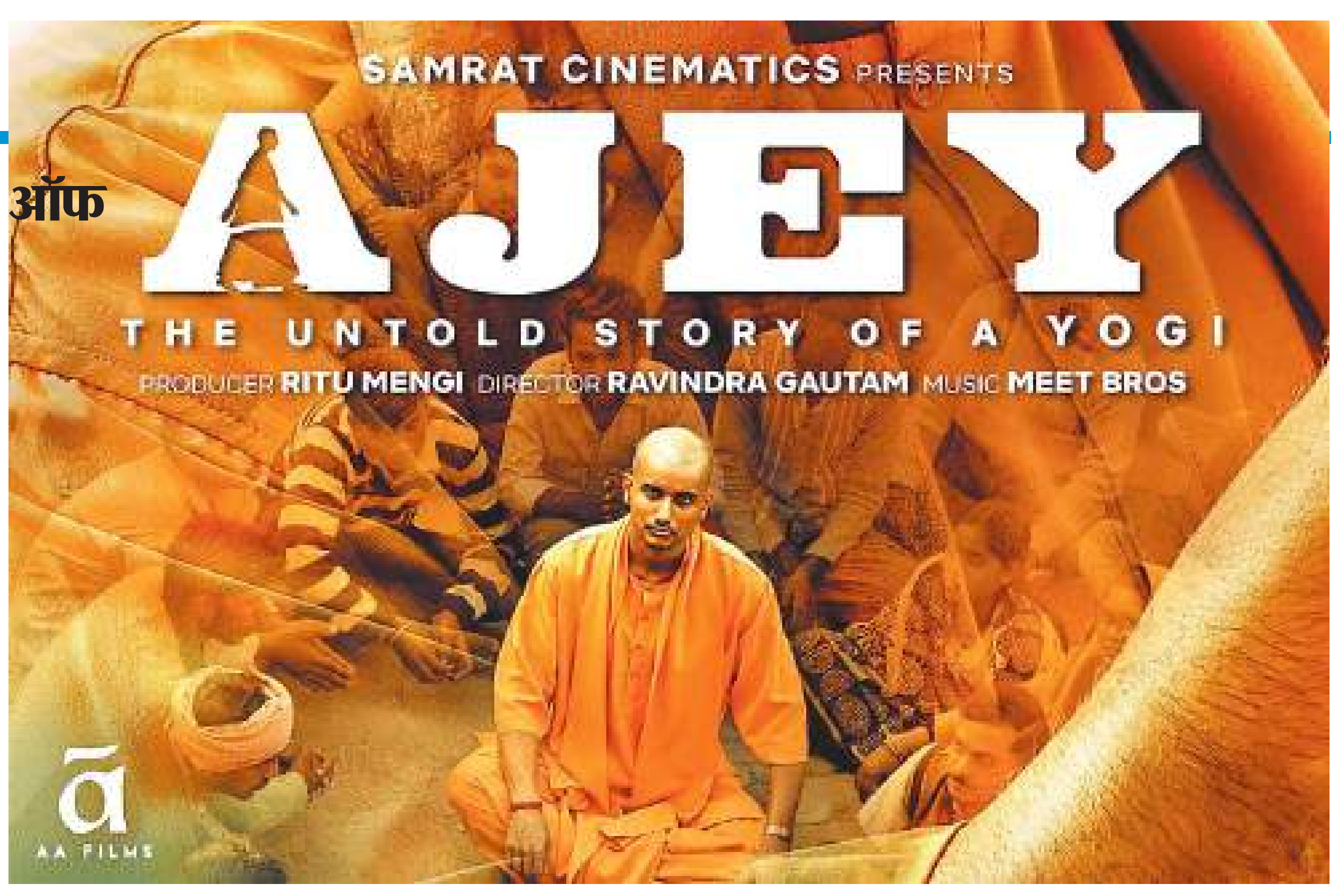

रिलीज डेट का ऐलान : फिल्म 'अजेयः द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ ए योगी' को लेकर दर्शकों में खासा उत्साह है. निर्माताओं ने यह भी घोषणा कर दी है कि यह फिल्म आगामी 19 सितंबर, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी. फिल्मी जगत के जानकार मानते हैं कि इस तरह की जीवनी पर आधारित फिल्में न केवल दर्शकों को मनोरंजन प्रदान करती हैं, बल्कि समाज और राजनीति के महत्वपूर्ण पहलुओं से भी उन्हें रूबरू कराती हैं. अब देखना यह होगा कि 'अजेय' दर्शकों के दिलों पर कितना गहरा असर छोड़ पाती है.

'बागी 4' का नया सॉन्ग 'मरजाना' रिलीज

बॉलीवुड के एक्शन स्टार टाइगर श्रॉफ एक बार फिर अपने फैंस के दिलों की धड़कनें बढ़ाने के लिए तैयार हैं. वह जल्द ही अपनी सुपरहिट फ्रेंचाइज़ी की अगली किस्त 'बागी 4' में नज़र आने वाले हैं. खास बात यह है कि इस बार उनके साथ स्क्रीन पर नज़र आएंगी मिस यूनिवर्स 2021 और अभिनेत्री हरनाज संधू. यह पहला मौका होगा जब टाइगर और हरनाज बड़े पर्दे पर एक साथ दिखाई देंगे, और दोनों की फ्रेश पेयरिंग को लेकर दर्शकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है. फिल्म के रिलीज़ से पहले ही दर्शकों का जोश देखने लायक है. 'बागी 4' की एडवांस बुकिंग शुरू हो चुकी है, और शुरुआती रिपोर्ट्स के मुताबिक टिकट खिड़कियों पर काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है. फिल्म 5 सितंबर, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होने जा रही है और इसे इस साल की सबसे बड़ी एक्शन एंटरटेनर्स में से एक माना जा रहा है.

दर्शकों के उत्साह को और बढ़ाने के लिए निर्माताओं ने हाल ही में फिल्म का नया गाना 'मरजाना' रिलीज़ किया है. इस रोमांटिक और सोलफुल ट्रैक को मशहूर गायक बी प्राक और सिद्धांत मिश्रा ने अपनी आवाज़ दी है, जबकि इसके खूबसूरत बोल गीतकार समीर अंजान ने लिखे हैं दिग्गज गाने के वीडियो में टाइगर और हरनाज की केमिस्ट्री ने फैन्स का दिल जीत लिया है.

फिल्म की स्टारकास्ट की बात करें तो इसमें एक और बड़ा नाम जुड़ा है, संजय दत्त, वह इस फिल्म में एक बेहद खतरनाक और शक्तिशाली विलेन के रूप में दिखाई देंगे. उनका लुक और किरदार दोनों ही दर्शकों को चौंकाने वाले हैं. इसके अलावा सोनम बाजवा भी 'बागी 4' का अहम हिस्सा हैं और अपनी ग्लैमरस मौजूदगी से फिल्म में ताजगी लेकर आएंगी. निर्देशन की कमान ए. हर्ष ने संभाली है, जो कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री में 'बजरंगी' और 'वेधा' जैसी हिट फिल्मों के लिए जाने जाते हैं. हर्ष का डायरेक्शन स्टाइल रियलिज़्म और हाई-ऑक्टेन एक्शन का मिश्रण है और यही वजह है कि 'बागी 4' से उम्मीदें और भी बढ़ गई हैं. इस पूरी फ्रेंचाइज़ी की तरह ही 'बागी 4' का निर्माण मशहूर निर्माता साजिद नाडियाडवाला ने किया है, जिन्होंने हमेशा से ही बड़े स्केल और कमर्शियल मसाला फिल्मों के जरिए दर्शकों का मनोरंजन किया है.

'परम सुंदरी' की कमाई में आई भारी गिरावट

सिद्धार्थ मल्होत्रा और जाह्नवी कपूर स्टारर रोमांटिक कॉमेडी 'परम सुंदरी' को रिलीज हुए 6 दिन पूरे हो चुके हैं. 29 अगस्त को सिनेमाघरों में आई इस फिल्म को समीक्षकों से मिली-जुली प्रतिक्रियाएं मिली थीं. शुरुआती तीन दिनों में बॉक्स ऑफिस पर फिल्म ने ठीक-ठाक प्रदर्शन किया, लेकिन इसके बाद से कलेक्शन में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है. अब छठे दिन की कमाई के आंकड़े सामने आए हैं, जो अब तक के सबसे कम हैं. सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार, 'परम सुंदरी' ने रिलीज के छठे दिन 2.85 करोड़ रुपये की कमाई की. इस तरह फिल्म का कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन अब 37.10 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है. बता दें, फिल्म ने पहले दिन 7.25 करोड़ रुपये का कारोबार किया था, जबकि दूसरे दिन यह आंकड़ा बढ़कर 9.25 करोड़ रुपये हो गया. तीसरे दिन फिल्म ने 10.25 करोड़ रुपये, चौथे दिन 3.25 करोड़ रुपये और पांचवें दिन 4.25 करोड़ रुपये की कमाई की थी. 'परम सुंदरी' में पहली बार सिद्धार्थ मल्होत्रा और जाह्नवी कपूर की जोड़ी बड़े पर्दे पर नजर आई है.

मल्लखम्ब के कलाकारों ने समारोह में किया प्रदर्शन

रायगढ़ । छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में चल रहे चक्रधर समारोह में आठवां दिन बस्तर से आये मल्ल खम्ब के कलाकारों नाम रहा . जिसमें उन्होंने हैरत अँगेज ,कलेजा थाम लेने वाला , रोंगटे खड़े कर देने वाला, सांस थमा देने वाला अकल्पनीय ,टाइमिंग और बैलेंस , हिम्मत ,जीवटता का अद्भुत प्रदर्शन किया . जिसे देखकर आश्चर्य चकित रह गए दर्शकों की तालियों की गड़गड़ाहट से पूरा पंडाल गूंजता रहा . चक्रधर समारोह 2025 की तीन सितंबर की शाम उस समय अविस्मरणीय बन गई, जब अबूझमाड़ से आए मनोज प्रसाद के नेतृत्व में मल्लखंब दल ने मंच पर प्रवेश किया. परंपरा, अनुशासन और अद्भुत संतुलन के साथ खिलाडियों ने ऐसा प्रदर्शन किया कि पूरा कार्यक्रम स्थल रोमांचित हो उठा. बस्तर और नारायणपुर के छोटे-छोटे गांवों से निकलकर अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुँचे इंडियाज गॉट टैलेंट सीजन-10 के विजेता नरेंद्र गोटा और फुलसिंह सलाम ने अपने साथियों संग अद्भुत मल्लखंब कला की प्रस्तुति दी. मंच पर कलाकारों ने खंभे पर कौशल, कला व जिम्नास्टिक की अद्भुत मुद्राओं का प्रदर्शन किया, जिसने दर्शकों को रोमांचित कर दिया. इस प्रस्तुति ने साबित कर दिया कि सुदूर वनांचल की प्रतिभाएं अब विश्व मंच तक अपनी पहचान दर्ज करा रही हैं. समारोह में उपस्थित हजारों दर्शकों ने खड़े होकर तालियों से इन कलाकारों की सराहना की और उन्हें छत्तीसगढ़ का गौरव बताया. यह वही दल है जिसने 2023 में इंडियाज गॉट टैलेंट सीजन 10 जीतकर पूरे देश का दिल जीता था. इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भी इन कलाकारों ने भारत का परचम लहराया है. इन कलाकारों की सफलता के पीछे है अबूझमाड़ मल्लखंब अकादमी, जो 2018 से आदिवासी अंचलों के बच्चों को प्रशिक्षण देकर उन्हें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिला रही है. अब तक इस अकादमी के 500 से अधिक राष्ट्रीय पदक विजेता तैयार हो चुके हैं और 50 से अधिक बच्चे यहाँ रहकर शिक्षा एवं मल्लखंब की विधिवत ट्रेनिंग ले रहे हैं.

आचार्य प्रणव मिश्रा

मोबाइल नंबर 8210075897

मेष : परिश्रम से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी. पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए. कल का परिश्रम आज लाभ देगा. आलस्य का त्याग करें. कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा. दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा. शुभांक-2-5-7

वृष : जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी. दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे. महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा. आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी. कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी. बाहरी व अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा. शुभांक-5-6-7

मिथुन : परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी. व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी. नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें. लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे. समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा. शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे. शुभांक-5-6-9

कर्क : किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा. बुद्घि और धन का दुरूपयोग न करें व्यर्थ के आडम्बरों से बचें. अपनी परिसंपत्ति को संभालकर रखें. परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता हैं. मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी. बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी. शुभांक-1-6-7

सिंह : भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है. शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है. स्वास्थ्य मध्यम रहेगा. जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा. व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी. कार्यसिद्घि होने में देर नहीं लगेगी. आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा. ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा. शुभांक-2-5-6

कन्या : शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी. परिवार में कोई मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी. स्वास्थ्य उत्तम रहेगा. लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं. मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा. कारोबारी काम में प्रगति रहेगी. लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे. शुभांक-3-8-7

तुला : जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है. आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी. कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है. मान-सम्मान में वृद्घि होगी. अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे. रुपए पैसों की सुविधा मिल जाएगी. कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे. शुभांक-2-3-7

वृश्चिक :स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा. यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा. मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी. बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी. धन से लाभ होने लगेगा. घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी. शुभांक-2-6-8

धनु : बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी. व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी. नौकरी में पदोन्नति की संभावना है. मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है. ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा. धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग बना है. शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे. शुभांक-4-8-9

मकर : संतोष रखने से सफलता मिलेगी. नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी. शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी. मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा. कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा. खान-पान में सावधानी रखें. आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्घ हो रहे है. शुभांक-5-6-8

कुंभ : महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा. आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी. कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी. बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा. लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे. मान-सम्मान बढ़ेगा. शुभांक-6-8-9

मीन : शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे. स्वास्थ्य उत्तम रहेगा. परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी. व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी. बुरी संगति से बचें. नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें. अपनों का सहयोग प्राप्त होगा. मान-सम्मान बढ़ेगा. मन में अकाकरण चिंता के भाव जाग सकते हैं. शुभांक-3-6-8

इन बेसिक स्किल्स से बन पाएंगे एक बेहतर फैशन डिजाइनर...

आज के फैशन इंडस्ट्री में आपको क्रिएटिविटी और आर्ट से अधिक स्किल्स चाहिए। फैशन इंडस्ट्री में लगभग 3,400 मिलियन लेबर फोर्स जुड़ा है। फैशन इंडस्ट्री में बढ़ती डिमांड के कारण इस क्षेत्र में करियर के ऑप्शन भी बढ़ रहे हैं। लेकिन इस इंडस्ट्री में करियर बनाने के लिए आपको क्रिएटिविटी और आर्ट के अलावा भी कई ऐसे स्किल्स हैं जिसकी मदद से बेहतर करियर बनाया जा सकता है। आइए इस विषय पर चर्चा करते हैं।

बेहतर कम्युनिकेशन स्किल्स

एक सफल कोलॉबोरेशन के लिए एक फैशन डिजाइनर के रूप में अपने करियर को एक नए लेवल पर विस्तारित करने के लिए बेहतर कम्युनिकेशन की आवश्यकता होती है। अपने विचारों को साझा करना, विचार एकत्र करना और आलोचना करना उचित और उचित संचार पद्धति के साथ-साथ चलते हैं।

इफेक्टिव नीडल वर्क

एक फैशन डिजाइनर के रूप में, सिलाई सबसे बुनियादी स्किल्स में से एक बन जाती है। एक डिजाइनर के रूप में आपको अपने द्वारा डिजाइन किए गए कपड़े बनाने में सक्षम होना चाहिए। सब कुछ पूरी तरह से जुड़ जाता है जब आप एक शुरुआत के रूप में अपने डिजाइनों को शीट से बाहर लाने में शामिल तरीकों के अनुभवी ज्ञान की भावना विकसित करने के लिए कर सकते हैं।

अच्छे शैक्षणिक संस्थान

अगर फैशन डिजाइनर बनना होगा है आपकी जड़ें मजबूत होनी चाहिए। फैशन डिजाइनिंग का कोर्स करने से पहले यह जरूर चेक कर लें कि कौन-सा शैक्षिक संस्थान आपके लिए सबसे बेहतर होगा। इस विषय में इंटरनेट पर सारी जानकारियां मिल जाएंगी।

सहयोगात्मक और टीम स्किल्स

एक फैशन डिजाइनिंग के स्टूडेंट के रूप में टीम स्किल्स बहुत आवश्यक हो जाता है। फैशन डिजाइनिंग ड्रेस डिजाइन करने के अलावा और भी बहुत कुछ है। इसके लिए ऐसे लोगों के साथ एक टीम की आवश्यकता होती है जो समस्या-समाधान को संभाल सकें, मुद्दों का समाधान कर सकें, एक दूसरे के साथ सहयोग कर सकें।

फॉरेस्ट्री में बनाया जा सकता है बेहतर करियर

मिलती है अच्छी सैलरी

अगर आप जंगल और प्रकृति में दिलचस्पी लेते हैं तो आपके लिए फॉरेस्ट्री डिग्री एक बेहतर करियर का ऑप्शन प्रदान कर सकती है। आइए जान लेते हैं कि किन कारणों से फॉरेस्ट्री एक बेहतर करियर बन सकती है। फॉरेस्ट्री में करियर मिट्टी की हेल्थ, हाइड्रोलॉजी, पारिस्थितिक तंत्र मैनेजमेंट, एग्रीकल्चर, वन्यजीव संरक्षण, और लकड़ी की आपूर्ति श्रृंखला और कई अन्य क्षेत्रों में व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करता है।

बेहतर सैलरी भी करता है प्रदान

निजी और सरकारी दोनों क्षेत्रों में फॉरेस्ट्री का करियर उपलब्ध है। वनों की कटाई, ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन प्रभावों के कारण होने वाली प्राकृतिक आपदाओं में वृद्धि हो रही है जिसकी वजह से फॉरेस्ट्री में करियर की भी भारी मांग है। मांग के साथ-साथ यह अच्छी सैलरी भी प्रदान करता है।

क्लाइमेट चेंज के बढ़ते प्रभावों के कारण, जंगलों और पेड़ों की रक्षा में मदद करने के लिए दुनिया भर में स्पेशलाइज्ड फॉरेस्ट और कंजर्वेशन साइंटिस्ट की मांग अधिक है। फॉरेस्ट इंडस्ट्री को 2029 तक 5% बढ़ने का अनुमान है विशेष रूप से वाइल्ड फायर मैनेजमेंट के क्षेत्र में जिसमें जंगल की आग की रोकथाम आदि शामिल हैं।

स्वस्थ दिमाग को भी बढ़ावा देता है फॉरेस्ट्री

कई स्टडी से यह साबित हो चुका है कि पेड़ों और हरियाली के साथ और प्रकृति के बीच बाहर समय बिताना तनाव, चिंता को कम करने और मानसिक स्वास्थ्य में सुधार करने में मदद करता है। तो फॉरेस्ट्री एक ऐसा करियर है जो न केवल एक स्वस्थ पृथ्वी को बढ़ावा देता है, बल्कि एक स्वस्थ दिमाग को भी बढ़ावा देता है।

प्रतिष्ठित करियर है फॉरेस्ट्री

भारत में कुल 24.62% भौगोलिक क्षेत्र वनों और वृक्षों से भरा है। फॉरेस्ट्री में करियर बनाना वास्तव में एक प्रतिष्ठित काम है क्योंकि आप न केवल जैव विविधता की रक्षा कर रहे हैं बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए फूड सिक्योरिटी भी प्रदान कर रहे हैं।

इन स्कॉरशिप की मदद से कर सकते हैं विदेश में मुफ्त पढ़ाई

अगर आप भी विदेश जाकर पढ़ाई करना चाहते है, तो अपनी पढ़ाई के लिए इस तरह फंड जोड़ सकते है। लेकिन यह कैसे पता चलेगा कि कौन-सी स्कॉलरशिप आपके लिए सही है? आप देखेंगे कि स्कॉलरशिप अलग-अलग तरह की हो सकती हैं और आपको इसमें काफी रिसर्च भी करनी पड़ सकती है। विदेश में अध्ययन करने का निर्णय लेने के बाद, आपको जरूरी फंडिंग इकट्ठी करनी पड़ती है जिसमें कॉलेज फीस, रहने का खर्च जैसी चीजें भी शामिल होती हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं फंडिंग जोड़ने के लिए आप कई सारी स्कॉलरशिप अप्लाई कर सकते हैं, जो आपकी पढ़ाई में मदद करेंगी।

स्पोर्ट्स स्कॉलरशिप

अगर आप केवल एक खेल का अभ्यास करना चाहते हैं और कॉलेज या विश्वविद्यालय की टीम के सदस्य बनना चाहते हैं, तो आप स्कॉलरशिप के लिए क्वालिफाइ कर सकते हैं। यह स्कॉलरशिप आपको कॉलेज/विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की जाती है। अच्छी खबर यह है कि जरूरी नहीं आप जिस खेल का अभ्यास करते हैं उसमें बहुत अच्छा हो। कभी-कभी लोकल रूप या अलग-अलग ऑर्गनाइजेशन इन स्पोर्ट्स स्कॉलरशिप की पेशकश कर सकते हैं और वे आमतौर पर स्पोर्ट्स क्राइटेरिया देख सकते हैं।

विश्वविद्यालयों द्वारा दी जाने वाली स्कॉलरशिप

इस क्राइटेरिया द्वारा विश्वविद्यालय स्कॉलरशिप प्रदान करते हैं- अकादमिक में अच्छे हों और स्टूडेंटों को एक निश्चित आयु सीमा (उदाहरण के लिए 35 वर्ष से कम आयु) का होना चाहिए। इसके अलावा, आप देखेंगे कि हर कॉलेज या यूनिवर्सिटी एक डिग्री लेवल के लिए विशेष स्कॉलरशिप प्रस्ताव देती है।

इस स्कॉलरशिप में ये सभी फंड दिए जाते हैं

- ट्यूशन फीस
- हर महीने का रहने का खर्च
- इकोनॉमी क्लास की फ्लाइट टिकेट
- आवश्यक खर्चों के लिए अतिरिक्त अनुदान और भत्ते

स्पेसिफिक स्कॉलरशिप

अधिकतर विशिष्ट यानि स्पेसिफिक स्कॉलरशिप एक निश्चित जातीय पृष्ठभूमि या पारिवारिक संबद्धता वाले स्टूडेंटों को दी जाती है। ये स्कॉलरशिप जातीय अल्पसंख्यकों को लाभ पहुंचाने के लिए बनाई गई है। कुछ देशों (बेल्जियम, फ्रांस, यू.एस. आदि) में, स्थानीय सरकार कुछ देशों से आने वाले स्टूडेंटों को स्कॉलरशिप प्रदान करती है। उदाहरण के लिए, बेल्जियम अफ्रीकी, दक्षिण अमेरिकी और एशियाई देशों से आने वाले उम्मीदवारों को विशेष स्कॉलरशिप प्रदान करते हैं। ये कार्यक्रम अल्पसंख्यक स्टूडेंटों को उन क्षेत्रों में शिक्षा प्राप्त करने में मदद करने के लिए भी है, जिनमें उनका ऐतिहासिक रूप से कम प्रतिनिधित्व किया गया है। कुछ संगठन दिव्यांग, सीखने की अक्षमता और दुर्बल करने वाली स्वास्थ्य स्थितियों वाले स्टूडेंटों को स्कॉलरशिप प्रदान करते हैं।

मेरिट-बेस्ड स्कॉलरशिप- फैलोशिप

योग्यता-आधारित स्कॉलरशिप कई क्राइटेरिया के आधार पर दी जाती है जिनमें हॉबी, टेलेंट, अचीवमेंट्स, अकादमी या करियर स्कोप शामिल हैं। ये स्कॉलरशिप संघीय और राज्य सरकार, बड़े निगमों, स्थानीय व्यवसायों, पेशेवर संगठनों या विश्वविद्यालयों द्वारा प्रदान की जा सकती है।

स्टूडेंट लोन

विदेश में पढ़ाई के लिए स्टूडेंट लोन वह राशि है, जिसे आपको वापस चुकाना होता है। वे कुछ अंतरों के साथ किसी भी अन्य लोन की तरह कार्य करते हैं। आप सरकार या निजी बैंक से स्टूडेंट लोन प्राप्त कर सकते हैं; यह आपके देश का एक बैंक या एक विदेशी बैंक हो सकता है, जिस देश में आप अपनी पढ़ाई करना चाहते हैं।

निजी स्टूडेंट लोन के लिए सह-हस्ताक्षर (माता-पिता या कानूनी ट्यूटर के साथ) बहुत आम है क्योंकि अधिकांश स्टूडेंट के पास लोन लेने के लिए क्रेडिट इतिहास नहीं होता है। हालांकि, आप सरकार से जो स्टूडेंट लोन प्राप्त कर सकते है, वे अधिक अनुकूल होते हैं क्योंकि दरें आमतौर पर कम होती हैं। कुछ लोन फाइनेंशियल जरूरतों पर आधारित होते हैं।

खेल में करियर बनाने के लिए जरूरी हैं ये बातें

पिछले कुछ वर्षों से भारत में क्रिकेट के साथ-साथ टेनिस, हॉकी, कबड्डी, फुटबॉल आदि खेलों में भी युवाओं की दिलचस्पी लगातार बढ़ रही है। आउटडोर व इनडोर खेले जाने वाले ऐसे तमाम स्पोर्ट्स हैं, जिनमें से आप अपनी पसंद के अनुसार किसी एक को चुनकर उसे अपना पैशन बना सकते हैं। अगर आप किसी खेल के दीवाने हैं, दिन-रात हर समय आंखों के सामने वही छाया रहता है, तो फिर अपने इस शौक को जुनून बनाने से पीछे न हटें। घर-परिवार को कनविंस करें, स्कूल-कॉलेज या क्लब की टीम में शामिल हों और हर मोर्चे पर सक्रिय रहते हुए अपनी अलग पहचान बनाएं। कुछ नया और अलग करने का प्रयास करके ही आप दूसरों की नजरों में आ सकते हैं और लगातार आगे बढ़ने का मौका हासिल कर सकते हैं। जरूरी नहीं कि आप क्रिकेट ही खेलें, आप अपनी पसंद के अनुसार हॉकी, फुटबॉल, कबड्डी, टेनिस, तीरंदाजी, बॉक्सिंग, कुश्ती, वेटलिफ्टिंग आदि जैसे खेल या फिर शतरंज, टेबल टेनिस आदि जैसे इनडोर गेम्स को भी चुन सकते हैं।

आम से बनें खास

सचिन तेंडुलकर से लेकर महेंद्रसिंह धोनी और विराट कोहली तक तमाम खिलाड़ी सामान्य मध्यमवर्गीय परिवारों से निकले हैं, जिन्होंने अपनी मेहनत, लगन और जज्बे से दुनिया भर में देश का नाम रोशन किया। मगर ये युवा कामयाबी के शिखर पर इसलिए पहुंच पाए, क्योंकि इन्होंने जिस खेल को पसंद किया, उसमें पूरी तरह डूब गए। दिन-रात सीखते रहने के जज्बे से वे बिना रुके लगातार आगे बढ़ते गए। जिसके घर-परिवार, माता-पिता को शायद पूरा शहर भी नहीं जानता था, उसे देश क्या, दुनिया जानने पहचानने लगी। आप भी जो खेल पसंद करें, अगर उसमें अपनी पहचान बनाना चाहते हैं, तो उसे आधे-अधूरे मन से खेलने या टाइम-पास करने के बजाए रणनीति बनाकर उसमें आगे बढ़ें। माता-पिता को इसके लिए सहमत करें। आपकी प्रतिभा देख वे भी आपको आगे बढ़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।

अति-आत्मविश्वास नहीं

तैयारी की दिशा में आगे बढ़ते हुए आपकी नजर हमेशा लक्ष्य पर होनी चाहिए। जरूरी नहीं कि लक्ष्य हमेशा एक ही रहे। एक उपलब्धि पाने के बाद स्वाभाविक रूप से आपका लक्ष्य उससे बड़ा हो जाता है। हां, एक बात हमेशा गांठ बांधकर रखें- अपनी उपलब्धियों को लेकर कभी भी अति-आत्मविश्वासी न हों। उपलब्धियों पर खुश जरूर हों लेकिन खुशी को कभी भी गुरूर न बनने दें। इससे आपके पैर हमेशा जमीन पर रहेंगे और आप लगातार अच्छे प्रदर्शन की दिशा में बढ़ते रहेंगे। हां, नकारात्मक बातों या हार के बारे में सोचने के बजाए हमेशा आत्मविश्वास से भरे रहें और जीत के बारे में ही सोचें।

सीखने को रहें तत्पर

किसी भी क्षेत्र में कभी कोई शत-प्रतिशत पूर्ण या पारंगत नहीं होता। ऐसे में सीखने के लिए हमेशा तत्पर रहना चाहिए। आप किसी से भी सीख सकते हैं, फिर वह उम्र में आपसे बड़ा हो या छोटा। हो सकता है कि प्रतिद्वंद्वी टीम या उसके खिलाड़ी से आपको कुछ सीखने को मिल जाए। आप तभी सीख सकते हैं, जब आप इसके लिए उत्सुक रहेंगे। अपना दिमाग, आंखें और कान खुले रखेंगे।

हार से सबक

हो सकता है कि आप कभी किसी टीम या खिलाड़ी से बार-बार हार रहे हों। इससे आपकी हताशा बढ़ रही हो। आप अपना प्रदर्शन सुधारने के लिए जितना परेशान होते हैं, परिणाम और बुरा होता जाता है। अगर कभी ऐसा होता है, तो चिंतित होने के बजाए सबसे पहले यह सोचें कि आखिर आपसे चूक कहां हो रही है। आखिर ऐसी कौन-सी कमजोरी है, जिसका फायदा प्रतिद्वंद्वी को मिल रहा है? उस कमजोरी को तलाशें और थोड़ी अतिरिक्त मेहनत करके उस पर काबू पाएं। हो सके, तो इस बारे में किसी कोच या सीनियर खिलाड़ी की मदद भी लें।

भारतीय क्रिकेटर जसप्रीत बुमराह बनाम पाकिस्तान के शोएब अख्तर में कौन सबसे खौफनाक? अपना वाला बॉलर है ज्यादा खतरनाक

पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा का बयान पाकिस्तानियों को पसंद नहीं आएगा

एजेंसियां। नयी दिल्ली

एक वक्त था जब बल्लेबाजों के लिए शोएब अख्तर खौफ का दूसरा नाम थे. उनकी तेज रफ्तार वाली गेंदों को फेस करने में बड़े-बड़े सूरमा बल्लेबाजों के पैर कांपते थे. एक आज का दौर है जब जसप्रीत बुमराह सबसे खतरनाक गेंदबाजों में शामिल हैं. इस बीच भारत और पाकिस्तान दोनों ही आगामी एशिया कप में आमने-सामने होंगे, जिसकी मेजबानी यूएई में की जाएगी. यह हाई-वोल्टेज मुकाबला 14 सितंबर को दुबई में खेला जाएगा.

अगर दोनों टीमें सुपर 4 के लिए क्वालीफाई कर जाती हैं तो उनके 21 सितंबर को फिर से खेलने की संभावना है. महामुकाबले से पहले पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा से हाल ही में भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर में से किसी एक को चुनने के लिए कहा गया. एशिया कप से पहले चोपड़ा से जब पूछा गया कि क्या पहले शोएब अख्तर का सामना करना ज्यादा मुश्किल था या अब जसप्रीत बुमराह का.

इस पर चोपड़ा ने जो जवाब दिया वह पाकिस्तानी पेसर के चाहने वालों को कुछ खास पसंद नहीं आएगा. भारतीय तेज गेंदबाज बुमराह ने 48 टेस्ट मैच खेले हैं और 219 विकेट लिए हैं. इसके अलावा उन्होंने 89 वनडे और 70 टी20 मैच खेले हैं, जिनमें क्रमशः 149 और 89 विकेट लिए हैं. पूर्व सलामी बल्लेबाज से पूछा गया कि वह किस बल्लेबाज का मैच देखने के लिए पैसे खर्च करेंगे. चोपड़ा ने स्टार भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली को चुना. विराट कोहली ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 2024 के टी20 विश्व कप में भारत की जीत के बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों से संन्यास की घोषणा की. इसके बाद उन्होंने जून 2025 में टेस्ट क्रिकेट से भी संन्यास ले लिया और अब केवल वनडे में ही एक्टिव हैं. शोएब अख्तर ने पाकिस्तान के लिए टेस्ट क्रिकेट में 46 मैचों में 178 विकेट झटके हैं, जबकि 11 रन देकर 6 विकेट झटकने का बेस्ट बॉलिंग रिकॉर्ड है. 2 बार उन्होंने मैच में 10 विकेट झटके, जबकि 12 बार 5 या उससे अधिक विकेट लिए. वनडे करियर में उन्होंने 163 मैच खेले, जबकि 247 विकेट अपने नाम किए. टी20 इंटरनेशनल में पाकिस्तानी पेसर के नाम 15 मैचों में 19 विकेट दर्ज हैं.

एशिया कप में जितेश शर्मा का भविष्य

चोपड़ा ने एशिया कप टी20 से पहले टीम इंडिया के लिए एक और अहम अनुमान भी लगाया. उन्होंने कहा कि आगामी एशिया कप में जितेश शर्मा को प्लेइंग-11 में शामिल किया जा सकता है. चोपड़ा ने जितेश के आईपीएल 2025 में शानदार प्रदर्शन का हवाला देते हुए कहा कि उनके नंबर और स्ट्राइक रेट में बहुत सुधार आया है, जो नंबर चार से सात तक बल्लेबाजी क्रम में उन्हें सबसे ऊंचा दर्जा देते हैं.

आकाश चोपड़ा ने की जितेश की तारीफ

आकाश चोपड़ा ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'मुझे लगता है कि जितेश शर्मा एशिया कप में इलेवन का हिस्सा होंगे. हमें पोजिशन एक से तीन पर ज्यादा सोचने की जरूरत नहीं है क्योंकि उन्हें वहां मौका नहीं मिलेगा, लेकिन चार से सात नंबर पर उनकी संख्याएं काफी बेहतर हुई हैं. उनका स्ट्राइक रेट 166 है और औसत 28 का है। वह पहले ऐसे बल्लेबाज हैं जिनका स्ट्राइक रेट 150 से ऊपर है. तो जब बैटिंग ऑर्डर तैयार होगा तो वह सबसे ऊपर होंगे. जितेश शर्मा की संख्याएं बाकी सभी के मुकाबले सबसे अच्छी लगी हैं। वह चमक रहे हैं और नंबर एक पर नजर आ रहे हैं. मैं सच में उम्मीद करता हूं कि उनका एशिया कप अच्छा जाए.

आरसीबी की जीत में जितेश की भूमिका

जितेश, जिन्होंने अब तक भारत के लिए नौ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं. वह रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की आईपीएल 2025 जीत में अहम कड़ी साबित हुए. उन्होंने बतौर फिनिशर 261 रन बनाए और उनका स्ट्राइक रेट 176 का रहा. इन प्रदर्शनों ने उन्हें भारत की टी20 टीम में एशिया कप के लिए दोबारा जगह दिलाने में मदद की, जो नौ से 28 सितंबर तक यूएई में खेला जाना है. भारत अपने अभियान की शुरुआत 10 सितंबर को यूएई के खिलाफ मुकाबले से करेगा. 14 सितंबर को भारत और पाकिस्तान की टीमें आमने-सामने होंगी.

एशिया कप : पिछले 10 संस्करणों के भारत के रहे कई हीरो

विराट कोहली के नाम सर्वाधिक रन पठान ने झटके सबसे ज्यादा विकेट

एजेंसियां। नयी दिल्ली

एशिया कप का काउंटडाउन शुरू हो चुका है. नौ सितंबर से टूर्नामेंट का आगाज होगा, जिसमें भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत 10 सितंबर को यूएई के खिलाफ मैच से करेगी. भारत इस टूर्नामेंट का गत विजेता है और इस बार भी ट्रॉफी बरकरार रखने पर उसकी नजरें होंगी. ओवरऑल रिकॉर्ड पर नजर डालें तो,भारतीय टीम आठ खिताबों (सात वनडे और एक टी20 अंतरराष्ट्रीय) के साथ इस टूर्नामेंट की सबसे सफल टीम है जबकि श्रीलंका छह खिताबों के साथ दूसरी सबसे सफल टीम है. वहीं, पाकिस्तान ने दो खिताब जीते हैं. एशिया कप हमेशा से भारतीय क्रिकेटरों के लिए अपने प्रदर्शन का लोहा मनवाने का मंच रहा है. साल 2000 से अब तक हर संस्करण में किसी न किसी भारतीय बल्लेबाज या गेंदबाज ने शानदार खेल दिखाया और टीम इंडिया की ताकत बने.

एशिया कप 2000 (ट्रॉफी जीता-पाकिस्तान) : 2000 में सौरव गांगुली ने 156 रन बनाकर बल्ले से कमाल दिखाया, वहीं अजीत आगरकर ने गेंदबाजी में पांच विकेट झटके. इस शानदार प्रदर्शन के बावजूद भारतीय टीम ट्रॉफी नहीं जीत पाई थी. पाकिस्तान की टीम ने एशिया कप की पहली ट्रॉफी साल 2000 में ही उठाई थी.

एशिया कप 2004 (ट्रॉफी जीता-श्रीलंका) : 2004 में भारत के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने 281 रन बनाए और इरफान पठान ने 14 विकेट लेकर पूरे टूर्नामेंट में छाप छोड़ी. हालांकि, दोनों टीम को जीत नहीं दिला पाए थे. श्रीलंका ने खिताब अपने नाम किया था.

एशिया कप 2008 (ट्रॉफी जीता-श्रीलंका) : 2008 का एशिया कप सुरेश रैना के नाम रहा, जिन्होंने 372 रन ठोके और उस संस्करण के सबसे सफल बल्लेबाज बने. गेंदबाजी में आरपी सिंह ने मोर्चा संभाला. उन्होंने कुल सात विकेट अपने नाम किए. एशिया कप 2008 की ट्रॉफी श्रीलंका ने उठाई थी.

एशिया कप 2010 (ट्रॉफी जीता-भारत) : 2010 में गौतम गंभीर (203 रन) ने बल्ले से टीम को सहारा दिया, जबकि गेंदबाजी में आशीष नेहरा, जहीर खान और प्रवीण कुमार ने 6-6 विकेट हासिल किए. इस शानदार प्रदर्शन के कारण ही भारत ने ट्रॉफी अपने नाम की थी.

एशिया कप 2012 (ट्रॉफी जीता-पाकिस्तान): 2012 में विराट कोहली ने धमाकेदार प्रदर्शन किया था. उन्होंने कुल 357 रन बनाए थे और टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज बनने का गौरव हासिल किया था. इस दौरान गेंदबाजी में रविचंद्रन अश्विन, इरफान पठान और प्रवीण कुमार ने 5-5 विकेट झटके थे. एशिया कप 2012 का खिताब पाकिस्तान ने जीता था.

एशिया कप 2014 (ट्रॉफी जीता-श्रीलंका) : 2014 में भारत के लिए शिखर धवन ने सर्वाधिक 192 रन बनाए थे. वहीं, रविचंद्रन अश्विन और मोहम्मद शमी ने 9-9 विकेट झटके थे. इस संस्करण का खिताब एक बार फिर श्रीलंका ने जीता था.

एशिया कप 2016 (ट्रॉफी जीता-भारत (टी20) : यह पहला मौका था जब एशिया कप टी20 प्रारूप में खेला गया था. भारत ने यह संस्करण जीता था. उसके लिए विराट कोहली ने सर्वाधिक 153 रन बनाए और हार्दिक पांड्या ने सबसे ज्यादा सात विकेट झटके थे.

एशिया कप 2018 (ट्रॉफी जीता-भारत) : गत विजेता भारत ने 2018 में वनडे प्रारूप में खेले गए एशिया कप का खिताब बरकरार रखा था. इस संस्करण में भारत के लिए शिखर धवन ने 342 रन बनाकर बल्ले से चमक बिखेरी थी. वहीं, कुलदीप यादव ने 10 विकेट हासिल किए थे.

एशिया कप 2022 (ट्रॉफी जीता-श्रीलंका (टी20) : 2022 में विराट कोहली (276 रन) और भुवनेश्वर कुमार (11 विकेट) भारतीय टीम के सितारे बने थे. टी20 प्रारूप में खेले गए इस टूर्नामेंट का खिताब श्रीलंका ने अपने नाम किया था.

एशिया कप 2023 (ट्रॉफी जीता-भारत) : वनडे प्रारूप में खेले गए एशिया कप 2023 में भारत के लिए शुभमन गिल ने 302 रन बनाए थे जबकि मोहम्मद सिराज ने अपनी घातक गेंदबाजी से 10 विकेट झटके थे. खिताबी मुकाबले में सिराज का स्पैल ऐतिहासिक जीत की वजह बना था. अब सभी की नजरें 2025 के एशिया कप पर हैं, जहां टीम इंडिया से एक बार फिर किसी नए हीरो के उभरने की उम्मीद होगी.

जीएसटी स्लैब में बदलाव: खेल सेक्टर पर बड़ा असर, आईपीएल टिकटों पर 40% टैक्स

एजेंसियां। नयी दिल्ली

भारत में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की नई दरों का असर अब खेल जगत पर भी गहराई से पड़ने वाला है. हाल ही में जीएसटी काउंसिल ने स्लैब में बदलाव करते हुए खेल और उससे जुड़े आयोजनों पर टैक्स को लेकर महत्वपूर्ण फैसले लिए हैं.

टिकट पर 40% जीएसटी : सबसे बड़ा बदलाव क्रिकेट के इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) जैसे आयोजनों पर देखने को मिलेगा. अब आईपीएल जैसे खेल आयोजनों में प्रवेश (टिकट) पर 40 प्रतिशत जीएसटी लगेगा. इसका सीधा असर टिकट की कीमतों पर पड़ेगा और दर्शकों की जेब पर अतिरिक्त बोझ बढ़ सकता है. हालांकि, यह 40 प्रतिशत की दर सिर्फ आईपीएल जैसे आयोजनों पर लागू होगी.

500 रुपये से अधिक के टिकटों पर... : दूसरी ओर, मान्यता प्राप्त खेल आयोजनों पर यह भारी कर नहीं लगाया जाएगा. यदि किसी मान्यता प्राप्त खेल आयोजन का टिकट 500 रुपये तक है तो वह पहले की तरह जीएसटी से मुक्त रहेगा. वहीं 500 रुपये से अधिक कीमत वाले टिकटों पर 18 प्रतिशत की दर से जीएसटी जारी रहेगा. यानी, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के मान्यता प्राप्त खेल टूर्नामेंटों के दर्शकों पर अतिरिक्त बोझ नहीं डाला जाएगा.

इन पर सरकार ने कसी नकेल : इसके अलावा, जीएसटी परिषद ने सट्टेबाजी, जुए, लॉटरी, घुड़दौड़ और ऑनलाइन मनी गेमिंग जैसी गतिविधियों को भी 40 प्रतिशत कर दायरे में लाने का फैसला किया है. यह फैसला न केवल इन क्षेत्रों के कारोबार को प्रभावित करेगा बल्कि सरकार को अतिरिक्त राजस्व भी दिला सकता है. लोकप्रियता पर पड़ेगा असर.

अमित मिश्रा का क्रिकेट को अलविदा: 25 साल बाद लिया संन्यास

नयी दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी लेग स्पिनर अमित मिश्रा ने गुरुवार को क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा कर दी. 25 साल लंबे करियर के बाद मिश्रा ने एक भावुक पोस्ट के ज़रिए खेल को अलविदा कहा. उन्होंने लिखा आज, 25 वर्षों के बाद, मैं क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर रहा हूं. यह खेल मेरा पहला प्यार, मेरा शिक्षक और मेरी खुशी का सबसे बड़ा स्रोत रहा है.

अमित मिश्रा का इंटरनेशनल करियर
वनडे डेब्यू : 2003 बनाम साउथ अफ्रीका
टेस्ट डेब्यू : 2008
टी20 डेब्यू : 2010

कुल इंटरनेशनल मैच
22 टेस्ट – 76 विकेट, 36 वनडे – 64 विकेट, 10 टी20 – 16 विकेट
उनका अंतिम अंतरराष्ट्रीय मैच फरवरी 2017 में इंग्लैंड के खिलाफ टी20 के रूप में दर्ज है.

अमित मिश्रा का आईपीएल करियर:
आईपीएल डेब्यू: 2008 (दिल्ली डेयरडेविल्स के लिए)
कुल मैच : 162, **कुल विकेट** : 174
टीमें: दिल्ली कैपिटल्स, डेक्कन चार्जर्स, सनराइजर्स हैदराबाद, लखनऊ सुपर जायंट्स
आखिरी सीजन: आईपीएल 2024

अमित मिश्रा आईपीएल इतिहास के सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों में शामिल हैं. उन्हें हैट्रिक लेने वाले गिने-चुने गेंदबाजों में भी शुमार किया जाता है. उनको खेल प्रेमी बहुत समय तक याद रखेंगे.

एमएस धौनी क्रिकेट छोड़ टेनिस का उठा रहे लुत्फ

एजेंसियां। नयी दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान एमएस धौनी पिछले दिनों आईपीएल से रिटायरमेंट अफवाह के कारण चर्चा में बने रहे हैं. इंडियन प्रीमियर लीग का अगला सीजन आने में अभी करीब 7 महीने बाकी हैं, लेकिन उससे पहले धौनी को यूएस ओपन टेनिस के क्वार्टरफाइनल मैच का लुत्फ उठाते देखा गया.

दरअसल सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें दावा किया जा रहा है कि धौनी नोवाक जोकोविच और टेलर फ्रिट्ज का क्वार्टरफाइनल मैच देखने पहुंचे. वायरल वीडियो में एमएस धौनी को हितेश सांघवी नाम के एक बिजनेसमैन के साथ देखा गया है. हितेश ने इसका एक वीडियो भी शेयर किया है. रिपोर्ट्स की मानें तो धौनी इस समय यूएस में छुट्टियां मना रहे हैं, इसी बीच उन्होंने यूएस ओपन का क्वार्टरफाइनल मैच देखने का समय निकाला. क्वार्टरफाइनल मुकाबले में जोकोंविच ने फ्रिट्ज को 6-3, 7-5, 3-6, 6-4 से हराया. अब सेमीफाइनल में जोकोविच की भिड़ंत कार्लोस अल्काराज से होगी.

टेलर फ्रिट्ज के खिलाफ इस जीत से नोवाक जोकोविच ऐसे सबसे उम्रदराज टेनिस खिलाड़ी बन गए हैं, जो एक साल के भीतर सभी ग्रैंडस्लैम के क्वार्टरफाइनल तक पहुंचे हों. यह जोकोविच का यूएस ओपन में 14वां क्वार्टरफाइनल मैच रहा. इस मामले में उन्होंने रोजर फेडरर को पीछे छोड़ दिया है. अब उनसे आगे सिर्फ जिमी कॉनर्स (17) हैं.

क्या आईपीएल 2026 में खेलेंगे धौनी : एमएस धौनी इंडियन प्रीमियर लीग से संन्यास लेंगे या नहीं, इस पर उन्होंने ना तो हामी भरी है और ना ही रिटायरमेंट से इनकार किया है. धौनी का कहना था कि फैसला लेने के लिए उनके पास अभी काफी समय बचा हुआ है और अपने करियर पर अगले सीजन से पहले फैसला लेंगे. धौनी को आईपीएल 2025 में घुटने की समस्या से जूझते देखा गया था. फिटनेस संबंधी समस्याएं धौनी को रिटायरमेंट लेने पर मजबूर कर सकती हैं.

एशिया कप से पहले लगातार तीसरी टी20 सीरीज जीत से उत्साहित हैं लिटन दास

एजेंसियां। ढाका

बांग्लादेश टी20 टीम के कप्तान लिटन कुमार दास ने कहा है कि उनकी टीम आगामी एशिया कप के लिए पूरी तरह तैयार है. टूर्नामेंट का आगाज़ 9 सितंबर से यूएई में होने जा रहा है.बांग्लादेश ने हाल ही में नीदरलैंड्स को तीन मैचों की टी20 सीरीज में 2-0 से हराया. तीसरा मुकाबला बारिश की भेंट चढ़ गया. यह बांग्लादेश की लगातार तीसरी टी20 सीरीज जीत है. इससे पहले उन्होंने श्रीलंका और पाकिस्तान को हराया था. लिटन ने टीम की इस सफलता का श्रेय प्री-सीरीज कैंप को दिया. टीम ने पहले ढाका में फिटनेस कैंप लगाया और फिर सिलहट में स्किल कैंप आयोजित किया, जहां बेहतर पिचों पर खिलाड़ियों ने अभ्यास किया. लिटन ने कहा, "मुझे लगता है हम एशिया कप के लिए अच्छी तरह तैयार हैं. जो कैंप हमने किया था, वह सिर्फ इस सीरीज के लिए नहीं था, बल्कि एशिया कप को ध्यान में रखकर किया गया था. मैंने पहले कभी इतना अच्छा कैंप नहीं देखा." उन्होंने आगे कहा, "फिटनेस तो मीरपुर में भी हो सकती थी, लेकिन जिस तरह की प्रैक्टिस की ज़रूरत थी, वह केवल सिलहट में संभव थी. कुल मिलाकर यह यात्रा हमारे लिए बहुत फायदेमंद रही." लिटन ने इस दौरान खिलाड़ियों को मिले मैच टाइम को भी अहम बताया. "जिसे भी खेलने का मौका मिला, उसने अच्छा प्रदर्शन किया. सिर्फ सैफुद्दीन ही कुछ खास नहीं कर पाए.

बीसीसीआई में जल्द चुनाव, राजीव शुक्ला प्रेसिडेंट बनेंगे या नहीं?

आईपीएल चेयरपर्सन की नौकरी भी खतरे में

एजेंसियां। नयी दिल्ली

बीसीसीआई में जल्द ही चुनाव होने वाले हैं. पूर्व भारतीय क्रिकेटर रोजर बिन्नी के अध्यक्ष पद से रिटायर होने बाद ये पोस्ट खाली हो गई है. इस समय राजीव शुक्ला बीसीसीआई के कार्यकारी अध्यक्ष हैं. आईपीएल के चेयरपर्सन अरुण धूमल का पद भी खाली हो सकता है. अरुण धूमल को अक्टूबर में बीसीसीआई में अलग-अलग पदों पर काम करते हुए छह साल पूरे होने वाले हैं, जिसके बाद उनका तीन साल का कूलिंग-ऑफ पीरियड शुरू होगा, जिसके तहत वे तीन साल बीसीसीआई में अफसर नहीं रहेंगे.

चुनाव में कई बड़े सवाल : बीसीसीआई में होने वाले इलेक्शन से पहले कई सवाल खड़े हो गए हैं, जिसमें बीसीसीआई के अध्यक्ष से लेकर आईपीएल चेयरपर्सन के पद पर कौन बैठेगा, ये अब इलेक्शन के बाद ही पता चल पाएगा. सबसे बड़ा सवाल ये है कि क्या राजीव शुक्ला ही बीसीसीआई के अध्यक्ष बनेंगे. राजीव शुक्ला कई सब-कमेटी, कमेटी, आईपीएल चेयरपर्सन और भारतीय टीम के मैनेजर जैसे कई रोल निभा चुके हैं और काफी लंबे समय से बोर्ड के साथ जुड़े हुए हैं. राजीव शुक्ला 2020 में बीसीसीआई के उपाध्यक्ष बने. राजीव शुक्ला अगर बीसीसीआई के अध्यक्ष चुने जाते हैं, तब उनका कार्यकाल दिसंबर 2026 में पूरा हो जाएगा. सुप्रीम कोर्ट के 2022 में आए फैसले के मुताबिक, कोई भी अधिकारी छह साल तक ही इस अथॉरिटी में अफसर रह सकता है. बीसीसीआई में ऑफिस बियरर के चार पद हैं, जिसमें अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सेक्रेटरी और ट्रेजरर का पद शामिल है. राजीव शुक्ला अध्यक्ष बनते हैं, तब उन्हें दिसंबर 2026 में इस पद से हटना होगा.

अरुण धूमल का कूलिंग ऑफ पीरियड : दूसरा सवाल ये है कि क्या आईपीएल चेयरपर्सन अरुण धूमल को कूलिंग ऑफ पीरियड पूरा करना होगा. धूमल 2019 में ट्रेजरर बने थे. 2022 में आईपीएल चेयरपर्सन बनाए गए. धूमल ने बीसीसीआई में 6 साल तो पूरे कर लिए हैं, लेकिन ऑफिस बियरर के तौर पर तीन साल ही हुए हैं. एक रिपोर्ट के मुताबिक, अगर अरुण धूमल को कूलिंग ऑफ पीरियड पर जाना होता है, तब अनिरुद्ध चौधरी को आईपीएल चेयरपर्सन बनाया जा सकता है.

महिला वर्ल्ड कप | वनडे में सिर्फ एक चौका लगाने वाली खिलाड़ी की विश्व कप में एंट्री

17 साल है करबो मेसो की उम्र, एबी डिविलियर्स ने दी है ट्रेनिंग

एजेंसियां। जोहानिसबर्ग

भारत और श्रीलंका की मेजबानी में महिला विश्व कप का आयोजन होना. साउथ अफ्रीका ने अपनी टीम का ऐलान किया है, जिसमें एक 17 साल की खिलाड़ी को शामिल किया है. उनका नाम करबो मेसो है. उनका विश्व कप टीम में शामिल होना इसलिए भी हैरानी की बात है, क्योंकि उनके नाम इंटरनेशनल क्रिकेट में सिर्फ एक चौका है, जबकि 2 मैचों में 16 रन बनाए हैं. हालांकि, उनसे टीम को बड़ी उम्मीदें हैं. इसकी वजह यह है कि उन्हें एबी डिविलियर्स ने ट्रेनिंग दी है.

उन्होंने दुनिया के सबसे विस्फोटक बल्लेबाजों में से एक एबीडी ने एक सेशन साथ बिताया था. वह भी एबी डिविलियर्स की तरह विकेटकीपर बल्लेबाज हैं. स्कूल लीग में शतक ठोक चुकी हैं. इसी साल मार्च में उन्होंने साउथ अफ्रीका के लिए टी20 इंटरनेशनल टीम में डेब्यू किया. 2023 और 2025 अंडर-19 विश्व कप में भी साउथ अफ्रीका के लिए खेल चुकी हैं. इस टीम में पूर्व कप्तान डेन वैन नीकेर्क शामिल नहीं हैं, जिन्होंने पहले संन्यास लेने का अपना फैसला बदल दिया था. उम्मीद थी कि टूर्नामेंट पूर्व शिविर में शामिल होने के बावजूद नीकेर्क को टीम में जगह नहीं मिलेगी. टीम की कप्तानी लॉरा वोल्वार्ड्ट करेंगी और इसमें पूर्व कप्तान सुने लुस, मारिजैन काप, क्लो ट्रायोन और अयाबोंगा खाका जैसी अनुभवी खिलाड़ी शामिल हैं.

दक्षिण अफ्रीका अपने टूर्नामेंट के पहले मैच में 3 अक्टूबर को गुवाहाटी में इंग्लैंड से भिड़ेगा, जबकि उसका मुकाबला 9 अक्टूबर को विशाखापत्तनम में टूर्नामेंट के मेजबान भारत से होगा. यही टीम विश्व कप से पहले लाहौर में पाकिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला (16, 19 और 22 सितंबर को) भी खेलेगी.

वनडे विश्व कप 2025 के लिए साउथ अफ्रीका टीम

लौरा वोल्वार्ड्ट (कप्तान), अयाबोंगा खाका, क्लो ट्रायॉन, नादिन डी क्लार्क, मारिजैन काप, ताजमिन ब्रिट्स, सिनालो जाफ्ता (विकेटकीपर), नॉनकुलुलेको म्लाबा, एनेरी डर्कसन, एनेके बॉश, मसाबाता क्लास, सुने लुस, करबो मेसो (विकेटकीपर), तुमी सेखुखुने, नोंदुमिसो शांगासे.

महिला हिंदू क्रिकेटर के खिलाफ इतने नफरती क्यों हैं कट्टरपंथी?

एजेंसियां। ढाका

बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ अत्याचार बेहद आम है. आम लोगों की तो बात अलग है लेकिन क्रिकेट खेलने वाले खिलाड़ियों को भी वहां नहीं बख्शा जाता है.

बांग्लादेश टीम के बल्लेबाज लिट्टन दास के घर को कुछ ही समय पहले कट्टरपंथियों ने जला दिया था. वहीं बांग्लादेश महिला टीम की क्रिकेटर ऋतु मोनी के खिलाफ भी यही कट्टरपंथी जहर उगलते रहते हैं. उनकी कई सोशल मीडया पोस्ट पर यूजर्स ने बहुत सारे घिनौने कमेंट्स और गालियां दी हुई हैं.

ऋतु मोनी को पड़ी गालियां : ऋतु मोनी की कई इंस्टाग्राम पोस्ट पर यूजर्स ने भर-भर कर गालियां दी हैं. वो एक समय सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव थीं, लेकिन अब उन्होंने पहले के मुकाबले पोस्ट शेयर करना बंद कर दिया है. ऋतु के इंस्टाग्राम पर 1200 से ज्यादा फॉलोअर्स हैं और उन्होंने 50 से ज्यादा पोस्ट भी शेयर की हैं. लेकिन ज्यादातर पोस्ट पर उन्हें गालियां झेलनी पड़ती हैं. ये गाली देने वाले और कोई नहीं बल्कि बांग्लादेश के ही कुछ कट्टरपंथी लोग हैं.

कमेंट सेक्शन में नफरत : बांग्लादेश के हिंदू खिलाड़ियों को अक्सर नफरत की नजरों से देखा जाता है. लिट्टन दास एक बेहतरीन बल्लेबाज हैं जिन्होंने सभी फॉर्मेट में बांग्लादेश की टीम को खूब मैच जिताए हैं. लेकिन इसके बावजूद उनके कमेंट सेक्शन में उन्हें जमकर गालियां पड़ती हैं.

प्रधानमंत्री मोदी की माताजी के अपमान के खिलाफ सड़कों पर दिखा आक्रोश

राजग के बिहार बंद का दिखा व्यापक असर

शुभम संदेश। पटना

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मां के खिलाफ अपशब्दों के विरोध में राजग के बिहार बंद का व्यापक असर दिखा. पटना, सीवान, कटिहार, बांका, अररिया और दरभंगा में राजग कार्यकर्ताओं ने सड़क जाम, दुकानें बंद कराईं और राहुल गांधी व तेजस्वी यादव के खिलाफ नारेबाजी की.

पटना में भाजपा और जनता दल यूनाइटेड (जदयू) कार्यकर्ताओं ने शहर भर के प्रमुख चौराहों पर विरोध प्रदर्शन किया. इसमें प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दिलीप जयसवाल, भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद और संजीव चौरसिया ने हिस्सा लिया. इस मौके पर सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा ₹ इतनी बेशर्मी क्यों ? आप प्रधानमंत्री के खिलाफ टिप्पणी करते हैं और आपके मुंह से एक भी शब्द नहीं निकलता है? अगर हमारा कार्यकर्ता होता तो हम कार्रवाई करते हुए माफी मांगते. भाजपा नेता ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव की उस टिप्पणी का भी जवाब दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि उनकी मां (राबड़ी देवी) के लिए भी अपशब्दों का इस्तेमाल हुआ था. रविशंकर प्रसाद ने कहा आपकी मां पूर्व मुख्यमंत्री हैं. यह राजनीतिक है. क्या हम भी गिनाएं कि राहुल गांधी और विपक्ष के लोगों ने 100 से अधिक बार प्रधानमंत्री के लिए आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया? इस बीच राजग के बिहार बंद के दौरान राजधानी पटना में जगह-जगह पर भाजपा और राजग दलों के कार्यकर्ताओं ने सड़कों पर बैठ कर विरोध प्रदर्शन किया. डाकबंगला चौक और आयकर गोलंबर पर सुबह से ही राजग कार्यकर्ता जमा हो गए थे. इसका असर सरकारी कार्यालयों सहित रोजमर्रा के काम पर जाने वाले लोगों पर भी दिखा .

उधर बंद के तहत सीवान में भी राजग कार्यकर्ता सड़कों पर उतरे. कार्यकर्ताओं ने वाहनों का परिचालन बंद करा दिया. यहां दुकाने भी पूरी तरह बंद रही. कटिहार में पूर्व उप मुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद बंद में शामिल हुये. इस दौरान कई जगहों पर वाहनों की लंबी कतार से जाम लग गया. इस अवसर पर प्रसाद के साथ नगर निगम की मेयर उषा देवी अग्रवाल और राजग कार्यकर्ताओं ने मिर्चाईबारी बजरंग बली चौक पर टायर जलाकर विरोध जताया और राहुल गांधी एवं तेजस्वी यादव के खिलाफ जमकर नारेबाजी की. बांका के पंजवारा में भी बंद का खासा असर दिखा. सुबह से ही बाजार की सभी दुकानें बंद रही. राजग कार्यकर्ताओं ने पंजवारा-गोड्डा राष्ट्रीय राजमार्ग 333ए पर पंजवारा बाजार में सड़क जाम कर आवागमन पूरी तरह बाधित कर दिया. अन्य जगहों पर भी सड़कों से वाहन नादारद रहे. अररिया में क्षेत्र के सांसद प्रदीप कुमार सिंह ने बंद में भाग लेकर दुकानों को बंद कराया. चांदनी चौक के गोलंबर पर चढ़कर उन्होंने समर्थकों के साथ मिलकर विपक्षी नेताओं के खिलाफ प्रदर्शन किया. इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी और तेजस्वी प्रसाद के खिलाफ जमकर नारेबाजी की. इस बीच दरभंगा के भागलपुर में भी बिहार बंद का असर देखने को मिला. सुबह से ही राजग घटक दल के कार्यकर्ता सड़कों पर उतरकर दुकानों और यातायात को बंद कराने में जुटे रहे. इस दौरान राज्यसभा की पूर्व सदस्य एवं जदयू नेत्री कहकशां परवीन, भाजपा जिला अध्यक्ष संतोष साह, दीपक सिंह, कुश पांडे, रोहित पांडे, ईं श्रीकांत कुशवाहा सहित कई राजग नेता सड़कों पर उतरे और विरोध जताया. इस दौरान महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष सपना भारती के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने दिल्ली मोड़ बस स्टैंड पर राहुल गांधी एवं तेजस्वी यादव के खिलाफ नारेबाजी की. सपना भारती ने कहा "जब तक राहुल गांधी और तेजस्वी यादव सार्वजनिक मंच से प्रधानमंत्री से माफी नहीं मांगते, भाजपा का विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा." वहीं जदयू नेत्री डॉ. इस्मत जहां ने भी इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी का प्रधानमंत्री को अपशब्द कहना दुर्भाग्यपूर्ण है.

पटना में बदमाशों ने युवक को मारी गोली, पुलिस जांच में जुटी

पटना। पटना के मनेर थाना क्षेत्र में आज एक युवक को गोली मार दी है. घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और घायल युवक को इलाज के लिए अस्पताल भेजा. मामले की गंभीरता को देखते हुए, नगर पुलिस अधीक्षक (पश्चिम), पटना ने घटनास्थल का निरीक्षण किया. साक्ष्य जुटाने के लिए फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) की टीम को भी बुलाया गया है. इसके अलावा, पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है ताकि घटना से जुड़े और सबूत मिल सकें. पुलिस के मुताबिक, प्रथम दृष्टया यह घटना आपसी विवाद का परिणाम लग रही है. पुलिस ने आरोपी की पहचान कर ली है और उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है. पुलिस का कहना है कि आरोपी को जल्द ही पकड़ लिया जाएगा. इस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है.

पटना: ट्रक में घुसी तेज रफ्तार कार, पांच कारोबारियों की मौत

शुभम संदेश। पटना

राजधानी पटना स्थित सिपारा-पुनपुन रोड पर परसा बाजार थाना इलाके में मंगलवार देर रात सड़क हादसे में 5 कारोबारियों की मौत हो गई. हादसा इतना भीषण था कि कार के परखच्चे उड़ गए. मृतकों में कुर्जी चश्मा गली निवासी 50 वर्षीय राजेश कुमार, पटेलनगर निवासी संजय 55 वर्षीय कुमार सिन्हा, पटना निवासी 38 वर्षीय कमल किशोर, समस्तीपुर निवासी (वर्तमान में पटना में रह रहे थे) 35 वर्षीय प्रकाश चौरसिया और मुजफ्फरपुर निवासी (वर्तमान में पटना में रह रहे थे) 38 वर्षीय सुनील कुमार शामिल हैं. राजेश कुमार के भाई ने बताया है कि, सभी लोग फतुहा किसी व्यावसायिक कार्यवश गए थे और रात में बिहटा-सरमेरा रोड होते हुए पटना लौट रहे थे. रास्ते में यह भीषण हादसा हो गया. राजेश कुमार पटना में एक प्रतिष्ठित एग्रो एजेंसी चलाते थे और इनका नेटवर्क आसपास के जिलों में फैला हुआ था. उनके साथ अन्य व्यापारी भी इसी क्षेत्र में व्यवसाय कर रहे थे.

परसा थानाध्यक्ष मेनका रानी ने बताया कि हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस दल मौके पर पहुंचा. रेस्क्यू ऑपरेशन कर शवों को निकालकर पीएमसीएच (पटना मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल) भेजा गया. हादसे के बाद एक मोबाइल पर कॉल आया, जिसके माध्यम से पुलिस ने राजेश कुमार के परिजन तक जानकारी पहुंचाई. बाद में अन्य परिजनों को भी सूचित किया गया.

प्रारंभिक जांच में पाया गया कि ग्रैंड विटारा कार की रफ्तार काफी तेज थी. ट्रक या तो धीमी गति से चल रहा था या संभवतः किनारे खड़ा था. कार की गति और टक्कर की तीव्रता से यह अंदाज़ा लगाया जा रहा है कि चालक को इतना समय भी नहीं मिला कि व ब्रेक लगा पाता. स्थानीय लोगों के अनुसार, पटना-गया-डोभी फोरलेन पर पहले भी इस तरह के कई हादसे हो चुके हैं. रात के समय ट्रकों की बेतरतीब पार्किंग, सड़क संकेतों की कमी और तेज रफ्तार वाहन यहां दुर्घटनाओं का बड़ा कारण बनते रहे हैं.

परसा बाजार थानाध्यक्ष ने बताया कि प्रथम दृष्टया लग रहा है कि घटना पलक झपकने के कारण हुई है, क्योंकि दोनों गाड़ी सड़क पर चल रही थीं, तभी कार ट्रक के अंदर जा घुसी. फिलहाल आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा कि घटना कैसे हुई.

शराब लदी स्कॉर्पियो पेड़ से टकराई, चालक की मौके पर ही हुई मौत

सुपौल। मरौना थाना क्षेत्र के मधेपुर-भलुआही रोड पर बुधवार सुबह एक शराब से लदी स्कॉर्पियो (बीआर 01पीएच 9279) अनियंत्रित होकर सड़क किनारे जामुन के पेड़ से टकरा गई. हादसे में स्कॉर्पियो चालक 24 वर्षीय रामप्रवेश कुमार यादव (निवासी किसनीपट्टी, घोघरडीहा थाना, मधुबनी) की घटनास्थल पर ही मौत हो गई. टक्कर इतनी जोरदार थी कि वाहन के परखच्चे उड़ गए और पेड़ का आधा हिस्सा टूटकर गाड़ी पर गिर गया. रामप्रवेश स्टेयरिंग सीट पर फंस गया, जिसे बाहर निकालने में पुलिस को करीब 4 घंटे लग गए. अंततः दरवाजा तोड़कर शव को बाहर निकाला गया. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार स्कॉर्पियो तेज रफ्तार में मधेपुर से आ रही थी. भलुआही गांव स्थित विश्वकर्मा मंदिर से कुछ ही दूरी पहले वाहन अनियंत्रित होकर निजी जमीन में बने पिलर को तोड़ते हुए पेड़ से जा टकराया. स्थानीय लोगों और मृतक के करीबी मिथिलेश मंडल के अनुसार, रामप्रवेश कुछ समय पहले तक गलत धंधों से दूर हो गया था, लेकिन रुपये के लालच में फिर से शराब तस्करी से जुड़ी गाड़ी चलाने लगा. बताया गया कि यह गाड़ी विक्रमरही गांव निवासी अवधेश यादव की है.

कटिहार में ट्रैफिक जाम से मिलेगी राहत

118 करोड़ की लागत से बनेगा नया रोड ओवरब्रिज

प्रतीकात्मक फोटो

शुभम संदेश। कटिहार

कटिहार जंक्शन पर यातायात जाम को कम करने की दिशा में रेल मंत्रालय ने बड़ा कदम उठाया है. मंत्रालय ने मुकुरिया इंड पर 118.61 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से 2 लेन रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) के निर्माण को मंजूरी दे दी है. यह आरओबी मौजूदा लेवल क्रॉसिंग गेट KM-2 और KK-1 की जगह लेगा, जो कटिहार-दंडखोरा और कटिहार-मियाना सेक्शन के बीच पड़ते हैं. ये लेवल क्रॉसिंग राज्य राजमार्ग 98 को राष्ट्रीय राजमार्ग 31 से जोड़ने वाली व्यस्त सड़क पर स्थित हैं. यहां ट्रेन परिचालन के दौरान गेट बंद होने से लंबे समय तक जाम लगता था. ट्रैफिक सेंसस 2024 के अनुसार, इन क्रॉसिंग्स पर टीवीयू क्रमशः 1,11,420 और 2,91,024 दर्ज किए गए, जो पिछले वर्षों में रेल और सड़क परिवहन दोनों में तेज़ वृद्धि को दर्शाता है. इसी वजह से आरओबी निर्माण की जरूरत महसूस की गई.

निर्माणाधीन आरओबी में 30 स्पैन का पीएससी गर्डर वायडक्ट और 2 स्पैन का स्टील गर्डर वायडक्ट शामिल होगा. फिलहाल इसके लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया जारी है. रेल मंत्रालय का मानना है कि इस आरओबी के बन जाने से न केवल कटिहार क्षेत्र में रेल परिचालन की सुरक्षा और दक्षता बढ़ेगी, बल्कि सड़क उपयोगकर्ताओं और पैदल यात्रियों को भी जाम से निजात और सुरक्षित आवाजाही मिल सकेगी.

दबंगों ने कांट्रैक्टर से मारपीट कर 1 लाख रुपये नकद लूट लिए

सीवान। सीवन जिले के धनौती ओपी थाना क्षेत्र अंतर्गत चनौर गांव में बुधवार देर रात दबंगों ने पुराने विवाद को लेकर एक युवक के साथ मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया. इस दौरान अपराधियों ने युवक से बंदूक के बल पर 1 लाख नकद और सोने की चेन भी छीन ली. घायल अवस्था में युवक को ग्रामीणों की मदद से सीवन सदर अस्पताल लाया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है. घायल की पहचान चनौर गांव निवासी जय किसुन साह के 35 वर्षीय पुत्र सोनेलाल साह के रूप में हुई है. पीड़ित ने पुलिस को दिए अपने बयान में बताया कि वह बाहर कॉन्ट्रेक्टर का काम करता है. गांव के कुछ लोग जातिगत विवाद को लेकर पहले से ही उसे धमकाते रहते थे. इस संबंध में उसने थाना और न्यायालय में कई बार आवेदन भी दिया था, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई. सोनेलाल ने बताया कि बीती रात वह मजदूरों को भुगतान करने के लिए 1 लाख लेकर घर आया था. घर से बाहर निकलते ही कुछ दबंगों ने घेर लिया और मारपीट शुरू कर दी. इस दौरान उसके गले से सोने की चेन और पॉकेट से पूरे 1 लाख रुपये छीन लिए गए. दबंगों ने बंदूक के बल पर जान से मारने की धमकी दी और बेरहमी से पिटाई की.

यूपी : किराना दुकानदार को 141 करोड़ रु के टैक्स भुगतान का नोटिस

नयी दिल्ली। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में एक छोटे से किराना दुकानदार को उस वक्त बड़ा झटका लगा, जब उसे 141 करोड़ रुपये से ज्यादा की बिक्री का टैक्स नोटिस मिला. दुकानदार का नाम सुधीर है. वह खुरजा के नयागंज इलाके में अपने घर से छोटी सी किराना दुकान चलाते हैं. उनका कहना है कि उनके पैन कार्ड का गलत इस्तेमाल कर दिल्ली में छह फर्जी कंपनियां बनाई गईं. सुधीर को ऐसी परेशानी पहली बार नहीं हुई. साल 2022 में भी उन्हें ऐसा ही एक नोटिस मिला था. उस वक्त उन्होंने इनकम टैक्स डिपार्टमेंट को साफ बता दिया था कि उनका इन कंपनियों से कोई लेना-देना नहीं है. लेकिन इस साल 10 जुलाई को फिर से उन्हें एक नया नोटिस मिला. इस नोटिस में कहा गया कि उनके नाम पर 1,41,38,47,126 रुपये की बिक्री दर्ज हुई है. इतनी बड़ी रकम सुनकर सुधीर हैरान रह गए. इस मामले में पुलिस ने भी कार्रवाई शुरू कर दी है. खुरजा पुलिस स्टेशन में एक केस दर्ज किया गया है. पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच चल रही है.

जीएसटी सुधार परिवर्तनकारी, सुधारों का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाएं उद्योग : गोयल

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने जीएसटी सुधारों को परिवर्तनकारी बताते हुए उद्योग जगत से इसका पूरा लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाने का आग्रह किया. उन्होंने कहा कि जीएसटी सुधारों से करीब सभी क्षेत्रों में मांग बढ़ेगी और देश की आर्थिक वृद्धि को समर्थन मिलेगा. केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने गुरुवार को यहां भारत न्यूट्रावर्स एक्सपो 2025 को संबोधित करते हुए यह बात कही. पीयूष गोयल ने कहा कि न्यूट्रास्युटिकल्स उद्योग कल घोषित जीएसटी में परिवर्तनकारी बदलावों के सबसे बड़े लाभार्थियों में से एक है. उन्होंने आगे कहा कि जीएसटी दरों में कमी से उपभोग मांग में जबरदस्त और अभूतपूर्व वृद्धि होगी. गोयल ने कहा कि उद्योग अब बिक्री की मात्रा में और वृद्धि की आकांक्षा कर सकता है, जिससे सभी के लिए लाभप्रद स्थिति बनेगी. वाणिज्य मंत्री ने इस बात पर भी जोर दिया कि व्यवसायों को बड़े अवसरों का लाभ मिलेगा, जबकि जीएसटी का पूरा लाभ उपभोक्ताओं को दिया जाएगा.

उन्होंने उद्योग जगत से 'मेड इन इंडिया' को बड़े पैमाने पर बढ़ावा देने का भी आह्वान किया. गोयल ने कहा कि जीएसटी में कमी से हर उपभोक्ता को लाभ होगा. उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्ष में की गई कई पहल के फलस्वरूप कल जीएसटी परिषद में अप्रत्यक्ष करों में जो सुधार किया गया...वह परिवर्तनकारी है. इसका दवा क्षेत्र पर तथा किसानों से लेकर हमारे सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई) तक विभिन्न क्षेत्रों पर महत्वपूर्ण प्रभाव होगा. गोयल ने कहा कि देश के प्रत्येक हितधारक, प्रत्येक उपभोक्ता को जीएसटी सुधार का लाभ मिलेगा.

जीएसटी सुधारों को 'बड़ा बदलाव' बताते हुए मंत्री ने कहा कि यह कदम 2047 तक विकसित देश बनने की यात्रा में आने वाले महीनों व वर्षों में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा. उन्होंने जीएसटी में परिवर्तनकारी और अभूतपूर्व सुधार का श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को दिया. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री हमेशा अपने वादे पूरे करते हैं. वाणिज्य मंत्री ने कहा कि यह दिवाली का तोहफा 1.4 अरब नागरिकों के लिए जीवन को आसान बनाने और जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में योगदान देगा. उन्होंने कहा कि राहुल गांधी भारत को एक बेजान अर्थव्यवस्था कहते हैं, जबकि यह दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है.

सरकार 24 रुपये किलो बेचेगी प्याज

नई दिल्ली। केंद्रीय उपभोक्ता, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मामलों के मंत्री प्रह्लाद जोशी ने गुरुवार को यहां एनसीसीएफ, नैफेड और केंद्रीय भंडार की मोबाइल वैन को हरी झंडी दिखाकर 24 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से प्याज की खुदरा बिक्री का शुभारंभ किया. उपभोक्ता, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मामलों के मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि प्रह्लाद जोशी ने 24 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से सब्सिडी वाले प्याज बेचने वाली वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया है. फिलहाल नई दिल्ली, मुंबई और अहमदाबाद में प्याज की खुदरा बिक्री आज से शुरू हो गई. इस कार्यक्रम के साथ ही सरकारी बफर स्टॉक से प्याज की लक्षित और संतुलित मात्रा में आपूर्ति शुरू हुई, ताकि उपभोक्ताओं को यह आवश्यक सब्जी किफायती दामों पर उपलब्ध हो सके. इस अवसर पर मंत्री जोशी ने कहा कि सरकार किसानों और उपभोक्ताओं के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है. खाद्य मुद्रास्फीति को नियंत्रण में रखना भारत सरकार की प्राथमिकता है.

- जोशी ने मोबाइल वैन को दिखाई हरी झंडी

सर्राफा बाजार में 1.07 लाख के पार पहुंचा सोना, चांदी की कीमत में मामूली गिरावट

एजेंसी। नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में सोने की कीमत में तेजी का दौर गुरुवार को भी जारी है. सोने की कीमत में गुरुवार को 700 रुपये से लेकर 770 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की तेजी आई है. हालांकि चांदी के भाव में मामूली गिरावट आई है. कीमत में तेजी आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना प्रति 10 ग्राम 1,06,860 रुपये से लेकर 1,07,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार किया है. दूसरी ओर, 22 कैरेट सोना 97,950 रुपये से लेकर 98,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिका है. चांदी के भाव में मामूली गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,27,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिका है. दिल्ली में 24 कैरेट सोना गुरुवार को 1,07,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार किया है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 98,100 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है. वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,06,860 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 97,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है. इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,06,910 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 98,000 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है. इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,06,860 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 97,950 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है. कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,06,860 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 97,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार किया है.

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,07,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 98,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिका है. पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,06,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 98,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिका है. जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,07,010 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 98,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिका है.

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में तेजी का रुख नजर आ रहा है. इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 1,06,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है. इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 97,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है.

शेयर बाजार | स्टॉक मार्केट में ओवल प्रोजेक्ट्स की सपाट एंट्री

मामूली फायदे में आईपीओ निवेशकों को किया निराश

एजेंसी। नई दिल्ली

सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन, अर्बन डेवलपमेंट और एनर्जी सेक्टर्स में इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट का काम करने वाली कंपनी ओवल प्रोजेक्ट्स इंजीनियरिंग के शेयरों ने गुरुवार को स्टॉक मार्केट में फ्लैट एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया. आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 85 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे. आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग सिर्फ 0.29 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 85.25 रुपये के स्तर पर हुई. हालांकि लिस्टिंग के बाद हुई मामूली लिवाली के कारण कंपनी के शेयरों के भाव में मामूली तेजी का रुख भी बना. सुबह 11 बजे तक कारोबार होने के बाद ओवल प्रोजेक्ट्स इंजीनियरिंग के शेयर 86 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे. ओवल प्रोजेक्ट्स इंजीनियरिंग का 46.47 करोड़ रुपये का आईपीओ 28 अगस्त से 1 सितंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था. इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से भी फीका रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.61 गुना सब्सक्राइब हो सका था. इनमें सिर्फ क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स के लिए रिजर्व पोर्शन ही पूरा भर सका था, जबकि दूसरे वर्गों में पूरा सब्सक्रिप्शन भी नहीं आ सका था. क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 6.21 गुना सब्सक्राइब हुआ था. वहीं, नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में सिर्फ 0.82 गुना सब्सक्रिप्शन आया था. इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 0.83 गुना सब्सक्राइब हो सका था. इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 54,99,200 नए शेयर जारी किए गए हैं. आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी.

कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है. वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 3.19 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 4.40 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 9.33 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया. इस दौरान कंपनी का राजस्व 27 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर (कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट) से बढ़ कर 103.44 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया. इस दौरान कंपनी पर कर्ज में भी लगातार बढ़ोतरी हुई. वित्त वर्ष 2022-23 के आखिर में कंपनी का कर्ज 32.21 करोड़ रुपये, जो वित्त वर्ष 2023-24 के आखिर में बढ़ कर 32.41 करोड़ रुपये हो गया.

मदर डेयरी जीएसटी कटौती का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाएगी : एमडी

एजेंसी। नई दिल्ली

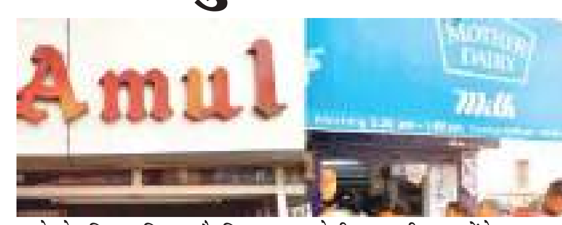

डेयरी उत्पादों पर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों में कटौती के फैसले का मदर डेयरी ने स्वागत किया है. प्रबंध निदेशक (एमडी) मनीष बंदलिश ने कहा कि विभिन्न उत्पादों पर जीएसटी की दर में कटौती का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाया जायेगा. जीएसटी परिषद के फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए एमडी मनीष बंदलिश ने कहा कि हम पनीर, चीज, घी, मक्खन, यूएचटी दूध, दूध आधारित पेय पदार्थ और आइसक्रीम सहित डेयरी उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला पर जीएसटी की दरों को कम करने के केंद्र सरकार के फैसले की सराहना करते हैं.उन्होंने आश्वासन दिया कि मदर डेयरी यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि इस सुधार के लाभ उपभोक्ताओं तक प्रभावी ढंग से पहुंचे. मदर डेयरी के एमडी ने कहा कि इस कदम से उपभोक्ताओं के लिए मूल्यवर्धित डेयरी उत्पादों की सामर्थ्य और उपलब्धता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी. मनीष बंदलिश ने कहा कि यह पैकेज्ड श्रेणियों के लिए विशेष रूप से एक बड़ा बढ़ावा है, जो भारतीय घरों में तेजी से लोकप्रिय हो रही हैं और आगे चलकर इनकी मांग में और तेजी आएगी. उन्होंने कहा कि जीएसटी स्लैब कम करने से पैकेज्ड, मूल्यवर्धित डेयरी उत्पादों को व्यापक रूप से अपनाने को बढ़ावा मिलेगा. इससे सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण उत्पादों के प्रति उपभोक्ताओं की पसंद बढ़ेगी और ज्यादा परिवारों को बेहतर मूल्य पर पौष्टिक डेयरी उत्पादों का आनंद लेने में मदद मिलेगी. मदर डेयरी का वित्त वर्ष 2024-25 में कारोबार 17,500 करोड़ रुपये रहा था.

न्यूज अपडेट

सूडान में भूस्खलन से तरासिन गांव पूरी तरह से तबाह हो गया

नयी दिल्ली । सूडान के पश्चिमी क्षेत्र डारफुर में भूस्खलन से तरासिन गांव तबाह हो गया है. अब तक लगभग 100 शव बरामद किए गए हैं, जबकि मरने वालों की संख्या 1,000 तक पहुंचने की आशंका है. यह हादसा 31 अगस्त को मारा पर्वत क्षेत्र में हुआ, जो अपनी ऊंचाई और भारी वर्षा के लिए जाना जाता है. सूडान लिबरेशन मूवमेंट-आर्मी ने बताया कि संसाधनों और उपकरणों की कमी के बावजूद राहत अभियान जारी है. संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि इलाके तक पहुंचना मुश्किल है और मृतकों की सही संख्या अभी स्पष्ट नहीं है. 300 से 1,000 लोगों की जान जाने की आशंका है. पोप लियो 14वें ने पीड़ितों के लिए प्रार्थना की और इसे मानवीय आपदा बताया.

इसराइल ने संदिग्ध एटमी हथियार कार्यक्रम को ले निर्माण कार्य तेज किया

नयी दिल्ली । विशेषज्ञों द्वारा विश्लेषित उपग्रह चित्रों के अनुसार, इस्राइल के लंबे समय से संदिग्ध एटमी हथियार कार्यक्रम के लिए एक अहम सुविधा में नई संरचना पर निर्माण कार्य तेज हो गया है. उनका कहना है कि यह एक नया रिएक्टर या परमाणु हथियार बनाने की सुविधा हो सकती है. उधर, गाजा के सबसे बड़े दीर अल-बला शहर पर चारों ओर से तोपें और बम बरस रहे हैं. इस्राइल द्वारा सख्त हमले के संकल्प से फलस्तीनियों में डर फैला हुआ है. इस्राइल ने क्षेत्र के उत्तर में स्थित गाजा शहर को युद्ध क्षेत्र घोषित करने के बाद सेना हमास को अधीन करने के अभियान में इसे अपने कब्जे में लेने की योजना बना रही है. वहीं इस्राइल ने पूरे पश्चिम एशिया में निगरानी मजबूत करने के लिए नया जासूसी उपग्रह प्रक्षेपित किया है.

इटली के विटेर्बो शहर में उत्सव से पहले दो हथियारबंद तुर्की गिरफ्तार

विटेर्बो । इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने गुरुवार को बताया कि रोम के निकट मध्य इटली के विटेर्बो शहर में एक लोकप्रिय स्थानीय उत्सव से कुछ घंटे पहले दो हथियारबंद तुर्की व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया. मेलोनी ने पुलिस और गृह मंत्री माटेओ पियांटेडोसी की त्वरित कार्रवाई के लिए प्रशंसा की, जिसके कारण बुधवार रात ये गिरफ्तारियां हुईं. उन्होंने कहा कि इससे एक अनोखे आयोजन का सुरक्षित आयोजन संभव हो सका. इतालवी मीडिया ने बताया कि दोनों व्यक्तियों पर बुधवार के उत्सव के दौरान हमले की योजना बनाने का संदेह है, जिसमें इटली के विदेश मंत्री एंटोनियो तजानी भी शामिल हुए थे. विटेर्बो में पुलिस इन गिरफ्तारियों पर तुरंत कोई टिप्पणी करने के लिए उपलब्ध नहीं थी.

अफगानिस्तान में एक बार फिर कांपी धरती, 4.8 तीव्रता का भूकंप आया

नयी दिल्ली । अफगानिस्तान में विनाशकारी भूकंप आने के बाद से लगातार धरती का कांपना जारी है. राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के एक बयान में बताया गया कि गुरुवार को अफगानिस्तान में फिर से 4.8 तीव्रता का भूकंप आया. भूकंप 135 किमी की गहराई में आया. भूकंप की तीव्रता 4.8 मापी गई. यह 4 सितंबर को सुबह 10:40 बजे 135 किलोमीटर की गहराई में आया. इससे पहले इससे पहले बुधवार देर रात यहां 10 किमी की गहराई में भूकंप दर्ज किया गया था, जिससे आफ्टरशॉक का खतरा बढ़ गया था. एक्स पर एक पोस्ट में एनसीएस ने बताया कि अफगानिस्तान में रात 23:53 बजे 10 किलोमीटर की गहराई में भूकंप के झटके महसूस किए गए.

भारत के नए इमिग्रेशन नियमों से नेपाल-भूटान के नागरिकों को छूट

काठमांडू । भारत सरकार ने 2 सितंबर से पूरे देश में जो नए आप्रवासन नियम लागू किए हैं उससे नेपाल और भूटान के नागरिकों को छूट दी गई है. नए नियम में किसी भी विदेशी नागरिक को भारत प्रवेश करने पर अनिवार्य रूप से फॉर्म सी भरने का निर्देश जारी किया गया है. भारत के गृह मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि नए आप्रवासन नियमों से नेपाल और भूटान के नागरिकों को अलग रखा गया है. गृह मंत्रालय के इस नए नियम को लेकर नेपाल में संशय उत्पन्न होने के बाद काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास ने एक बयान जारी कर नेपाल और भूटान के नागरिकों को इस नए नियम से अलग रखने की जानकारी दी गई है.

भूकंप प्रभावित अफगानिस्तान को भारत ने भेजी 21 टन राहत सामग्री

नयी दिल्ली । अफगानिस्तान के भूकंप पीड़ितों के लिए भारत ने 21 टन राहत सामग्री भेजी है. रविवार देर रात पूर्वी अफगानिस्तान में आए 6 रिक्टर वाले शक्तिशाली भूकंप में 1,400 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 2,500 से अधिक लोग जख्मी हुए हैं. विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भारतीय राहत सामग्री अफगानिस्तान पहुंचने की जानकारी सोशल मीडिया पर दी. भारज से भेजे गए सामान में टेंट, कंबल, स्वच्छता किट, जल भंडारण टैंक, जनरेटर, बर्तन, वाटर प्यूरीफायर, स्लीपिंग बैग, दवाइयां व अन्य सामान शामिल हैं. तबाह हुए पूर्वी पहाड़ी इलाकों में घरों के मलबे से बचे लोगों को निकालने के लिए बुधवार को अफगानिस्तान ने हवाई मार्ग से कमांडो उतारे. साथ ही, उसने भोजन, आश्रय व चिकित्सा आपूर्ति पहुंचाने के प्रयास तेज कर दिए हैं.

पुर्तगाल में ऐतिहासिक पर्यटक ट्रेन दुर्घटनाग्रस्त, 17 की मौत, 21 घायल

एजेंसी । लिस्बन

पुर्तगाल की राजधानी लिस्बन में बुधवार शाम ऐतिहासिक ₹ग्लोरिया एलिवेटर₹ नामक पर्यटक रेल के दुर्घटनाग्रस्त होने से इस हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 17 हो गई गई है. लिस्बन नगर नागरिक सुरक्षा सेवा के अधिकारी मार्गरीडा कास्त्रो मार्टिंस ने इसकी पुष्टि की. पुर्तगाल में ग्लोरिया एलिवेटर को एलेवाडोर द ग्लोरिया, स्ट्रीटकार और फनिक्युलर भी कहा जाता है. इस बीच पुर्तगाल में आज राष्ट्रीय शोक घोषित किया गया है. इसे पुर्तगाल के इतिहास का सबसे भीषण रेल हादसा बताया जा रहा है. द पुर्तगाल न्यूज अखबार के अनुसार मार्टिंस ने बताया कि इस ट्रेन में 38 लोग सवार थे. हादसे में 15 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि 23 अन्य को अस्पताल में भर्ती कराया गया है. इनमें से दो ने रात को दम तोड़ दिया. घायलों में 12 महिलाएं और सात पुरुष हैं. इनमें एक महिला गर्भवती है. मृतकों में पुर्तगाल के चार, स्पेन के दो, कोरिया, केप वर्डे, कनाडा, इटली, फ्रांस, स्वीडन और मोरक्को का एक-एक नागरिक शामिल है. चार घायलों की पहचान नहीं हो सकी है. घायलों को साओ जोस, सांता मारिया, साओ फ्रांसिस्को जेवियर, कास्केस और अमाडोरा-सिंट्रा के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है. इस बीच राष्ट्रीय आपातकालीन चिकित्सा संस्थान के कार्यक्रम योजना, स्टेट प्रोटोकॉल और क्राइसिस मैनेजमेंट इकाई के प्रमुख टियागो ऑगस्टो के अनुसार अग्निशमन विभाग ने आठ वाहनों और 34 चिकित्सा कर्मियों को घटनास्थल पर भेजा है जिन्होंने घायलों को अस्पतालों में पहुंचाया.

पीएम मोदी और सिंगापुर के पीएम लॉरेंस वोंग के बीच हुई मुलाकात

सिंगापुर वाणिज्यिक सहयोगी व ‘एक्ट ईस्ट पॉलिसी’ का स्तंभ

एजेंसी । नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग के बीच गुरुवार को द्विपक्षीय वार्ता हुई. इस दौरान दोनों नेताओं ने बहुआयामी साझेदारी को और सशक्त बनाने के अवसरों पर चर्चा की. प्रधानमंत्री मोदी ने सिंगापुर को भारत का प्रमुख वाणिज्यिक सहयोगी और ‘एक्ट ईस्ट पॉलिसी’ का अहम स्तंभ बताया. प्रधानमंत्री मोदी और सिंगापुर के प्रधानमंत्री वोंग के बीच दिल्ली के हैदराबाद हाउस में हुई द्विपक्षीय वार्ता में आर्किटेक्चर, हरित शिपिंग, कौशल विकास, जल प्रबंधन, परमाणु ऊर्जा और उन्नत विनिर्माण जैसे क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया गया. एआई, क्वांटम और डिजिटल टेक्नोलॉजी, अंतरिक्ष विज्ञान तथा सेमीकंडक्टर उद्योग में सहयोग के नए अध्याय जोड़ने का निर्णय भी हुआ. बातचीत के बाद दोनों नेताओं ने संयुक्त रुप से प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया.

प्रधानमंत्री मोदी ने सिंगापुर को दक्षिण पूर्व एशिया क्षेत्र में भारत का सबसे बड़ा वाणिज्यिक सहयोगी बताया. उन्होंने कहा कि सिंगापुर से भारत में बड़े स्तर पर निवेश हुआ है. पिछले साल सिंगापुर यात्रा के दौरान उन्होंने अपने संबंधों को व्यापक रणनीतिक भागीदारी का दर्जा दिया था और इस वर्ष संवाद और सहयोग में गति और गहराई आई है. सिंगापुर को भारत की एक्ट ईस्ट पॉलिसी का

महत्वपूर्ण स्तंभ बताते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि हम आसियान के साथ सहयोग और इंडो पेसिफिक क्षेत्र में शांति और स्थिरता के लिए संयुक्त विजन को आगे बढ़ाने के लिए मिलकर काम करते रहेंगे.

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और सिंगापुर का सहयोग आज की वार्ता के बाद पारंपरिक क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगा. हमने अपनी भागीदारी के भविष्य के लिए एक विस्तृत रोड में तैयार किया है. बदलते समय के अनुरूप आर्किटेक्चर, उन्नत विनिर्माण, हरित शिपिंग, कौशल, नागरिक परमाणु और जल प्रबंधन सहित विविध क्षेत्र वार्ता के केंद्र बिंदु रहे.

शोध और विकास कार्य को नई दिशा दी : प्रधानमंत्री ने कहा, “हमारे संबंध कूटनीति से कहीं आगे तक जाते हैं. यह एक उद्देश्यपूर्ण साझेदारी है, जो साझा मूल्यों पर आधारित है, आपसी हितों से निर्देशित है और शांति, प्रगति और समृद्धि के साझा दृष्टिकोण से प्रेरित है.” प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले साल सेमीकंडक्टर क्षेत्र में हुए भागीदारी समझौते ने शोध और विकास कार्य को नई दिशा दी है. सिंगापुर चेन्नई में एक राष्ट्रीय कौशल उत्कृष्ट केंद्र स्थापित करने में सहयोग देगा. सेमीकंडर इंडिया में कॉन्फ्रेंस में सिंगापुर की कंपनियों ने वेंचर कर हिस्सा ले रही हैं. प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि दोनों देशों ने तय किया है कि वे एआई, क्वांटम और अन्य डिजिटल टेक्नोलॉजी क्षेत्र में सहयोग बढ़ाएंगे. वहीं आज स्पेस क्षेत्र में भी समझौता हुआ है जिससे अंतरिक्ष विज्ञान में सहयोग का नया अध्याय जुड़ रहा है. टेक्नोलॉजी और नवाचार में हमारी साझेदारी दोनों देशों के रिश्तों की मजबूत स्तंभ है.

एकजुटता से लड़ना सभी मानवतावादी देशों का कर्तव्य : आतंकवाद पर सामान चिंताएं साझा करते हुए उन्होंने कहा कि इसके खिलाफ एकजुटता से लड़ना सभी मानवतावादी देशों का कर्तव्य है. इसी संदर्भ में उन्होंने पहलगाम में हुए आतंकी हमले का उल्लेख किया और कहा कि भारत के लोगों के प्रति संवेदना और आतंकवाद के खिलाफ हमारी लड़ाई का समर्थन देने के लिए वह सिंगापुर के प्रधानमंत्री और सिंगापुर की सरकार का आभार व्यक्त करते हैं. प्रधानमंत्री वोंग के पहली बार भारत आगमन पर प्रधानमंत्री मोदी ने उनका स्वागत किया और कहा कि इस वर्ष को दोनों देश अपने संबंधों की 60वीं वर्षगांठ मना रहे हैं. इससे पहले विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने सुबह मेहमान नेता से मुलाकात की और भारत सिंगापुर संबंधों को लगातार मजबूत करने की उनके प्रयासों की सराहना की.

मणिपुर में छह उग्रवादी गिरफ्तार किए गए, 184.13 किलो गांजा बरामद

एजेंसी । इंफाल

मणिपुर में सुरक्षा बलों ने बीते 24 घंटे में लगातार अभियान चलाकर कई प्रतिबंधित संगठनों के सक्रिय कैडरों को गिरफ्तार किया और लगभग 184.13 किलो गांजा सहित अन्य सामान जब्त किए हैं. पकड़े गए संगठनों में केसीपी (सिटी मैइतेई) और केसीपी (पीडब्ल्यूजी) के दो-दो, पीएलए का एक कैडर समेत एक अन्य को गिरफ्तार किया है. सबसे पहले, केसीपी (सिटी मैइतेई) के दो कैडरों को पकड़ा गया. इनमें लैश्रम सुरनजॉय मैतेई उर्फ थॉई (28), निवासी लैरेनकाबी ममंग लाइकाई, थाना लामशांग, इंफाल वेस्ट शामिल है, जिसे उसके घर से गिरफ्तार किया गया. वहीं दूसरा कैडर फिजाम अथैलू मैतेई (26), निवासी सेक्ता मायाई लाइकाई, थाना लामलै, इंफाल ईस्ट को खबाम चुंब्रेईथोंग से पकड़ा गया. दोनों के पास से दो मोबाइल फोन बरामद हुए.

इसके अलावा, पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) का एक सक्रिय कैडर भी गिरफ्तार किया गया. उसकी पहचान कंगुजम नोंगमैखोम्बा मैइतेई (50), निवासी बासिखोंग, इंफाल ईस्ट के रूप में हुई है. वह बिष्णुपुर जिले में आम जनता, व्यापारियों, स्कूलों और कॉलेजों से वसूली में संलिप्त था. उसके पास से दो सिम कार्ड सहित एक मोबाइल फोन और एक बैगनी रंग की स्कूटी (एमएन 01सी 3338) को जब्त किया है. इनके अलावा, केसीपी (पीडब्ल्यूजी) के दो और सक्रिय कैडरों को भी सुरक्षा बलों ने पकड़ लिया. दोनों का निवास स्थान लैरेनकाबी गांव, थाना लामशांग, इंफाल वेस्ट है. गिरफ्तार किए गए कैडरों के नाम युमनाम सूरचन्द्र सिंह (35) उर्फ सूर और हाओरोंगबम टोम्बा मैतेई (29) बताए गए.

अवैध सट्टेबाजी से जुड़े मामले में शिखर धवन से पूछताछ करेगी ईडी

नई दिल्ली । प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पूर्व क्रिकेटर शिखर धवन को अवैध सट्टेबाजी ऐप से जुड़े धन

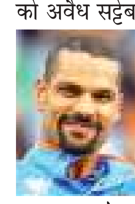

शोधन मामले की चल रही जांच में शामिल होने के लिए समन जारी किया है. यह घटनाक्रम ऐसे समय हुआ है जब कुछ दिन पहले ही ईडी ने पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना से पूछताछ की थी.सूत्रों ने बताया कि धवन को इस अवैध सट्टेबाजी मामले में पूछताछ के लिए गुरुवार को एजेंसी के दिल्ली मुख्यालय में पेश होने के लिए कहा गया है. यह मामला 1एक्स-बीईट नामक ऐप से जुड़ा है. उन्होंने बताया कि धवन सुबह 11 बजे एजेंसी के दफ्तर पहुंचे हैं. कुछ ही देर में उनसे पूछताछ होगी. ईडी अवैध सट्टेबाजी ऐप से जुड़े ऐसे कई मामलों की जांच कर रही है जिन पर करोड़ों रुपये की ठगी का आरोप है.

सोलर एक्सप्लोसिव कं में विस्फोट से एक मजदूर की मौत, 16 घायल

नागपुर । नागपुर जिले के बाजारगांव स्थित सोलर ग्रुप की रक्षा क्षेत्र से जुड़ी आयुध निर्माण कंपनी इकॉनॉमिक एक्सप्लोसिव लिमिटेड (ईईएल) में बुधवार आधी रात 12:34 बजे भीषण विस्फोट हुआ. दुर्घटना में सुपरवाइज़र मयूर गणवीर (आयु 25) की मृत्यु हो गई, जबकि 16 मजदूर घायल हुए हैं. इनमें से चार की हालत गंभीर बताई जा रही है. यह विस्फोट कंपनी के पीपी-15 संयंत्र में हुआ. प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, विस्फोट से पहले आग लगने की घटना हुई थी, जिससे कुछ मजदूरों को बाहर निकलने का मौका मिला. अन्यथा जनहानि और अधिक हो सकती थी. विस्फोट का प्रभाव इतना तीव्र था कि इसकी गूंज बाजारगांव सहित शिवा, सावंगा और आसपास के 10 गांवों तक महसूस की गई. जोरदार आवाज सुनकर नागरिक घबराकर घरों से बाहर निकल आए. घायलों मे कैलास वर्मा, मनीष वर्मा, सनी कुमार, अरुण कुमार, अतुल मडावी, सौरभ डोंगरे, तेजस बांधते, सूरज गुटके, अखिल बावणे, धर्मपाल मनोहर शामिल हैं. हादसे का शिकार हुए 14 घायलों को नागपुर के दंदे अस्पताल में भर्ती किया गया है, जबकि 2 अन्य को राठी अस्पताल, धंतोली में स्थानांतरित किया गया है. विस्फोट के कारण कंपनी की लाखों रुपये की मशीनें और सामग्री पूरी तरह से जलकर खाक हो गई. घटना के समय रात 11 बजे के बाद की शिफ्ट चालू थी और मजदूर प्रयोगशाला एवं विभिन्न यूनिट्स में कार्यरत थे.

पुतिन ने जेलेंस्की की वैधता पर उठाया सवाल, कहा-

यूक्रेन में इस पर जनमत संग्रह जरूरी

बीजिंग । रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन के राष्ट्रपति के रूप में व्लादिमीर जेलेंस्की की वैधता पर सवाल उठाया है. उन्होंने यूक्रेन के अधिकारियों से इस मसले पर जनमत संग्रह कराने का आह्वान किया है. पुतिन ने यहां बुधवार को संवाददाता सम्मेलन में साफ तौर पर कहा कि यूक्रेन में युद्ध समाप्त करने को लेकर किसी भी समझौते के लिए कीव के नेतृत्व की वैधता की आवश्यकता होगी. पुतिन ने कहा कि रूस संभावित भू-विनिमय के हिस्से के रूप में यूक्रेन के लिए किसी भी सुरक्षा गारंटी पर विचार नहीं करेगा. उन्होंने कहा, सुरक्षा गारंटी स्वाभाविक है. हर देश को मिलनी चाहिए, लेकिन इसका क्षेत्रीय आदान-प्रदान से कोई लेना-देना नहीं है. हम भू-विनिमय के लिए नहीं, बल्कि मानवाधिकारों के लिए लड़ रहे हैं. पुतिन ने इस दौरान कहा कि रूस के सशस्त्र बलों के सभी समूह यूक्रेन की सभी दिशाओं में सफलतापूर्वक आगे बढ़ रहे हैं. रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने कहा कि उन्होंने व्लादिमीर जेलेंस्की से मुलाकात की संभावना से कभी इनकार नहीं किया. इस दौरान उन्होंने इस तरह की बातचीत की उपयोगिता पर सवाल उठाया.

लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने में जुटा प्रशासन

दिल्ली में यमुना खतरे के निशान से ऊपर

नई दिल्ली । दिल्ली में खतरे के निशान से 2 मीटर से ज्यादा ऊपर बह रही यमुना के जलस्तर में गुरुवार को भी वृद्धि जारी है. यमुना का जलस्तर गुरुवार को सुबह 10 बजे 207.47 दर्ज किया गया. हरियाणा के हथिनीकुंड बांध से आज 1,33,995 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है. हांलाकि दोपहर 12 बजे यमुना का जलस्तर मामूली गिरावट के साथ 207.46 दर्ज किया गया है. इस दौरान हथिनीकुंड़ से 1,35,702 क्यूसेक पानी छोड़ गया है. यमुना से सटे इलाकों में बुधवार से ही पानी भरना शुरू हो गया है. प्रशासन लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने में लगा हुआ है. दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने गुरुवार को कहा कि हमने सारे इंतजाम कर लिए हैं और यमुना के जलस्तर पर नजर बनाए हुए हैं. कई वर्षों बाद इतना पानी आया है, लोहे के पुल तक पानी आ गया है. उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और बाढ़ नियंत्रण एवं सिंचाई मंत्री प्रवेश साहिब सिंह लगातार इसकी समीक्षा कर रहे हैं. हथिनी कुंड से छोड़े जा रहे पानी को लेकर मुख्यमंत्री ने हरियाणा के मुख्यमंत्री से भी बात की है.

जैसलमेर बॉर्डर पर संदिग्ध युवक गिरफ्तार पाकिस्तान के रास्ते सऊदी जाने की कोशिश

जैसलमेर । ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान सीमा से लगे राजस्थान के इलाकों में सुरक्षा एजेंसियां लगातार अलर्ट पर हैं. सीमा से सटे गांवों और क्षेत्रों में संदिग्ध गतिविधियों पर पैनी नजर रखी जा रही है. इसी सतर्कता के बीच जैसलमेर जिले के पोछिना क्षेत्र में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने पश्चिम बंगाल के वर्धमान जिले के रहने वाले एक युवक को गिरफ्तार किया है. बीएसएफ के अनुसार गिरफ्तार युवक की पहचान 30 वर्षीय लालचंद शेख के रूप में हुई है. वह इंटरनेशनल बॉर्डर से करीब 15 किलोमीटर दूर संदिग्ध परिस्थितियों में पकड़ा गया. जब उससे बॉर्डर क्षेत्र में आने का कारण पूछा गया तो वह संतोषजनक जवाब नहीं दे सका. पूछताछ में उसने बताया कि वह पाकिस्तान के रास्ते सऊदी अरब जाने की कोशिश कर रहा था.

हिंदू पंचांग | 122 साल बाद पितृपक्ष में दो ग्रहण के समाचार वैज्ञानिक तथ्यों पर ग्रहण लगाने वाले

चंद्रग्रहण से होगी पितृपक्ष की शुरुआत व अंत सूर्यग्रहण से

एजेंसी । भोपाल

हिन्दू पंचाग के अनुसार इस साल रविवार, 07 सितंबर को पितृपक्ष के आरंभ की पूर्णिमा पर पूर्ण चंद्रग्रहण की खगोलीय घटना होने जा रही है, जिसे भारत में देखा जा सकेगा. इस पूर्ण चंद्रग्रहण के बाद 21 सितंबर को पितृमोक्ष अमावस्या पर आंशिक सूर्यग्रहण की घटना होगी, लेकिन इसे भारत में नहीं देखा जा सकेगा. इस तरह वैश्विक स्तर पर इस साल पितृपक्ष के आरंभ और अंत दोनों तिथियों पर ग्रहण की घटना होगी. यह जानकारी नेशनल अवार्ड प्राप्त विज्ञान प्रसारक सारिका घारू ने गुरुवार को एक कार्यक्रम के दौरान

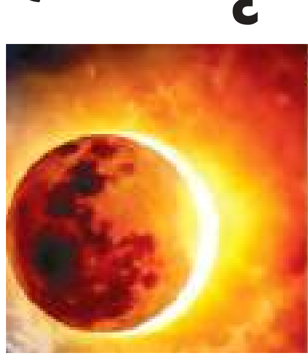

दी. घारु ने बताया कि पितृपक्ष में दो ग्रहण पड़ने के संबंध में सोशल मीडिया में प्रसारित किया जा रहा है कि 122 सालों बाद पितृपक्ष की शुरुआत और अंत ग्रहण की घटनाएं से होने जा रही हैं. इसके लिये 122 साल पहले सन 1903 में हुए दो ग्रहणों का उदाहरण दिया जा रहा है कि तब ये ग्रहण पितृपक्ष के आंरभ और अंत मे थे, जबकि वास्तविकता यह है कि सन 1903 में 21 सितम्बर को पितृमोक्ष अमावस्या को तो पूर्ण सूर्यग्रहण था और इसके 15 दिन बाद 06 अकटूबर 1903 को आंशिक चंद्रग्रहण हुआ था, लेकिन 06 अक्टूबर को तो शरद पूर्णिमा थी और पितृपक्ष समाप्त हुए 15 दिन बीत चुके थे. इस तरह 122 साल पहले हुई घटना के गलत तथ्य प्रस्तुत कर आज की स्थिति में वैज्ञानिक तथयों पर ग्रहण लगाया जा रहा है. उन्होंने कहा कि पितृपक्ष का आंरभ और समापन पर ग्रहण की घटना कोई दुर्लभ नहीं है. इसके पहले भी इस प्रकार की घटना वर्ष 2006 में हुई थी, जबकि पितृपक्ष के आरंभ में 07 सितंबर 2006 भाद्रपद पूर्णिमा पर आंशिक चंद्रग्रहण था, जो कि भारत में दिखा भी था. इसके 15 दिन बाद पितृमोक्ष अमावस्या 22 सितम्बर 2006 को वलयाकार सूर्यग्रहण था, जो कि भारत में नहीं दिखा. उन्होंने बताया कि इसके पहले 1978 में भी यह हो चुका है. तब पितृपक्ष का आरंभ 16 सितम्बर 1978 को पूर्ण चंद्रग्रहण से होकर 02 अक्टूबर 1978 को आंशिक सूर्यग्रहण के साथ समापन हुआ था. इसके पहले भी अनेक बार यह संयोग आता रहा है. उन्होंने आग्रह किया कि तथ्यों की बिना पड़ताल करे किसी समाचार को मसालेदार बनाना वैज्ञानिक तथ्यों को ग्रहण लगाने के समान है. अपने पूर्वजों की स्मृति के इस पखवाड़े को पूर्ण श्रद्धा और वैज्ञानिक जानकारी के साथ मनाएं.

हार्वर्ड विवि को ट्रंप प्रशासन के साथ टकराव में मिल गयी कानूनी जीत

- कानूनविद् कहते हैं कि यह फैसला हार्वर्ड को व्हाइट हाउस के साथ समझौता वार्ता में नई ताकत दे सकता है.

एजेंसी । वाशिंगटन

हार्वर्ड विश्वविद्यालय ने बुधवार को ट्रंप प्रशासन के साथ टकराव में महत्वपूर्ण कानूनी जीत हासिल की. बोस्टन स्थित अमेरिकी जिला न्यायालय की न्यायाधीश एलिसन डी. बरोज ने कहा कि सरकार ने यहूदी-विरोधी भावना को जड़ से खत्म करने के नाम पर अरबों डॉलर के अनुसंधान कोष को रोककर कानून तोड़ा है.

कानूनविद् कहते हैं कि यह फैसला हार्वर्ड को व्हाइट हाउस के साथ समझौता वार्ता में नई ताकत दे सकता है. द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर में बोस्टन स्थित अमेरिकी जिला न्यायालय की न्यायाधीश एलिसन डी. बरोज के फैसले की जानकारी दी गई है. इसमें कहा गया है कि यह एकमात्र विश्वविद्यालय है जिसने अपने शोध निधि पर प्रशासन के लक्षित हमले के खिलाफ मुकदमा दायर किया था. न्यायाधीश बरोज ने 84 पृष्ठों के अपने फैसले में लिखा, ₹हमें यहूदी-विरोध के खिलाफ लड़ना होगा, लेकिन हमें अपने अधिकारों की भी रक्षा करनी होगी, जिसमें अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार भी शामिल है और किसी भी लक्ष्य को दूसरे की वेदी पर बलिदान नहीं किया जाना चाहिए.₹ उन्होंने कहा, हार्वर्ड वर्तमान में, भले ही देर से ही सही, यहूदी-विरोध से निपटने के लिए आवश्यक कदम उठा रहा है और जरूरत पड़ने पर और भी अधिक करने को तैयार है. न्यायाधीश एलिसन डी. बरोज ने कहा, अब अदालतों का काम है कि वे भी इसी तरह आगे आएं. संविधान द्वारा अपेक्षित शैक्षणिक स्वतंत्रता और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की रक्षा के लिए कदम उठाएं. यह सुनिश्चित करें कि महत्वपूर्ण शोध को अनुचित रूप से मनमाने और प्रक्रियात्मक रूप से कमजोर अनुदानों से न रोका जाए, भले ही ऐसा करने से अपने एजेंडे के प्रति प्रतिबद्ध सरकार के क्रोध का जोखिम हो, चाहे इसके लिए उसे कोई भी कीमत चुकानी पड़े.

स्वत्वाधिकारी लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड की ओर से मुद्रक, प्रकाशक प्रदीप कुमार सिंह, क्वार्टर नंबर सी-90, पोस्ट-नावागढ़, थाना-बरोरा, हरिणा कॉलोनी, धनबाद-828306, झारखंड द्वारा फ्लैट नंबर 2ए, सेकेंड फ्लोर, सिंगारो मेनन अपार्टमेंट,चूना भट्ठा, एचबी रोड कोकर, नियर डिस्टिलरी पुल, बिरसा समाधि स्थल) रांची-834001, झारखंड से प्रकाशित और शिवसाईं पब्लिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड, रातू, काठीटांड़, टेंडर बगीचा रातू, रांची - 835222 झारखंड द्वारा मुद्रित. **संपादक : संजय कुमार सिंह.*** फोन नंबर 0651-2913385, 9142897989 (***पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार**).
आरएनआई नं : JHAHIN/2023/84487, ई-मेलः shubhamsandeshnews@gmail.com धनबाद ब्यूरो : ओजोन सेंटर,थर्ड फ्लोर, कमरा नं-306 अशोकनगर, बैंक मोड़, धनबाद-828106. फोन नं – 9431145133.ई मेल-sandeshsubham23@gmail.com.